हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • सोमवार • 27.04.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 270 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

प्रधानमंत्री आज से सिक्किम दौरे पर

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 27 और 28 अप्रैल को सिक्किम के दौरे पर जाएंगे, जहां वे राज्य के 50वें राज्यत्व वर्ष समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे और 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, वह 27 अप्रैल को दोपहर करीब 3 बजे गंगटोक पहुंचेंगे। 28 अप्रैल को सुबह प्रधानमंत्री गंगटोक स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा करेंगे, जहां राज्य की जैविक और पुष्पीय विरासत को प्रदर्शित करने के लिए अत्याधुनिक स्वर्णजयंती मैत्री मंजरी पार्क विकसित किया गया है।

टेकऑफ के दौरान प्लेन के इंजन में लगी आग, 6 यात्री घायल

नयी दिल्ली : राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर बड़ा हादसा टल गया। स्विस एयर की उड़ान जो दिल्ली से ज्यूरिख के लिए रवाना होने वाली थी, टेक-ऑफ के दौरान तकनीकी खराबी का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार, विमान जैसे ही उड़ान भरने की प्रक्रिया में था औ तभी इंजन नंबर 1 में अचानक खराबी आ गई। देखते ही देखते इंजन में आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को भांपते हुए पायलट ने तुरंत टेक-ऑफ कैंसिल कर दिया और विमान को रनवे पर ही सुरक्षित रोक लिया। विमान में कुल 232 यात्री सवार थे, जिन्हें इमरजेंसी स्लाइड के माध्यम से बाहर निकाला गया। इमरजेंसी स्लाइड से उतरते समय 6 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फोटो पत्रकार रघु राय का निधन मंत्री नेताओं ने जताया शोक

नयी दिल्ली : फोटो पत्रकार एवं पद्मश्री से सम्मानित रघु राय का रविवार को निधन हो गया। वह दो वर्षों से कैंसर से पीड़ित थे। उनके निधन पर जानी मानी हस्तियों ने शोक प्रगट किया है। वे 83 साल के थे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उनकी नजर आम जीवन में भी असाधारण अर्थ खोज लेती थी। उन्होंने अपने कैमरे और तस्वीरों के माध्यम से ऐसी अनगिनत कहानियाँ कहीं, जो आज भी हमारी स्मृतियों में हैं। उनकी तस्वीरों ने भोपाल गैस त्रासदी की भयावहता से हमें झकझोरा। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। केंद्रीय संस्कृति एवम पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि उन्होंने फोटोग्राफी की विधा में संवेदना को अनिवार्यता को परिभाषित किया।

बाल-बाल बचे अमेरिकी राष्ट्रपति : ट्रंप के कार्यक्रम में अंधाधुंध फायरिंग

एजेंसी

वाशिंगटन डीसी : अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में उस समय हड़कंप मच गया, जब अति-सुरक्षित माने जाने वाले 'व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर' के दौरान गोलीबारी हुई। हमले के वक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कार्यक्रम स्थल पर ही मौजूद थे। सीक्रेट सर्विस के एजेंटों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रंप को सुरक्षित बाहर निकाला। इस घटना में सीक्रेट सर्विस का एक एजेंट घायल हुआ है, जबकि हमलावर को हिरासत में लेकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह वार्षिक मीडिया कार्यक्रम वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में आयोजित किया गया था। चश्मदीदों के मुताबिक, रात लगभग 8:30 बजे बॉलरूम के प्रवेश द्वार के पास 5 से 8 गोलियां चलने की आवाजें सुनी गईं। गोलियों की आवाज सुनते ही बॉलरूम में अफरा-तफरी मच गई। राष्ट्रपति ट्रंप और वहां मौजूद सैकड़ों पत्रकार व अन्य मेहमान अपनी जान बचाने के लिए मेजों के नीचे छिप गए। मौके पर मौजूद अल जजीरा के पत्रकार क्रिस शेरिडन ने बताया, हमने गोलियों की आवाजें सुनीं और तुरंत जमीन पर लेट गए। यह सब कुछ मेरे बिल्कुल पीछे हुआ। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर की अध्यक्ष वेइजिया जियांग ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि यह भगवान का शुक्र है कि सब सुरक्षित हैं। हालांकि, दुनिया की सबसे अभेद्य सुरक्षा घेरे में शुमार होने वाले इस कार्यक्रम में फायरिंग की घटना ने अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की चौकसी पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

हमलावर गिरफ्तार

- व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान बॉलरूम के बाहर चलीं 8 गोलियां
- एक एजेंट घायल
- त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रंप को सुरक्षित बाहर निकाला

घटना के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर जानकारी दी कि वह, प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के सभी सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। ट्रंप ने सीक्रेट सर्विस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा, इन जांबाज एजेंटों की वजह से बड़ी अनहोनी टल गई। हमलावर पकड़ा जा चुका है।

30 दिनों के भीतर दोबारा होगा डिनर

ट्रंप ने घोषणा की है कि यह डिनर 30 दिनों के भीतर दोबारा आयोजित किया जाएगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पुष्टि की है कि राष्ट्रपति इस घटना के संबंध में जल्द ही ब्रीफिंग रूम से प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

बंगाल में पीएम मोदी का बड़ा एलान

किसानों को सालाना 9,000 और महिलाओं को 36,000 देने का वादा

एजेंसी

बनगांव/कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के लिए लोक-लुभावन वादों का पिटारा खोल दिया है। रविवार को बनगांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यदि बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है, तो विकास और जनकल्याण के कार्यों में तेजी लाई जाएगी।

चुनावी विशेषज्ञों का मानना है कि पीएम मोदी की ये घोषणाएं सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस की 'लक्ष्मी भंडार' जैसी योजनाओं को टक्कर देने के लिए तैयार की गई हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि दूसरे चरण के मतदान में मतदाता इन 'गारंटियों' पर कितना भरोसा जताते हैं।

किसानों के लिए 9,000 की सम्मान निधि

पीएम मोदी ने घोषणा की कि वर्तमान में चल रही पीएम किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाली 6,000 की राशि को बंगाल में बढ़ाकर 9,000 रु.प्रति वर्ष कर दिया जाएगा। यह कदम राज्य के लाखों किसानों को सीधे तौर पर आर्थिक मजबूती प्रदान करेगा।

महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का संकल्प

पीएम ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं का रोडमैप पेश किया। भाजपा सरकार आने पर बंगाल की महिलाओं को हर साल 36,000 रु. की सहायता दी जाएगी। 5 साल के कार्यकाल में यह कुल 1.80 लाख रु. होगी। स्वरोजगार के लिए महिलाओं को 20 लाख रु. तक का मुद्रा लोन मिलेगा। पीएम ने भावुक अपील करते हुए कहा, बैंक गारंटी मांगता है, लेकिन आपकी बैंक गारंटी आपका भाई मोदी देगा। बंगाल की 75 लाख बहनों को सालाना 1 लाख रु. से अधिक कमाई करने में मदद की जाएगी।

बिजली बिल से मिलेगी मुक्ति

मध्यम और गरीब परिवारों को बिजली बिल की चिंता से मुक्त करने के लिए, पीएम ने सोलर प्लांट लगाने हेतु 80,000 रु.की सब्सिडी देने की घोषणा की। उन्होंने दावा किया कि इससे परिवारों का बिजली बिल 'शून्य' हो जाएगा।

शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास पर 'मोदी गारंटी'

बेटियों की शिक्षा में सहायता के लिए 50,000 रु.की राशि दी जाएगी। गरीब परिवारों की महिलाओं के नाम पर पक्का घर बनाने के लिए 1.5 लाख की सहायता प्रदान की जाएगी। पीएम ने वादा किया कि भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत योजना लागू की जाएगी, जिससे 5 लाख तक का मुफ्त इलाज सुलभ होगा।

रांची और बोकारो में 'जेट' की परीक्षा रद्द

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची/बोकारो : झारखंड में रविवार, 26 अप्रैल 2025 को आयोजित झारखंड पात्रता परीक्षा (जेट) अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई। राज्य के दो प्रमुख केंद्रों–रांची और बोकारो–में भीषण गड़बड़ियों के बाद आयोग ने तत्काल प्रभाव से परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया है। इस घटना से न केवल परीक्षा प्रबंधन पर सवाल खड़े हुए हैं, बल्कि दूर-दराज से आए हजारों अभ्यर्थियों में भारी रोष व्याप्त है। दोपहर 12:30 बजे तक प्रशासन अभ्यर्थियों को आश्वासन देता रहा, लेकिन जब समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो परीक्षा रद्द करने की घोषणा कर दी गई। इसके बाद गुस्साए छात्रों ने स्कूल के बाहर जमकर नारेबाजी की और झारखंड लोक सेवा आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया। जेपीएससी ने आधिकारिक पुष्टि की है कि इन दोनों केंद्रों की परीक्षा रद्द कर दी गई है।

प्रश्न पत्र कम पड़े, 4 घंटे इंतजार के बाद हंगामा

बोकारो के सेक्टर-9 स्थित सरदार पटेल पब्लिक स्कूल में परीक्षा शुरू होने से पहले ही अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुबह 8 बजे से ही अभ्यर्थी अपनी सीटों पर बैठ गए थे, लेकिन तय समय पर प्रश्न पत्र नहीं बांटे जा सके। जांच में पता चला कि केंद्र पर प्रश्न पत्रों की संख्या कम थी और जो पैकेट मिले वे अधूरे थे।

वहीं राजधानी रांची के एसटीवीएस डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (शहीद चौक) में एक अलग ही समस्या देखने को मिली। यहाँ उड़िया विषय की परीक्षा होनी थी, लेकिन अभ्यर्थियों को जो प्रश्न पत्र दिए गए, वे पूरी तरह अपठनीय थे। खराब छपाई और तकनीकी त्रुटियों के कारण छात्र प्रश्नों को पढ़ ही नहीं पा रहे थे। छात्रों के विरोध को देखते हुए यहाँ भी प्रशासन को परीक्षा रद्द करने का फैसला लेना पड़ा।

प. बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में बम विस्फोट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में इसी साल मार्च में हुए बम विस्फोट मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे।

एनआईए के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित की पहचान आहिदुल इस्लाम मुल्ला के रूप में हुई है, जो बिजॉयगंज बाजार क्षेत्र का निवासी है। एजेंसी ने उसकी भूमिका की विस्तृत जांच के बाद उसे गिरफ्तार किया। इस मामले में एक अन्य आरोपित को पहले ही राज्य पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

एजेंसी ने बताया कि जांच में सामने आया है कि आहिदुल इस्लाम मुल्ला इस साजिश का सह-आरोपित था। वह बम बनाने और सबूतों को नष्ट करने की साजिश में शामिल था। साजिश के तहत बम तैयार किए जा रहे थे, तभी विस्फोट हो गया, जिसमें एक आरोपित की मौके पर ही मौत हो गई।

यह घटना दक्षिण बमुनिया गांव में हुई थी, जिसने क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। एनआईए ने मामले को अपने हाथ में लेकर विस्तृत जांच शुरू की थी।

एजेंसी ने बताया कि इस मामले (आरसी-09/2026/एनआईए/डीएलआई) में आगे की जांच जारी है और अन्य आरोपितों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में सेंध

महिला ने बैरिकेड पार कर की मंच पर चढ़ने की कोशिश

एजेंसी

हुगली : पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के दौरान एक महिला ने बैरिकेड पार कर मंच तक पहुंचने की कोशिश की। मौके पर अफरा-तफरी मच गई, सुरक्षा कारणों से उसे मंच पर चढ़ने नहीं दिया गया और पुलिस ने उसे तुरंत वहां से हटा दिया। घटना रविवार को आरामबाग सांगठनिक जिले के हरिपाल में हुई, जहां प्रधानमंत्री सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान एक महिला अचानक बैरिकेड पार कर मंच की ओर बढ़ने लगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार, महिला पार्टी की ही एक कार्यकर्ता बताई जा रही है। मौके पर मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की।

बताया जा रहा है कि महिला प्रधानमंत्री के पास पहुंचने की जिद पर अड़ गई और जमीन पर लेटकर जाने दो की मांग करती रही। इसके बाद पुलिस और पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने मिलकर उसे वहां से हटाने का प्रयास किया। कुछ ही देर में अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया और महिला को उठाकर सभा स्थल से बाहर ले जाया गया। इस बीच प्रधानमंत्री की नजर भी इस घटना पर पड़ी, हालांकि कुछ ही समय में स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और सभा सुचारू रूप से जारी रही।

इजराइल ने गाजा पर किया हमला चार की मौत

गाजा पट्टी/बेरूत : गाजा और लेबनान के लोग इजराइल के हमलों से जूझ रहे हैं। आज सुबह गाजा पर हुए इजराइली हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है। साथ ही इजराइल ने लेबनान में पर्चे गिराकर लोगों को चेतावनी दी है। लेबनान के साथ सैन्य विराम के बीच इजराइल लगातार हिजबुल्लाह के ठिकानों और आतंकवादियों को निशाना बना रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि एक हवाई हमले में अल-मुगराका के मध्य गांव के पास एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि इजराइली गोलीबारी और गोलाबारी में गाजा शहर के पास दो अन्य लोग मारे गए। इजराइली सेना ने दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में 40 साल की एक महिला को गोली मार दी बाद में इस महिला की मौत हो गई। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में कम से कम 72,587 लोग मारे जा चुके हैं। अक्टूबर 2025 में संघर्ष विराम होने के बाद भी हमले थमे नहीं हैं। उधर, इजराइल ने लेबनान के टायर जिले के गांवों में पर्चे गिराए हैं। इन पर्चों में लोगों को आवाजाही के प्रति आगाह किया गया है।

'मन की बात' में पीएम मोदी: पूर्वोत्तर के 'ब्रांड एंबेसडर' बन बांस उद्योग को दी नई पहचान

एजेंसी

गुवाहाटी : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर पूर्वोत्तर भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए खुद को इस क्षेत्र का 'ब्रांड एंबेसडर' बताया है। रविवार को प्रसारित अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 133वें संस्करण में प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर की समृद्ध परंपराओं और यहाँ के बांस उद्योग की वैश्विक क्षमता पर विस्तार से चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि कैसे पूर्वोत्तर के किसान और युवा बांस की खेती

के जरिए आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उन्होंने गोमती जिले के बिजोय सूत्रधार और दक्षिण त्रिपुरा के प्रदीप चक्रवर्ती, जिन्होंने बांस के हस्तशिल्प को वैश्विक बाजार तक पहुँचाया है। नगालैंड के युवा बांस की कोंपलों से बेहतरीन खाद्य उत्पाद तैयार कर रहे हैं। मिजोरम किसान खेती के लिए बांस से बने ग्रीनहाउस का प्रभावी उपयोग कर रहे हैं। गंगटोक का लगास्ट बंबू एंटरप्राइज विश्व-स्तरीय हस्तनिर्मित उत्पाद बना रहा है।

प्रधानमंत्री के इस संबोधन को असम में व्यापक स्तर पर सुना गया। प्रदेश भाजपा के अनुसार, राज्य के 30,000 से अधिक बूथों पर करीब 30 लाख कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम को सुना।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने पूर्वोत्तर की 'बांस अर्थव्यवस्था' पर जोर देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि गुवाहाटी का लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अपनी बांस-आधारित वास्तुकला के साथ इस उद्योग की सफलता का प्रतीक है। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान भी इस कार्यक्रम से जुड़कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों और वैश्विक समुदाय से आग्रह किया कि वे बांस से बने उत्पादों को अपनाएं। उन्होंने लोगों को प्रोत्साहित किया कि वे बांस की कलाकृतियों को दोस्तों और परिजनों को उपहार के रूप में दें, ताकि स्थानीय कारीगरों को आर्थिक मजबूती मिल सके।

बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या!

तृणमूल कांग्रेस पर हमलावर हुए राहुल, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

एजेंसी

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की कथित हत्या को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा कर कहा कि चुनाव के बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा की गई यह हत्या बेहद निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में

लोकतंत्र की जगह गुंडाराज चल रहा है, जहां विरोधी आवाजों को डराने और खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा पर आधारित नहीं रही है और पार्टी ने हमेशा अहिंसा तथा संविधान के रास्ते पर चलने का संकल्प लिया है। कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं को खोया है, इसके बावजूद पार्टी ने शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों को ही अपनाया है।

उन्होंने ताजा मामले में आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी और मृतक के परिवार को सुरक्षा के साथ उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करने वाली ऐसी राजनीति के सामने कांग्रेस झुकेगी नहीं और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

एक नजर

41 डिग्री तापमान, गर्मी से इंसान के साथ जानवर भी है बेहाल

बड़कागांव: बड़कागांव प्रखंड में गर्मी से लोग बेहाल हैं ' रविवार को अधिकतम 41 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ भयंकर लू चल रही है ' गर्मी का असर का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है की कई दुकानदार दोपहर में अपनी दुकान बंद कर दे रहे हैं ' गांव की सड़के सूनी देखी जा रही है। मौसम थोड़ा नॉर्मल होने के बाद दुकाने खोली जा रही है' बेतहाशा गर्मी से लोग परेशान तो हैं। बिजली भी ग्रामीणों को खूब सता रही है' समय पर बिजली नहीं मिलने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लो वोल्टेज में अचानक उतार-चढ़ाव के कारण लोगों की फ्रिज इंडक्शन पंखे भी खराब हो रहे हैं। जिस पर बिजली विभाग के वरीय पदाधिकारी को विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ताकि बार-बार हो रही वोल्टेज में उतार-चढ़ाव को रोका जा सके। इधर गर्मी के कारण नदी तालाब वा कुए अब अंतिम सांसे गिन रहे हैं। गिने-चुने जलस्रोत से ही लोग अपना काम चला रहे हैं। वही बता दें कि गर्मी का असर सिर्फ इंसानों पर नहीं बल्कि मवेशियों, पर भी देखी जा रही है। बुजुर्गों की माने तो अप्रैल माह में इतनी भारी गर्मी कभी भी नहीं देखी गई थी। पिछले एक सप्ताह से सुबह 7:00 से लेकर देर शाम तक गर्म हवा चलती रहती है। जिसके कारण लोगों की नींद भी खराब हो जा रही है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के प्रो कन्हैया त्रिपाठी ने छात्रावास का किया निरीक्षण

बहरी : राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली के झारखंड राज्य के स्पेशल मॉनिटर प्रो कन्हैया त्रिपाठी ने आर्यभट्ट सभागार में आयोजित कार्यशाला के बाद परिसर में स्थित सरोजिनी नायडू छात्रावास का भौतिक परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण स संकायाध्यक्ष डॉ विकास कुमार, सीसीडीसी प्रो मिथिलेश कुमार सिंह, कुलसचिव डॉ प्रणिता, डॉ सुनील कुमार दुबे तथा अर्चना रीना धान उपस्थित थे। उन्होंने छात्रावास भवन का निरीक्षण के उपरांत छात्रावास प्रभारी एवं विद्यार्थियों से विस्तार से बातचीत की। निरीक्षण उपरांत वह काफी संतुष्ट दिखे।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की खुदखुशी की, मायके पक्ष ने जताई हत्या की आशंका

चलकुशा: थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सुदन में एक विवाहिता की फांसी लगाने से मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान बिंदवाशनी देवी (25 वर्ष), पति मुकेश पासवान के रूप में हुई है। बताया जाता है कि घटना दोपहर करीब एक बजे बिंदवाशनी देवी ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। हालांकि, मृतका के मायके पक्ष ने इसे हत्या का आरोप लगा रहे हैं। ओर जम कर हो हंगामा किया मृतका दो बच्चों की मां थी। उसकी शादी वर्ष 2017 में मुकेश पासवान के साथ हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। मृतका का मायका कोडरमा जिला के मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमरिया गांव में है। उसके पिता केदार यादव पूर्व में मुखिया रह चुके हैं। ग्रामीणों अनुसार मृतका का किसी अन्य व्यक्ति के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसे लेकर पहले भी परिवार में विवाद और समझौते की स्थिति बनी थी।

विभावि में मानव अधिकार एवं लैंगिक समानता पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हमारी जिंदगी ग्रीड और नीड आधारित हो गई है। इसी कारण मानव अधिकार के उल्लंघन और दुरुपयोग हो रहे हैं। हमारे अंदर संग्रह करने की प्रवृत्ति पर नियंत्रण करनी पड़ेगी। त्याग की भावना को अपनानी होगी। उक्त बातें झारखंड राज्य के लिए नियुक्त राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली के 'स्पेशल मॉनिटर' प्रो कन्हैया त्रिपाठी ने रविवार को कही। वह "मानव अधिकार एवं लैंगिक समानता" विषय पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक एवं यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज के प्राचार्य को आर्यभट्ट सभागार में संबोधित कर रहे थे। प्रो कन्हैया विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में छात्रों की आधिकाधिक संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त की। हर स्तर पर महिलाओं की सक्रिय सहभागिता की भी सराहना की। बताया की एकल तथा सामूहिक अधिकार के अर्थ में महिलाओं के अधिकारों को स्थापित करने के विशेष प्रयास किए जाएं। मुख्य अतिथि ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग तथा मानव अधिकार कानून के विषय में जागरूकता के महत्व को रेखांकित किया। बताया कि हम सबको अधिकारों और कर्तव्यों की भाषा जाननी चाहिए। एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में मानव अधिकारों की जानकारी रखना विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। प्रो कन्हैया त्रिपाठी ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय में एक मानव अधिकार कोषांग का गठन हो। विश्वविद्यालय में मानव अधिकार पर एक पुरस्कार की स्थापना हो जो प्रत्येक वर्ष मानव अधिकार पर बेहतरीन काम करने वाले को दिया जाए। "ूमन राइट्स क्लब' का गठन हो जहां विद्यार्थियों द्वारा समय-समय पर वाद-विवाद और परिचर्चा के आयोजन हो। प्रो त्रिपाठी ने सुझाव दिया कि नए सत्र से 'ह्यूमन राइट्स एंड हैप्पीनेस' पर नया पाठ्यक्रम प्रारंभ की जाए। यदि संभव हो इस पर नया विभाग स्थापित हो। बताया कि मेरे अगले दौरे में मैं इसे देखना चाहूंगा। महिलाओं की विशेष देखभाल की आवश्यकता पर बल देते हुए मुख्य अतिथि ने हंसा मेहता की चर्चा करते हुए संयुक्त राष्ट्र में मानव अधिकारो की सार्वभौम घोषणापत्र तैयार करने में उनके योगदानों की जानकारी दी। बताया कि महिला छात्रावास में वेंडिंग मशीन लगाई जाए तथा सैनिटरी पैड्स की व्यवस्था रखे। विश्वविद्यालय में विशेष कर छात्राओं के लिए स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था हो तथा सैनिटेशन का ध्यान रखी जाए। बताया कि यह सब उनकी गरिमा से संबंधित मामले हैं। थर्ड जेंडर और दिव्यांग लोगों के अधिकारों का विशेष ध्यान रखने की वकालत की। मुख्य अतिथि ने बताया कि यह सुनिश्चित करें कि किसी महिला का अपमान ना हो। शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई हो। यह भी स्पष्ट किया कि गलत आरोप लगाने वाले पर भी कार्रवाई हो। बताया कि प्रत्येक दिन कम-से-कम कोई एक अच्छा कार्य अवश्य करें। इससे सार्वभौमिक चेतना विकसित होगी।

पम्मी के विवाह समारोह में शामिल हुए जनप्रतिनिधिगण, दी शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टंडवा : चतरा जिला के अंतर्गत टंडवा प्रखंड के कल्याणपुर पंचायत के ग्राम नइपारम टंडवा प्रखंड के रविदास महासभा के अध्यक्ष सह पत्रकार अमेरिका कुमार दास के सुपुत्री पम्मी कुमारी ने विवाह के प्रेम विवाह के बंधन में बादल के साथ बंध गई शादी समारोह के संपन्न होने के बाद आयोजित रिसेप्शन पार्टी में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने पहुंचकर नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सिमरिया के विधायक उज्जवल दास, एवं स्थानीय मुखिया सुभाष दास, महेश मुंडा ,वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र दास , कुलदीप दास, पवन दास ,बालमुकुंद दास, विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने वर-वधू को सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। लड़की का पिता तंदूर प्रखंड रविदास महासभा के अध्यक्ष सह पत्रकार अमेरिका कुमार दास,और माता ने अपनी बेटी को विदाई दिए जिससे पूरे परिवार फूट-फूट कर रो पड़े मौके पर उपस्थित एवं के अभिभावक के वरिष्ठ नेता छोटेलाल राम ,परमेश्वर राम, जागेश्वर राम, पिंटू राम, उमेश राम, दीपक राम रंजीत राम, रवि राम ,कमलेश राम यादव सिकंदर यादव कर्मजीत विनोद राम ,और और समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे समारोह में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हर्षोल्लास का माहौल बना रहा।

गरीब घर की बेटी नेहा कुमारी एमबीबीएस डिग्री हासिल कर गांव का नाम रोशन की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगा के ग्राम कुठान के गरीब के बेटी राजश्री छत्रपति शाहूमहाराज मेडिकल कॉलेज कोल्हापुर से एम बी बी एस की डिग्री हासिल की,गौरान्वित हुआ पूरा प्रखंड भास्कर न्यूज केरेडारी केरेडारी प्रखंड के लिये 24 अप्रैल 2026 काफी खुशखबरी व गौरान्वित करने वाला दिन रहा। प्रखंड अंतर्गत कुठान गांव की बेटी व आर्मी के सूबेदार पद से रियार्ड संतोषी महतो की होनहार पुत्री नेहा कुमारी राजश्री छत्रपति शाहूमहाराज मेडिकल कॉलेज कोल्हापुर, महाराष्ट से एम बी बी एस की डिग्री हासिल की है। वर्ष 2020 में इसके नीट की परीक्षा में ऑल इंडिया रेंक के आधार पर इस सरकारी मेडिकल कॉलेज में नामंकन मिला था। जिससे साढ़े पांच साल की कड़ी मेहनत के बाद गत 24 अप्रैल 2026 को कॉलेज प्रबंधन से सम्मानित के साथ विदाई दी गयी। इस सुनहरे अवसर पर नेहा के माता-पिता भी शामिल हुए। नेहा के इस सफलता के लिये प्रखंड के प्रबुद्धगण में बालेश्वर कुमार, अनिता सिंह, पार्वती देवी, बैद्यनाथ महतो, मीना देवी, पंकज साहा आदि ने शुभकामनाएं दी है।

मुस्लिम समुदाय के अधिकारों पर हुई परिचर्चा, मई में रांची में होगी बड़ी बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही विधानसभा क्षेत्र के पंचायत भवन कोनरा में अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति के अध्यक्ष मो. कयूम के नेतृत्व में मुस्लिम समुदाय के न्याय एवं अधिकार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन तौकीर रजा ने किया। परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रूप में रांची से पहुंचे झारखंड छात्र संघ एवं आमया संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष एस. अली ने कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बिना स्पष्ट स्थानीय नीति के हो रही नियुक्तियों से झारखंड के युवाओं के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग उठाई। एस. अली ने कहा कि पिछड़ी जातियों को उनकी आबादी के अनुपात में आरक्षण नहीं मिल रहा है और सरकारी नौकरियों में आयु सीमा में भी अपेक्षित छूट नहीं दी जा रही। उन्होंने वर्ष 2003 की मतदाता सूची में पाई गई त्रुटियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए सुझाव दिया कि एसआईआर के दौरान बिहार की 1990 की मतदाता सूची से भी मिलान किया जाए। शिक्षा के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जेटेट में संस्कृत विषय को शामिल किया गया है, जबकि उर्दू विषय की उपेक्षा की गई है। साथ ही मदरसा आलिम-फाजिल डिग्री के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना और डिग्री की वैधानिकता को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने वर्ष 2021 में विधानसभा से पारित मॉब लिंचिंग रोकने से जुड़े विधेयक को अब तक कानून के रूप में लागू नहीं किए जाने पर चिंता जताई। इसके अलावा, धार्मिक स्थलों के भूमि अभिलेखन, अल्पसंख्यक संस्थाओं में स्थायी पदों की नियुक्ति जैसे मुद्दों को भी उठाया गया। एस. अली ने बताया कि इन सभी मुद्दों को लेकर मई माह में रांची में मुस्लिम बुद्धिजीवियों की एक बड़ी बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें राज्य के सभी जिलों एवं प्रखंडों से सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे।

थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने किया एंटी क्राइम चेकिंग

जनता की सुरक्षा देना हमारी पहली प्राथमिकता : थाना प्रभारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निदेर्शानुसार सख्त कार्यशैली और अपराधियों की अपराध पर पानी फेरने को लेकर थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने अपने क्षेत्र में आधी रात को पेट्रोल पंप , एटीएम तथा बैंक के सामने एंटी क्राइम वाहन चेकिंग सह ड्रिंक एंड ड्राइव चेकिंग किया। जिसका मुल उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना। इस जांच अभियान के दौरान दोपहिया एंव चार पहिए वाहनों की जांच की गई। इस दौरान बीती रात को थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से एंटी- क्राइम चेकिंग किया। जिसमें आवागमन करने वाले सभी वाहनों की सघन जांच की गई। जिसमें दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों को रोककर डिकी, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र आदी आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। साथ ही साथ संदिग्ध गतिविधियों और व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी गई। थाना प्रभारी ने बताया कि जनता की सुरक्षा देना हमारी पहली प्राथमिकता है। यह औचक निरीक्षण क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए जा रहा है। एंव आसामाजग सामाजिक तत्वों पर नजर रखने और किसी भी आपराधिक घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से आधी रात को मोटरसाइकिल व चार पहियों का औचक निरिक्षण किया गया।

चौपारण में ब्रम्हर्षि समाज की अहम बैठक, संगठन मजबूती व धर्मशाला निर्माण पर बनी रणनीति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : ब्रम्हर्षि समाज चय परगना की एक महत्वपूर्ण बैठक समाज के अध्यक्ष सुधीर सिंह के आवास पर उनकी अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समाज को और अधिक संगठित एवं सशक्त बनाने के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान इटखोरी स्थित माँ भद्रकाली मंदिर परिसर में प्रस्तावित धर्मशाला निर्माण पर भी विचार-विमर्श किया गया। बताया गया कि धर्मशाला निर्माण के लिए रामकुमार सिंह (पिता बाबूलाल सिंह) एवं उनके पुत्र संजय सिंह द्वारा भूमि दान दी गई है। इस पुनीत कार्य के लिए पूर्व शिक्षक स्वर्गीय रामचन्द्र सिंह के अथक प्रयासों को भी याद किया गया। अध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि समाज को मजबूत बनाने के लिए सभी लोगों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नई पहल करने तथा युवाओं को समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी समाज के विकास और भावी योजनाओं पर अपने विचार रखे। बैठक में स्वामी सहजानंद विकास मंच के अध्यक्ष अजय सिंह समेत समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसमें सुखदेव सिंह, अर्जुन सिंह, रामफल सिंह, शिव कुमार सिंह, राम प्रकाश सिंह, अरविंद कुमार सिंह, प्रेम सिंह, श्रीकांत सिंह, हीरा सिंह, रंजन सिंह, प्रमोद सिंह, विद्या सागर सिंह, प्रदीप सिंह, जनार्दन सिंह, अभिमन्यु सिंह, सुरेंद्र सिंह, सतीश सिंह, रामचन्द्र सिंह, बसंत सिंह, बिनोद सिंह, रामकुमार सिंह, भरत सिंह, सुजीत सिंह, दीपू सिंह, पप्पू सिंह, सुरेश सिंह, दिनेश सिंह सहित हजारीबाग जिला के चौपारण, बरही तथा चतरा जिला के इटखोरी, मयूरहंड, गिद्धौर प्रखंड के करीब 36 गांवों के लोग शामिल हुए। बैठक के अंत में वित्तीय वर्ष 2025-26 का आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया।

संक्षिप्त खबरें

अनमास्क्ड साइबर सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड की ओर से जागरूकता अभियान का किया गया आयोजन

हजारीबाग : अनमास्क्ड साइबर सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा शहर के इंग्लिश कैफे में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सुबह 7:30 बजे एवं शाम 5:30 बजे दो सत्रों में संपन्न हुआ, जिसमें छात्रों, युवा पेशेवरों और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान में व्यक्तिगत व वित्तीय डाटा की सुरक्षा, फि शिंग हमलों से बचाव, मजबूत पासवर्ड, दो-स्तरीय प्रमाणीकरण तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। इस अवसर पर संस्था के सौरव विश्वकर्मा ने कहा कि जागरूकता ही साइबर सुरक्षा की सबसे बड़ी कुंजी है। वहीं शंपा बाला ने कहा कि लोगों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना हमारा उद्देश्य है। कार्यक्रम का समापन इस संदेश के साथ हुआ क्लिक करने से पहले सोचें आपकी सुरक्षा आपके हाथ में है।

बड़कागांव में आज से डिज्नीलैंड मेले का शुभारंभ

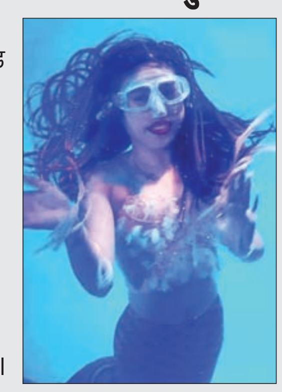

बड़कागांव : बड़कागांव में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य डिज्नीलैंड मेले का शुभारंभ आज सोमवार से होने जा रहा है। मेले में इस बार एक से बढ़कर एक आकर्षक झूले, मनोरंजन के साधन एवं विभिन्न प्रकार के स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र होंगे। मेले की सबसे खास बात यह है कि इस बार पहली बार शहरवासियों के लिए जलपरी शो प्रस्तुत किया जाएगा, जो लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। बच्चों, युवाओं एवं परिवारों के मनोरंजन के लिए मेले में कई नए और रोमांचक झूले लगाए गए हैं। आयोजकों ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी मेले को और भव्य एवं आकर्षक बनाने का प्रयास किया गया है। ताकि बड़कागांव की जनता को बेहतर मनोरंजन का अवसर मिल सके। मेले को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

खौराटांड नदी पर बने पुल के निचे से खिसका मिट्टी, घट शक्ति हैं बड़ी दुर्घटना

चलकुसा : चलकुशा प्रखंड अंतर्गत तिलैया टांड़ से खौराटांड़ को जोड़ने वाली नदी पर बना पुल इन दिनों गंभीर खतरे की ओर इशारा कर रहा है। यह पुल हजारीबाग जिला के चलकुशा प्रखंड और गिरिडीह जिला को जोड़ती है और इस पुल से प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है, लेकिन इसके नीचे से मिट्टी धंस जाने के कारण इसकी मजबूती पर सवाल खड़े हो गए हैं। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के केंद्रीय संगठन मंत्री आनंद कुमार यादव के अनुसार, पुल के आधार के पास से लगातार मिट्टी खिसक रही है, जिससे पुल कमजोर होता जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस गंभीर समस्या की ओर न तो ग्रामीणों का समुचित ध्यान जा रहा है और न ही स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई ठोस पहल की गई है। यदि समय रहते इस दिशा में आवश्यक मरम्मत कार्य नहीं कराया गया, तो कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है, जिससे जान-माल का भारी नुकसान होने की आशंका है। संगठन मंत्री आनंद कुमार यादव एवं ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पुल की जांच कराकर मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि संभावित खतरे को टाला जा सके।

दनुआ घाटी हादसों पर एक्शन में एसपी, सुरक्षा इंतजाम दुरुस्त करने के निर्देश

चौपारण : चौपारण थाना क्षेत्र की खूनी घाटी के नाम से चर्चित दनुआ घाटी में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अमन कुमार रविवार को एक्शन मोड में नजर आए। रविवार दोपहर वे स्वयं घटनास्थल पहुंचे और हालात का जायजा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान एसपी ने मौके पर तैनात पुलिस पदाधिकारियों से दुर्घटनाओं के कारण, घटनाक्रम तथा सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सतर्कता बढ़ाने को कहा। दनुआ घाटी में लगातार हो रहे हादसों को देखते हुए एसपी ने जिला परिवहन पदाधिकारी हजारीबाग एवं एनएचएआई के अभियंता मुकेश विश्वकर्मा के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क सुरक्षा को लेकर कई अहम निर्देश जारी किए गए। एसपी ने सभी अवैध कटों को तत्काल बंद करने, एडवांस साइन बोर्ड लगाने, स्पीड लिमिट बोर्ड स्थापित करने, सभी वैध कटों पर लाइनमैन की तैनाती सुनिश्चित करने, बॉटल नेक स्थलों को दुरुस्त करने तथा आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर बनाने का निर्देश दिया। इसके अलावा निमार्णाधीन क्षेत्रों में प्रतिदिन दो बार पानी का छिड़काव कराने, एनएचएआई एम्बुलेंस को हर समय सक्रिय रखने तथा दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट की जांच कर सुरक्षा मानकों में सुधार करने का आदेश दिया गया। एसपी के इस निरीक्षण से क्षेत्रवासियों में उम्मीद जगी है कि दनुआ घाटी में लगातार हो रहे सड़क हादसों पर अब प्रभावी रोक लग सकेगी।

दनुआ घाटी में अगलगी, टेलर गाड़ी जलकर खाक

चौपारण : थाना क्षेत्र स्थित दनुआ घाटी में रविवार को एक टेलर गाड़ी में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही देर में पूरी गाड़ी आग की चपेट में आकर जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों तथा स्थानीय ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस अगलगी की घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

एक नजर

नशे के सौदागरो के खिलाफ रांची पुलिस का 'हंट' शुरू

रांची : राजधानी में पैर पसारते नशे के अवैध कारोबार और बढ़ते अपराध पर लगाम लगाने के लिए रांची पुलिस अब 'वार मोड' में आ गई है। वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने जिले के पुलिस महकमे को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि नशे के खिलाफ किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसएसपी राकेश रंजन ने जिले के सभी वरीय अधिकारियों, डीएसपी और थाना प्रभारियों के साथ मैराथन समीक्षा बैठक की। बैठक में निर्णय लिया गया कि शहर के उन इलाकों (हॉट स्पॉट) को चिन्हित किया जाए जहां नशे का कारोबार फल-फूल रहा है। इन क्षेत्रों में पुलिस अब योजनाबद्ध तरीके से लगातार छापेमारी करेगी। पुलिस कप्तान ने निर्देश दिया है कि नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस के तहत जेल जा चुके और वर्तमान में बाहर घूम रहे आरोपियों की एक सूची तैयार की जाए। उनकी वर्तमान गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी।

नगर आयुक्त को हाईकोर्ट ने किया तलब, पूछा- आदेश के पालन में क्या बाधा है?

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने रांची नगर निगम के कामकाज और अदालत के आदेशों की अनदेखी पर कड़ा रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ ने गौरव कुमार बेसरा द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए नगर निगम के प्रशासक (म्यूनिसिपल कमिश्नर) को व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होने का निर्देश दिया है। अदालत ने सख्त लहजे में नगर आयुक्त से पूछा है कि 22 जुलाई 2025 को पारित आदेश के अनुपालन में आखिर क्या अड़चनें आ रही हैं। खंडपीठ ने चेतावनी दी है कि यदि अगली सुनवाई तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया, तो कोर्ट कानून के तहत 'आरोप तय' करने की प्रक्रिया शुरू कर देगा।

अवैध बालू लदा ट्रैक्टर पकड़ाया तो अब 1000 नहीं, देना होगा 50 हजार जुर्माना

रांची : झारखंड में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन को जड़ से खत्म करने के लिए राज्य सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। कैबिनेट की मंजूरी के बाद सरकार ने नई अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके तहत अवैध खनिज ढोने वाले वाहनों पर लगने वाले जुर्माने की राशि में भारी बढ़ोतरी की गई है। नई व्यवस्था के लागू होने के बाद अब अवैध बालू के कारोबारियों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा। पहले अवैध बालू ले जाते पकड़े जाने पर मात्र 1,000 रुपये जुर्माना देना पड़ता था, जिसे बढ़ाकर अब 50,000 रुपये कर दिया गया है।

भीषण गर्मी की चपेट में झारखंड डाल्टनगंज में तापमान 44 के पार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पूरा राज्य इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। पलामू, गढ़वा और चतरा सहित राज्य के कई जिलों में भीषण लू चल रही है। लू की चपेट में आकर बड़े, बुजुर्ग और बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार भीषण गर्मी के कारण डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री पहुंच गया है, जबकि राजधानी रांची में भी तापमान 40 डिग्री को पार कर गया है।

इसके अलावा गुमला, चाईबासा, बोकारो और जमशेदपुर में भी अधिकतम तापमान 40 डिग्री को पार कर गया है। मौसम विभाग ने 27, 28 और 29 अप्रैल को राज्य के कई जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने, ओलावृष्टि और वज्रपात की संभावना व्यक्त की है। साथ ही इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी संभावना है। इसे लेकर विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इधर, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 44.6 डिग्री, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.4 डिग्री सेल्सियस गुमला में रिकॉर्ड किया गया।

सुबह होते ही चुभती हैं सूर्य की किरणें

भीषण गर्मी के चलते रविवार को दोपहर में राजधानी रांची की सड़कें लगभग खाली नजर आईं। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह होते ही सूरज की किरणें शरीर को चुभने लगती हैं। नहाने के बाद फिर से नहाने की इच्छा प्रबल होने लगती है। बच्चे भारी गर्मी के कारण पानी से खेलने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। वहीं लोग मनोरंजन और गर्मी को देखते हुए वाटर पार्क की ओर रुख करने लगे हैं।

टेम्परेचर अपडेट

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 40.3 डिग्री और न्यूनतम 27.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 44.6 और न्यूनतम 25.1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 41.2 डिग्री और न्यूनतम 27.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

पुंदाग स्थित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में 263वें अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से संचालित पुंदाग स्थित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में रविवार को 263वें अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और महाप्रसाद ग्रहण कर धार्मिक वातावरण का आनंद लिया।

यह आयोजन संत शिरोमणी स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के तहत श्री राधा रानी का आकर्षक आभूषणों से दिव्य श्रृंगार किया गया, जिससे मंदिर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय द्वारा दोपहर 12 बजे विधिवत महाप्रसाद का भोग लगाया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, तरबूज, जलजीरा शर्बत और सत्तू पानी का वितरण किया गया। सैकड़ों लोगों ने श्रद्धा के साथ प्रसाद ग्रहण किया।

ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक महाप्रसाद वितरण किया जाता है, जिसमें औसतन 400 से अधिक श्रद्धालु शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा सेवा का उद्देश्य किसी भी व्यक्ति को भूखा न रहने देना और सेवा भावना को समाज में मजबूत करना है।

उन्होंने यह भी बताया कि आयोजन के दिन सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही और लगभग 3 हजार श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। भक्तों की लंबी कतारें मंदिर परिसर में लगातार बनी रहीं।

कार्यक्रम के दौरान भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें भजन गायकों ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से माहौल को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया। भक्त भजनों में झूमते नजर आए और पूरे परिसर में भक्ति का अद्भुत वातावरण बना रहा।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सुना पीएम का संबोधन

'डिजिटल जनगणना' पर रहा विशेष जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 133वें एपिसोड को आज झारखंड भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कार्यालय समेत राज्य भर में उत्साह के साथ सुना। इस बार प्रधानमंत्री ने न केवल आध्यात्मिक और ऊर्जा क्षेत्र पर चर्चा की, बल्कि जनगणना 2027 को लेकर एक बड़ा अपडेट भी साझा किया।

प्रधानमंत्री ने आगामी जनगणना को देश का सबसे बड़ा अभियान बताते हुए कहा कि इस बार का अनुभव बिल्कुल नया होगा। इस बार जनगणना डिजिटल माध्यम से होगी। नागरिक जनगणना कर्मचारी के घर आने से 15 दिन पहले मोबाइल ऐप के जरिए खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। डेटा दर्ज करने के बाद एक क्ऊमिलेगी, जिससे बाद में दोबारा जानकारी देने की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रदेश कार्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में झारखंड भाजपा के अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि फ्रांस के 'मैथ ओलंपियाड' में भारत की बेटियों का जिक्र कर पीएम ने देश की नारी शक्ति का मान बढ़ाया है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि देशवासियों को इस कार्यक्रम का बेसब्री से इंतजार रहता है क्योंकि यह नवाचार और प्रेरणा का संगम है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

4 से 10 मई तक मनाया जाएगा अग्नि सुरक्षा सप्ताह: निदेशक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सभी अस्पतालों को फायर सेफ्टी ऑडिट करने का निर्देश

रांची : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज, जिला, अनुमंडल अस्पतालों के साथ-साथ सभी सीएचसी-पीएचसी एवं अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिए एक महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने राज्य के सभी स्वास्थ्य केंद्रों को 04 मई से 10 मई, 2026 तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह आयोजित करने और तत्काल अपने-अपने अस्पतालों का फायर ऑडिट सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। विद्युत भार बढ़ने से होने वाले शॉर्ट-सर्किट की रोकथाम के लिए समय-समय पर निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने 04 मई से 10 मई तक मनाया जाने वाला 'अग्नि सुरक्षा सप्ताह' को लेकर थीम भी साझा किया है।

उन्होंने कहा कि 04 से 10 मई तक चलाया जाने वाले अग्नि सुरक्षा सप्ताह को लेकर इस बार का थीम भी बेहद महवपूर्ण है। इस वर्ष का थीम सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित अस्पताल और अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज - अग्नि निवारण के लिए एक साथ रखा गया है। अग्नि शमन इसके तहत सभी स्वास्थ्य केंद्रों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभियान चलाएंगे। अभियान निदेशक ने सभी अस्पतालों को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने और विद्युत सुरक्षा के मानकों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सुरक्षा मानकों के गैप को दूर करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

इस सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग के समन्वय से स्वास्थ्य कर्मियों के लिए वेबिनार और प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें प्रिवेंटिव स्ट्रैटेजी, फायर इवैक्यूएशन और फायर ड्रिल के बारे में जानकारी दी जाएगी। सभी संस्थानों को अपनी गतिविधियों, फोटो और फायर सेफ्टी असेसमेंट रिपोर्ट को स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक पोर्टल और ई-मेल पर 11 मई, 2026 तक अनिवार्य रूप से भेजने का निर्देश अभियान निदेशक ने दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

संक्षिप्त खबरें

इमका का 'कनेक्शन रांची मीट' आयोजित मनोज और आनंद को पिलर अवार्ड

रांची : आईआईएमसी एलुमनी एसोसिएशन के झारखंड चैप्टर का सालाना मिलन समारोह कनेक्शन्स रांची में शनिवार की रात संपन्न हुआ। कनेक्शन्स मीट का आयोजन 28 फरवरी को दिल्ली से शुरू हुआ था और देश के अलग-अलग राज्यों में तब से हर वीकेंड पर इसका चैप्टर स्तर पर आयोजन हो रहा है। समारोह में झारखंड के अलग-अलग जिलों से भारतीय जनसंचार संस्थान के पूर्व छात्र-छात्रा शामिल हुए। झारखंड चैप्टर के अध्यक्ष और पलामू के डीआईजी किशोर कौशल ने रांची मीट की अध्यक्षता, जिसे महासचिव राजेश कुमार के अलावा वरिष्ठ पत्रकार मनोज मलयानिल, पीएनबी के जीएम राजेश कुमार, इमका के उपाध्यक्ष व भारतीय सूचना सेवा के अफसर प्रभात उपाध्याय, स्मारिका के संपादक प्रो। संतोष उरांव, पूर्व महासचिव मनीष सिंह, राज्य कार्यकारिणी सदस्य वर्षा रानी तिर्की समेत अन्य लोगों ने संबोधित किया। कार्यक्रम में झारखंड चैप्टर की नींव रखने वाले सेल के पदाधिकारी मनोज कुमार और पत्रकार आनंद दत्त को पिलर ऑफ इमका अवार्ड से सम्मानित किया गया। चैप्टर के अध्यक्ष किशोर कौशल ने कहा कि झारखंड चैप्टर पहले भी सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहा है और आने वाले दिनों इस तरह की गतिविधियां बढ़ाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि इमका के सदस्य और सदस्यों के परिजनों के मिलन के कार्यक्रम चैप्टर की कार्ययोजना में शामिल हैं। महासचिव राजेश कुमार ने कहा कि इमका के सदस्य साथियों की मदद करते रहते हैं, यही हमारी ताकत है। इमका उपाध्यक्ष प्रभात उपाध्याय ने संगठन की मजबूती के लिए बैठक और आयोजनों की जरूरत पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रो। देवव्रत सिंह, प्रो। आलोक गुप्ता, मनीष गुप्ता, रंजीत कुमार, विशाल जैन, रीतेश वर्मा, विवेकानंद, देवेंद्र कुमार, समीर उरांव, पंकज चंद्र गोस्वामी, मनीष कुमार, माधव शर्मा, करन सेठ, सोनू कुमार समेत बड़ी संख्या में परिजन भी शामिल हुए।

झारखंड कांग्रेस अब जिलों में भी बनाएगी कार्यकारी अध्यक्ष

रांची : वर्ष 2025 को संगठन सृजन वर्ष के रूप में मनाने वाली झारखंड कांग्रेस अब राज्य संगठन में एक नए प्रयोग की तैयारी में है। अक्टूबर 2025 में ही झारखंड कांग्रेस ने नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति इस ऐलान के साथ किया था कि कांग्रेस अपने जिलाध्यक्षों को विशेष पावर से लैस करेगी। विधानसभा और लोकसभा के उम्मीदवारों के नाम तय करने तक में जिलाध्यक्ष की राय बेहद अहम होगी। लेकिन छह महीने में ही कांग्रेस में सबकुछ बदलने जा रहा है। जिलाध्यक्षों को पावरफुल बनाने की घोषणा अब कहीं पीछे छूटती दिख रही है और कई जिलों में वर्तमान जिलाध्यक्षों के पावर को कम करने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष बनाने की तैयारी है। इसे लेकर झारखंड कांग्रेस के प्रवक्ता जगदीश साहू कहते हैं कि वैसे जिलों में कार्यकारी जिलाध्यक्ष बनाया जा रहा है, जहां के वर्तमान अध्यक्ष डिएक्टिव या पार्टी की उम्मीदों पर खड़े नहीं उतरे हैं। वहीं पार्टी के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा कहते हैं कि कांग्रेस ने पिछले साल अक्टूबर में ही जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की थी। अब इन्हीं में से कई जिलों में कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति की तैयारी इसलिए चल रही है, क्योंकि कई जिलों में सांगठनिक कार्यों के लिए कार्यकारी अध्यक्ष की जरूरत पड़ रही है। इससे किसी का पावर कट नहीं होगा, बल्कि वर्तमान जिलाध्यक्षों को एक सहयोगी मिलेगा और इससे संगठन का काम करने में सहायता ही मिलेगी। झारखंड में कांग्रेस ने संगठन सृजन वर्ष 2025 में सभी जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की थी। डीसीसी यानी डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी में जिलाध्यक्ष के साथ-साथ उपाध्यक्ष, जिला सचिव सहित कई पदाधिकारी भी होते हैं। ऐसे में जिलाध्यक्ष की सहायता के लिए कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर संगठन पर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी के एक नेता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि 2025 झारखंड कांग्रेस के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति में आलाकमान यानी दिल्ली के नेताओं की ही चली थी। ऐसे में प्रदेश के दिग्गज नेता अब अपने-अपने लोगों को एडजस्ट करने के लिए कार्यकारी जिलाध्यक्ष का कॉन्सेप्ट को धरातल पर उतारने में लगे हैं। हालांकि कांग्रेस के महासचिव इसकी जगह यह कहते हैं कि जैसे-जैसे संगठन में काम शुरू होता है, वैसे-वैसे जरूरत सामने आती जाती है। ऐसे में कार्यकारी अध्यक्ष बनाना पार्टी की जरूरत है।

झारखंड पात्रता परीक्षा में हुई लापरवाही पर जेएलकेएम ने कड़ा आक्रोश व्यक्त किया

रांची : जेएलकेएम ने जेपीएससी द्वारा आयोजित झारखंड पात्रता परीक्षा-2024 में हुई गंभीर लापरवाही पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री से दोषियों के विरुद्ध अविलंब कार्रवाई की मांग की है। जेएलकेएम ने परीक्षा के समय प्रश्न पत्र की अनुपलब्धता को जेपीएससीकी प्रशासनिक विफलता बताया है। पत्र में कहा है कि झारखण्ड लोक सेवा आयोग हर परीक्षा के बाद हमेशा विवादों के घेरे में रहता है । जेपीएससी द्वारा दिनांक 26 अप्रैल 2026 को आयोजित झारखण्ड पात्रता परीक्षा में कई केंद्रों पर प्रश्न पत्रों की अनुपलब्धता एवं अपठनीय प्रश्न पत्र जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। इसके अलावा, कई परीक्षा केंद्रों से बायोमैट्रिक अटेंडेंस नहीं होने की शिकायतें भी सामने आई हैं, जो परीक्षा की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

जिला योजना कार्यशाला में भाजपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं को दिया संगठन का मंत्र

रांची : भाजपा प्रदेश कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के निमित्त जिला योजना कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुन्द सहाय मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि भाजपा में राष्ट्र और संगठन सर्वोपरी है। भाजपा का हर एक कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करता है। निश्चित रूप से इस प्रकार का अभियान कार्यकताओं को वैचारिक, व्यवहारिक एवं नेतृत्व के स्तरों पर निपुण करने का काम करता है। वहीं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य सभी कार्यकताओं को संगठन की कार्यपद्धति और सेवाभाव के मूल मंत्र से जोड़ना है। यह प्रशिक्षण कार्यकताओं में समाज के प्रति संवेदनशीलता और दायित्व बोध जागृत करने का भी सशक्त माध्यम है। संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन ही भारतीय जनता पार्टी की कार्यसंस्कृति की मूल आत्मा है। प्रशिक्षण केवल जानकारी देने भर का माध्यम नहीं होता बल्कि कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है। इस कार्यशाला में प्रदेश पदाधिकारियों के अलावा सभी जिला अध्यक्ष एवं कई कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

ड्रोन मैपिंग से बदलेगी राजधानी रांची की तस्वीर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

> राजधानी की नदियों और तालाबों को स्वच्छ व पुनर्जीवित करना हमारी प्राथमिकता है। ड्रोन मैपिंग के माध्यम से हम स्वर्णरेखा और हरमू नदी की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन कर रहे हैं। जिससे विकास की प्रभावी और दीर्घकालिक योजना तैयार की जा सके। इसके साथ ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को सक्रिय करने और नए प्लांट स्थापित करने की दिशा में काम तेज किया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए आम लोगों की भागीदारी बेहद जरूरी है : **सुशांत गौरव, नगर आयुक्त**

रांची : राजधानी रांची में नदियों और तालाबों को स्वच्छ और पुनर्जीवित करने के लिए अब आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। इसी कड़ी में ड्रोन मैपिंग को केंद्र में रखते हुए एक व्यापक योजना तैयार की जा रही है। जिसके जरिए स्वर्णरेखा और हरमू नदी सहित शहर के प्रमुख जल स्त्रोतों की वास्तविक स्थिति का सटीक आकलन किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि इस पहल से जल संरक्षण और पर्यावरण संतुलन की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकेंगे।

ड्रोन सर्वे के माध्यम से जल स्त्रोतों में गंदगी के प्रवेश बिंदु, अवैध अतिक्रमण, जल प्रवाह में आ रही बाधाएं और आसपास की भौगोलिक स्थिति की विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। इससे न केवल वर्तमान स्थिति स्पष्ट होगी, बल्कि भविष्य की योजनाओं को भी वैज्ञानिक आधार मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार, पारंपरिक सर्वे के मुकाबले ड्रोन मैपिंग अधिक सटीक, तेज और प्रभावी साबित हो रही है।

इस परियोजना को मजबूती देने के लिए देश के कई प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों की विशेषज्ञ टीम रांची पहुंच कर विभिन्न नदी-तालाबों का निरीक्षण कर तकनीकी सुझाव भी निगम को सौंप चुकी है। विशेषज्ञों ने बताया कि ड्रोन मैपिंग के जरिए माइक्रो-लेवल पर प्लानिंग संभव हो सकेगी। जिससे हर छोटे-बड़े बदलाव को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जा सकेंगी। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्तर की एजेंसियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए परियोजना को अधिक व्यावहारिक और प्रभावी बनाने के सुझाव निगम को दिए हैं।

ड्रोन सर्वे के आधार पर शहर की सीवरेज व्यवस्था को भी सुदृढ़ करने की योजना बनाई जा रही है। वर्तमान में कई इलाकों में गंदा पानी सीधे नदियों और नालों में गिर रहा है। जिससे प्रदूषण की समस्या गंभीर बनी हुई है। इसे नियंत्रित करने के लिए पुराने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को फिर से सक्रिय करने और जरूरत के अनुसार नए प्लांट स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके साथ ही नालों के डायवर्जन और ट्रीटमेंट की भी योजना तैयार की जा रही है।

प्रशासन का मानना है कि केवल सरकारी प्रयासों से नदियों और तालाबों को पूरी तरह स्वच्छ नहीं बनाया जा सकता। इसके लिए आम नागरिकों की भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को जागरूक करने, कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने और जल संरक्षण के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिए विशेष अभियान चलाने की तैयारी है। स्कूल-कॉलेजों के छात्रों और युवाओं को भी इस अभियान से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है, ताकि समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

इस पर रिसर्च कर रहे भूगर्भ शास्त्री विनोद कुमार भार्गव का मानना है कि यदि तकनीक, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जनसहभागिता का सही समंवय हो, तो रांची की नदियों और तालाबों को फिर से जीवंत बनाया जा सकता है। इससे न केवल पर्यावरण में सुधार होगा, बल्कि शहर की सुंदरता और जल संकट की समस्या को भी काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

एक नजर

इनर व्हील क्लब ऑफ कोडरमा ने पृथ्वी दिवस पर चलाया जागरूकता अभियान

झुमरीतिलैया : पृथ्वी दिवस के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ कोडरमा, द्वारा स्थानीय सब्जी मंडी में एक प्रभावशाली जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य पॉलिथीन बैग के उपयोग को कम करना तथा कपड़े के थैले जैसे पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान क्लब की सदस्यों ने सब्जी विक्रेताओं एवं ग्राहकों से संवाद कर उन्हें प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक कचरा न केवल पर्यावरण को प्रदूषित करता है, बल्कि यह आवारा पशुओं और मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। सदस्यों ने विक्रेताओं कोम पॉलिथीन का उपयोग बंद करने के लिए प्रेरित करते हुए पुनः उपयोग में आने वाले कपड़े के थैलों को अपनाने का आग्रह किया। जागरूकता संवाद के माध्यम से लोगों को दैनिक जीवन में छोटी-छोटी आदतों में बदलाव कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष ज्योति झा, ज्योति पुजारा, माला दारूका, सुलेखा झा, अंजना केडिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। इस अभियान से सब्जी विक्रेता, ग्राहक एवं आम जनता लाभान्वित हुये,इनर व्हील क्लब ऑफ कोडरमा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर आगे बढ़ाते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

गिरिडीह में गोलगप्पा खाने के बाद दर्जनों बच्चे बीमार

गिरिडीह : गिरिडीह में बीते कल गोलगप्पा खाने के बाद आज कई बच्चों की तबियत अचानक बिगड़ने लगी। शुरुआत में परिजनों ने इसे सामान्य मानकर घर पर ही इलाज कराया, लेकिन समय के साथ बच्चों की हालत लगातार गंभीर हो गई। हालत बिगड़ने पर आज सभी बच्चों को आनन-फानन में सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान 6 वर्षीय मासूम रंजन ने दम तोड़ दिया। रंजन की मौत से पूरे इलाके में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं मोहल्ले में सन्नाटा छा गया है। जानकारी के अनुसार, मुफ्फासिल थाना क्षेत्र के बजटो मोहल्ले में बीते कल कई बच्चों ने गोलगप्पा खाया। बताया जा रहा है कि गोलगप्पा खाने के बाद दर्जनों बच्चे फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। परिजनों के अनुसार, मोहल्ले में एक ठेला लगाकर गोलगप्पा बेचने वाला व्यक्ति आता था। उसी के गोलगप्पे खाने के बाद सभी बच्चों की तबीयत बिगड़ी। फिलहाल अस्पताल में अन्य बच्चों का इलाज जारी है, जबकि प्रशासन से मामले की जांच और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठने लगी है।

सिगरा पुल के पास मिला शव, रेलवे ट्रैक पर कटने से हुई मौत

पलामू : सिगरा पुल के पास रेलवे ट्रैक पर कटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सुनील दुबे के रूप में हुई है। सुनील पलामू जिले के पाटन थाना क्षेरा का रहने वाले है। मिली जानकारी के अनुसार, सिगरा पुल के समीप रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राथमिक तौर पर मामला ट्रेन से कटने का बताया जा रहा है। हालांकि, यह हादसा है या आत्महत्या, इसकी जांच पुलिस कर रही है।

शादी की खुशियां बनी मातम : कुजू में बारातियों पर चढ़ी पिकअप, महिला की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुजू : कुजू बस्ती स्थित नाग कन्या मंदिर के समीप पुराना एनएच-33 मार्ग पर शनिवार देर रात एक दर्दनाक हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। नाचते-गाते आगे बढ़ रहे बारातियों पर एक बेकाबू मालवाहक पिकअप वैन चढ़ गई। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार, कुजू निवासी रामकुमार केशरी की बेटी की शादी थी। बारात गया जिले के डोभी से महतो मैरिज हॉल, कुजू पहुंची थी। नाश्ता करने के बाद बाराती जश्न मनाते हुए नाचते-गाते नाग कन्या मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप वैन (JH01ER-0231) अनियंत्रित होकर भीड़ में जा घुसी। हादसे में दूल्हे की भाभी रीना देवी (48), पति अरविंद केशरी, की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। शादी के माहौल में यह घटना परिवार के लिए गहरे सदमे में बदल गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दुर्घटना में उदय केशरी, शुभम कुमार, रवि कुमार, अरविंद केशरी समेत कई लोग घायल हुए हैं। कुछ अन्य घायलों की पहचान देर रात तक नहीं हो सकी। सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया है। हादसे के बाद गुस्साए बारातियों ने पिकअप चालक विनोद रजवार और उपचालक रौशन कुमार मरार की जमकर पिटाई कर दी। साथ ही वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही कुजू ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया।

कोडरमा में शादी समारोह में पहुंचे दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, कई घायल

कोडरमा : कोडरमा थाना अंतर्गत ध्वजाधारी पहाड़ गेट पर विवाह की खुशी अचानक विवादों में उलझ गई। विवाद बढ़ा और मामला मारपीट तक पहुंचा जिससे दोनों पक्षों के एक दर्जन लोग घायल हो गए। दरअसल शनिवार की रात कोडरमा स्थित ध्वजाधारी धाम में एक शादी समारोह का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान अचानक वर और वधू पक्ष में बहस शुरू हो गई और देखते ही देखते दोनों पक्ष आपस में मारपीट पर उतारू हो गए। मामला इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष के करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। जानकारी देते हुए वधू के पिता विजय सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी पुत्री निर्मला की शादी जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत डंडाडीह के रहने वाले विजय सिंह के पुत्र अनूप सिंह से तय की थी। जिसका विवाह 25 अप्रैल को कोडरमा स्थित ध्वजाधारी धाम में होना था। उन्होंने बताया कि शादी से पूर्व 23 अप्रैल को वह अपनी बेटी का लग्न लेकर विजय सिंह के डंडाडीह स्थित घर पर पहुंचे। इस दौरान सारी बातें तय हुई, जिसमें यह निर्णय लिया गया था कि वधू पक्ष के साथ आने वाले लोगों के खाने-पीने की व्यवस्था उनके द्वारा की जाएगी। जबकि वर पक्ष की ओर से आने वाले बारातियो के खाने-पीने की व्यवस्था वर पक्ष स्वयं करेंगे। इसी बात को लेकर वे लोग गाली गलौज करने लगे। हालांकि इस दौरान कोडरमा थाने की पेट्रोलिंग गाड़ी वहां पहुंची और कोडरमा थाने के पुलिस के जवान वहां आकर वर पक्ष के लोगों को समझा बुझा कर चले गए।

कोडरमा पुलिस ने चलाया गया 'ऑपरेशन ऑल आउट' 61 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कुमार शिवाशीष, भा०पु०से०, पुलिस अधीक्षक कोडरमा के निर्देशन में दिनांक 25-26/04/2026 की रात्रि में कोडरमा पुलिस द्वारा वारंटियों एवं फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु ऑपरेशन ऑल आउट चलाया गया। अभियान का मॉनिटरिंग स्वयं पुलिस अधीक्षक द्वारा किया गया। इस अभियान के दौरान जिले के सभी थाना की पुलिस टीमों द्वारा छापामारी कर कुल 61 वारंटियों एवं अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जो थानावार निम्नवत है:- थाना/ओ०पी० का नाम गिरफ्तार अभियुक्तों की सं०तिलैया थाना-19, कोडरमा थाना-04, चंदवारा थाना- 07, डोमचांच थाना-10, जयनगर थाना-09, नवलशाही थाना-05, मरकच्चो थाना-02, तिलैया डैम ओ०पी०-02, सतगावां-03, कुल 61, इन गिरफ्तार अभियुक्तों में कई ऐसे वारंटी शामिल हैं, जो लंबे समय से फरार चल रहे थे। जिनमें 12 वर्ष से फरार वारंटी रविन्द्र यादव पे० काली यादव साकिन बिरजामु थाना डोमचांच एवं 11 वर्ष से फरार वारंटी बिरजु शर्मा पे० चांदो शर्मा साकिन महुआटांड थाना तिलैया दोनों जिला कोडरमा भी हैं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट संदेश दिया गया कि ऐसे अभियान आगे भी चलाये जाएँगें, कोडरमा जिले में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। अपराध करने वाले अपराधी इस जिला क्षेत्र को छोड दें, अन्यथा उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने आम लोगों से अपील करते हुए बताया कि जिले में शांति एवं भयमुक्त वातावरण बनाये रखने हेतु कोडरमा पुलिस प्रतिबद्ध है।

सीटू की बैठक में एक मई को मजदूर दिवस मनाने का निर्णय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : सेन्टर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन (सीटू) की बैठक वीर कुंवर सिंह पार्क में जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में एक मई को मजदूर दिवस वीर कुंवर सिंह पार्क, झुमरीतिलैया में मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि सीटू इस मई दिवस पर शासन में काबिज सांप्रदायिक कॉरपोरट गठजोड़ की विनाशकारी मुहिम, हिन्दू मुस्लिम के नाम पर फैलायें जा रहे नफरत, निजी कॉरपोरेट वर्ग के माध्यम से देश के संसाधनों, संपत्ति और बुनियादी ढांचे पर बेरोक टोक लूट खसोट के खिलाफ लोगों को एकजुट कर व्यापक संघर्ष करने का संकल्प लेगी। केन्द्र सरकार की नीतियों के कारण देश में प्रचंड बेरोजगारी, असहनीय महंगाई से लोग जुझ रहे हैं। मजदूरों को गुलाम बनाने के उद्देश्य से चार लेबर कोड लागू करने के लिए पहले से ही तैयार है। काम के घंटे और अन्य सेवा शर्तों को लचीला बनाने से मजदूरों का शोषण और तेज होगा। केन्द्र की मजदूर कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ इस मजदूर दिवस पर मजदूर वर्ग की एकता बनाए रखने, शासक वर्ग की सभी सांप्रदायिक विभाजनकारी साजिशों को निर्णायक रूप से पराजित करना ही मुख्य उद्देश्य होगा।

आस्था, इतिहास और विश्वास का संगम है रामगढ़ का बंजारी मंदिर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददतात

रामगढ़ : झारखंड के रामगढ़ जिले में स्थित बंजारी मंदिर श्रद्धा, भक्ति और लोकविश्वास का प्रमुख केंद्र माना जाता है। वर्षों से यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मानसिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का भी स्रोत बना हुआ है। जिले और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार बंजारी मंदिर की पहचान काफी पुरानी है। समय के साथ इस मंदिर की प्रसिद्धि लगातार बढ़ी है। यहां माता के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई मन्नत पूरी होने की मान्यता है। यही कारण है कि विशेष अवसरों पर यहां श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी जाती हैं। चैत्र और शारदीय नवरात्र के दौरान बंजारी मंदिर का माहौल बेहद भव्य हो जाता है। सुबह की आरती से लेकर शाम की पूजा तक मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंजता रहता है। दुर्गा पूजा, रामनवमी और अन्य धार्मिक अवसरों पर भी यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर का शांत वातावरण और आसपास का प्राकृतिक दृश्य लोगों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। कई श्रद्धालु यहां पूजा के साथ कुछ समय शांति से बिताने भी आते हैं। परिवारों के लिए यह स्थान आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव का केंद्र बन चुका है। मंदिर की व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने में स्थानीय समिति और ग्रामीणों की अहम भूमिका रहती है। पर्व-त्योहारों के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

सौंदा डी खाली कराने की कोशिश पर विधायक ने किया संघर्ष का एलान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : सौंदा डी क्षेत्र में सीसीएल प्रबंधन द्वारा नोटिस वितरण किए जाने के बाद मामला गरमा गया है। बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताते हुए साफ कहा है कि क्षेत्रवासियों के अधिकारों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। उनके बयान के बाद स्थानीय लोगों में नई ऊर्जा देखी जा रही है। विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि यह मुद्दा केवल जमीन या मकान तक सीमित नहीं है, बल्कि हजारों लोगों के जीवन, अधिकार और भविष्य से जुड़ा मामला है। लंबे समय से यहां बसे परिवारों की उपेक्षा कर किसी तरह का दबाव बनाना उचित नहीं है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि किसी भी परिस्थिति में सौंदा डी क्षेत्र को खाली नहीं कराया जाएगा। जनता के हितों की रक्षा के लिए वे हर स्तर पर संघर्ष करेंगे और जरूरत पड़ी तो आंदोलन भी तेज किया जाएगा। विधायक ने कहा कि इस लड़ाई में वे पूरी ताकत के साथ सौंदा डी पंचायत बचाओ संघर्ष समिति के साथ हैं। क्षेत्रवासियों की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा और हर मंच पर उनकी बात मजबूती से रखी जाएगी। रोशन लाल चौधरी ने प्रशासन और सीसीएल प्रबंधन से अपील की कि वे संवेदनशील रवैया अपनाएं। किसी भी निर्णय से पहले स्थानीय लोगों की समस्याओं, पुनर्वास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाए। नोटिस वितरण के बाद सौंदा डी और आसपास के इलाकों में हलचल बढ़ गई है। लोग भविष्य को लेकर चिंतित हैं, वहीं विधायक के समर्थन के बाद ग्रामीणों में भरोसा भी बढ़ा है। मामले ने राजनीतिक और सामाजिक महत्व ले लिया है।

बेटियों का दमदार प्रदर्शन : कराटे मंच पर सफेद बेल्ट बालिकाओं ने जीता दिल, अनन्या बनीं चैंपियन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : कुर्से बस्ती मंडाटांड़ के प्रांगण में एक दिवसीय कराटे प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में 6 वर्ष से 18 वर्ष तक के बालक-बालिकाओं ने भाग लिया, लेकिन इस बार मंच पर सफेद बेल्ट धारी बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन कर सबसे अधिक सराहना बटोरी। मार्शल आर्ट सितोरियू कराटे के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में काता, कुमिते, फाइट, बंकाई और जूडो की तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने अनुशासन, आत्मविश्वास और कौशल का बेहतरीन परिचय दिया। दर्शकों ने पूरे कार्यक्रम के दौरान तालियों से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता में छह वर्षीय अनन्या कुमारी ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी फुर्ती, संतुलन और तकनीकी प्रस्तुति ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में श्रावणी कुमारी, साक्षी कुमारी और सानवी कुमारी को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल देकर सम्मानित किया गया। चारों बालिकाओं के प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा और उन्हें भविष्य की उभरती खिलाड़ी बताया। कोच कंचन दास ने बताया कि कुर्सो मंडाटांड़ डोजो में प्रशिक्षिका आस्था सिंह (ब्लैक बेल्ट तृतीय डान) द्वारा बालिकाओं को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन में छात्राएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं और आत्मरक्षा की कला सीख रही हैं।

इन खिलाड़ियों ने लिया भाग

शिविर में आस्था सिंह, स्मृति मुंडा, खुशी कुमारी, चित्रलेखा, भूमि, आदितरी, साक्षी, श्रावणी, अनन्या, विकास, शिवांश, रेयांश और सानवी कुमारी सहित कई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

खेल से बढ़ता आत्मविश्वास

कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। कराटे जैसे खेल न केवल शारीरिक मजबूती देते हैं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और सुरक्षा का भी सशक्त माध्यम बन रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

डीडीसी रवि जैन सम्मानित, मारवाड़ी युवा मंच ने तय किए आगामी कार्यक्रम

झुमरीतिलैया : सिविल सर्विस डे के उपलक्ष में मारवाड़ी युवा मंच झुमरी तिलैया के तत्वधान में एक सम्मान समारोह डीडीसी कार्यालय मे किया गया। जिसमें डीडीसी रवि जैन को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डीडीसी रवि जैन ने कहां मारवाड़ी युवा मंच हमेशा से समाज उत्थान के कार्यों में बाढ़- चढ़ के हिस्सा लेती है। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष मोहित संघई ने डीडीसी को अंग वस्त्र पहनकर और एक मोमेंट देखकर सम्मानित किया। इस मौके पर मंच के उपाध्यक्ष शिवेश पच्चीसिया, प्रतीक संघई सचिव अतुल खेतान उपसचिव विकास जैन कोषाध्यक्ष महावीर खेतान और सौरव लोहारिया मौजूद थे मारवाड़ी युवा मंच झुमरी तिलैया की एक आम सभा श्री अग्रसेन भवन में हुई जिसमें कई निर्णय लिए गए। जिसमें मुख्य तौर पर अगले महीने होने वाले मारवाड़ी प्रीमियर लीग महिला और पुरुष वर्गों में करने का निर्णय लिया गया। जिसमें पुरुष की 8 टीम और महिलाओं के लिए चार टीमों पर फैसला सुरक्षित किया गया आगे की रूपरेखा के लिए प्रयोजन निदेशक नियुक्त किए गए जिसमें राज पच्चीसिया, प्रतीक संघई,मिहिर खेतान, आकाश जैन,गौरव चौधरी,सिद्धार्थ झंझरी को जिमा सोपा गया। वही गौ सेवा के लिए जगह-जगह पानी के नाद लगाने के लिए निर्णय लिया गया, और पंछियों को पानी पिलाने के लिए मिट्टी के बर्तन उपलब्ध कराने की बात कही गई। अध्यक्ष मोहित संघई ने बताया मारवाड़ी युवा मंच हमेशा से पशु सेवा में बढ़-चढ़ कार्य करता आया है, इस बैठक में अस्थाई प्याऊ बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई और साथ ही मंच के द्वारा लगाए गए स्थायी प्याऊ के रख रखाव एवं संचालन की भी चर्चा की गई। जिसकी जिम्मेदारी प्रयोजन निदेशक शिवेश पच्चीसिया, सौरभ लोहारिया, पीयूष सहल और हर्षित सोमानी को बनाया गया।

कोडरमा में 'गौ सम्मान आह्वान अभियान' जनजागरण के लिए निकलेगी पदयात्रा

कोडरमा : दिनांक 27 अप्रैल 2026 को गौ सम्मान दिवस के अवसर पर कोडरमा जिले में व्यापक जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रातः 10:00 बजे सुभाष चौक, झुमरी तिलैया से पैदल मार्च प्रारंभ होकर प्रखंड कार्यालय कोडरमा तक पहुंचेगा, जिसमें लगभग 100 लोगों की भागीदारी होगी। इस दौरान भारत के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, झारखंड के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित प्रार्थना पत्र एवं हस्ताक्षर पत्रिका प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को सौंपा जाएगा। यह हस्ताक्षर अभियान पिछले कई सप्ताहों से आम जनमानस, गौ प्रेमियों, संत समाज एवं नागरिकों के बीच चलाया जा रहा था। इसी क्रम में डोमचांच में सूर्य चौक से प्रखंड कार्यालय डोमचांच तक तथा चंदवारा में शिव मंदिर से प्रखंड कार्यालय चंदवारा तक पदयात्रा निकालकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों में यह कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर अतुल आनंद जी ने कहा कि गौ हमारी संस्कृति, प्रकृति और ग्रामीण जीवन का आधार है। गौ है तो अमृत स्वरूप दूध है, गौ है तो कृषि और पर्यावरण सुरक्षित है। गौ के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पूरे भारतवर्ष में एक साथ चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गौ माता को राष्ट्र माता का सम्मान दिलाना तथा भारत सरकार से ऐसा सशक्त कानून बनाने की मांग करना है, जिससे गौ माता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित हो सके। देशभर के करोड़ों लोग 27 अप्रैल 2026 को अपने-अपने तहसील एवं प्रखंड स्तर पर आवेदन एवं हस्ताक्षर पत्र प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम भेज रहे हैं। यह अभियान भारत के संत समाज के तत्वावधान में संचालित हो रहा है, जिसके अध्यक्ष स्वरूप नंदी महाराज हैं।

पौधे लगे, पर क्या बचेंगे? पृथ्वी दिवस के बाद उठे देखरेख के सवाल

रामगढ़ : 22 अप्रैल को पूरे जिले में पृथ्वी दिवस उत्साह, संदेश और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाया गया। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, गैर-सरकारी संस्थानों और कई सार्वजनिक स्थलों पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। जगह-जगह फोटो सेशन, जागरूकता कार्यक्रम और हरियाली बचाने के संकल्प लिए गए। लेकिन कुछ ही दिनों बाद अब सबसे बड़ा सवाल सामने है—क्या रोपे गए पौधे इस भीषण गर्मी में जीवित रह पाएंगे? पौधा लगाना आसान है, उसे पेड़ बनाना चुनौती है। अप्रैल की तपती धूप, बढ़ता तापमान और सूखी जमीन के बीच नए पौधों को नियमित पानी, सुरक्षा और देखरेख की सबसे अधिक जरूरत होती है। यदि शुरूआती दिनों में सिंचाई नहीं हुई तो अधिकांश पौधे सूख सकते हैं। पर्यावरण प्रेम केवल एक दिन का आयोजन नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि पौधारोपण तभी सफल माना जाएगा जब लगाए गए पौधे कम से कम कुछ वर्षों तक सुरक्षित रखे जाएं। इसके लिए ट्री गार्ड, समय पर पानी, घास-सफाई और निगरानी जरूरी है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगाए गए पौधों को लेकर लोगों ने चिंता जतानी शुरू कर दी है। कई जगह पौधों के पास पानी की व्यवस्था नहीं दिख रही, तो कहीं उन्हें जानवरों से बचाने के लिए सुरक्षा घेरा भी नहीं है। ऐसे में पृथ्वी दिवस पर लगाए गए पौधों का भविष्य सवालों में है। यदि स्कूल, कॉलेज, कार्यालय और स्थानीय लोग मिलकर ह्लएक पौधा-एक जिम्मेदारीह्व मॉडल अपनाएं तो हालात बदल सकते हैं। हर संस्था अपने लगाए पौधों की जिम्मेदारी तय करे और नियमित निगरानी करे तो पौधे बचाए जा सकते हैं। पृथ्वी दिवस का उद्देश्य केवल पौधा लगाना नहीं, बल्कि धरती को हरा-भरा बनाना है। इसलिए अब जरूरत फोटो और समारोह से आगे बढ़कर देखरेख की है। यदि आज ध्यान नहीं दिया गया, तो कल यह अभियान सिर्फ कागजों और तस्वीरों तक सीमित रह जाएगा।

आध्यात्म और गौ सेवा का संगम, झुमरीतिलैया में धर्मसभा आयोजित

झुमरीतिलैया : श्री दिगंबर जैन नया मंदिर झुमरी तिलैया ज़िला कोडरमा (झारखंड) में 26अप्रैल 2026 को समाधिस्थ परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित एवं परम पूज्य आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराजके आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री 108 धर्म सागर जी महाराज एवं मुनि श्री भाव सागर जी महाराज के सान्निध्य में धर्म सभा का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत मांगलिक क्रियाएं संपन्न की गई, इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री 108 भावसागर जी महाराज ने कहा कि गौ ही देश का परम मंगलायन है गोधन ही भारत का जीवन है। जगत में गौ गौरव के साथ जीती रहे। गौ सेवा राष्ट्रीय धर्म है। गौ सेवा मुख्य कर्तव्य है।गौ रक्षा अपनी जीवनहै। रक्षा है। भारत का गोधन एक महान राष्ट्रीयनिधि है। गौ से प्रेय और श्रेय की प्राप्ति होती है। गौ धन भारतीय जीवन का मूलाधार है। परम अध्यात्म की प्रतीक गाय है। गाय भारत की आत्मा है।गाय धरती के लिए वरदान है। गौ भारतीय संस्कृति का मेरुदंड है। संसार की श्रेष्ठतम पवित्र वस्तु गाय है। भक्ति, मुक्ति और शक्ति का स्रोत गौ सेवा है। सच्ची सुख शांति का मूल उपाय -गौ सेवा है। जो गौ सेवा नहीं करता वह श्री विहीन (धन रहित) हो जाता है। आर्थिक समृद्धि का प्राण है गोधन राष्ट्र विकास में गौवंश महत्वपूर्ण योगदान है आयुर्वेद, धार्मिक, वैज्ञानिक, आर्थिक लाभ होते है गाय के पालन से। भारत का राष्ट्रीय पेय है दूध गौ के बिना घर शून्य है।

एक नजर

बंद घर से 50 लाख के गहने की चोरी जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : बमार्माइंस थाना क्षेत्र स्थित कैलाश नगर में रविवार सुबह एक बड़ी चोरी की वारदात सामने आई है। चोर बंद पड़े घर का ताला तोड़कर लगभग 50 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहनों के साथ लगभग 10 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गये। मिली जानकारी के अनुसार राजेंद्र झा के दामाद नितेश झा के घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है।, जब परिवार के सभी सदस्य एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाहर गए हुए थे। बंद पड़े घर का फायदा उठाकर चोरों ने घर में घुसकर करीब 50 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के गहनों के साथ लगभग 10 हजार रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया और आराम से फरार हो गए। नितेश कुमार झा आईआरबी के जवान है। घटना की जानकारी तब हुई जब परिवार के सदस्य वापस घर लौटे और दरवाजा खुला तथा सामान बिखरा हुआ पाया। अलमारी और लॉकर को तोड़कर गहनों की चोरी की गई थी, जिससे साफ जाहिर होता है कि चोर पूरी तैयारी के साथ आए थे और उन्हें घर की स्थिति की पहले से जानकारी हो सकती है। घटना के बाद परिजनों में दहशत का माहौल है । सूचना मिलते ही बमार्माइंस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, जिससे कोई सुराग मिल सके। प्रारंभिक जांच में पुलिस को शक है कि इस वारदात में किसी परिचित या स्थानीय व्यक्ति की संलिप्तता हो सकती है, जिसने घर के खाली रहने की जानकारी चोरों तक पहुंचाई। थाना प्रभारी निरंजन कुमार ने बताया कि पीड़ित परिवार की ओर से लिखित शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही आरोपितों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। फिलहाल पुलिस आसपास के इलाकों में छापेमारी कर रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी है।

पश्चिमी सिंहभूम के मटकोम बेड़ा गांव में युवक ने की आत्महत्या

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित मटकोम बेड़ा गांव में रविवार को 18 वर्षीय सूरज मछूवा ने अपने ही घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, घटना के समय सूरज अपने तीन छोटे भाई-बहनों के साथ घर पर था। दोपहर के बाद जब उसके भाई-बहन खेलने के लिए बाहर चले गए, तब वह घर में अकेला रह गया। इसी दौरान उसने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। कुछ समय बाद जब परिजन घर लौटे, तो उन्होंने सूरज को फंदे से लटका देखा। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर जांच प्रक्रिया शुरू की। परिजनों के अनुसार, सूरज अपने भाई-बहनों के साथ गांव में ही रहता था, जबकि उसके माता-पिता रोजी-रोटी की तलाश में ओडिशा में मजदूरी करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही माता-पिता भी तत्काल गांव लौट आए। परिवार वालों ने बताया कि सूरज किसी काम में नहीं लगा था और अधिकतर समय घर पर ही रहता था। उसका स्वभाव शांत था और वह कम बोलता था। ऐसे में उसने यह कदम क्यों उठाया, यह बात अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिजन भी इस घटना से स्तब्ध हैं।

एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण से उड़ती धूल पर फूटा गुस्सा, लोगों ने मशीनें और अभियंताओं को बांधा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर के मानगो स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर बन रहे एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य अब स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। निर्माण स्थल से लगातार उड़ रही धूल ने आसपास रहने वाले लोगों, दुकानदारों और राहगीरों का जीवन बेहद कठिन कर दिया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि कुछ ही फीट की दूरी तक देख पाना मुश्किल हो रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

स्थानीय दुकानदारों, टेंपो चालकों, ठेला और खोमचा लगाने वालों का कहना है कि दिनभर उड़ती धूल के कारण उनका रोजगार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दुकानों में रखा सामान खराब हो रहा है, ग्राहक कम हो गए हैं और कई दुकानदारों को मजबूरी में अपनी दुकानें बंद करनी पड़ी हैं। बालीगुमा से पारडीह तक का पूरा इलाका धूल की मोटी परत से ढका रहता है, जिससे आम लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर कई बार निर्माण एजेंसी और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई। लोगों का कहना है कि निर्माण स्थल पर न तो नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जा रहा था और न ही सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा था, जिससे हालात लगातार बिगड़ते गए। रविवार को स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व नेता विकास सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों स्थानीय लोग निर्माण स्थल पर पहुंच गए। गुस्साए लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मोटी रस्सी से वहां मौजूद मशीनों और अभियंताओं को बांध दिया और निर्माण कार्य पूरी तरह ठप करवा दिया। अचानक हुए इस प्रदर्शन से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

निर्माण कार्य रुकने की सूचना मिलते ही संबंधित निर्माण एजेंसी और एनएचएआई के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पानी के टैंकर मंगवाए और निर्माण स्थल पर छिड़काव शुरू कराया। अधिकारियों ने स्थिति को शांत करने और लोगों को राहत दिलाने की कोशिश की।

मौके पर मौजूद विकास सिंह ने कहा कि एनएच-33 के किनारे रहने वाले लोगों का जीवन धूल की वजह से बदहाल हो चुका है, लेकिन जनप्रतिनिधियों को इसकी कोई चिंता नहीं है। उन्होंने स्थानीय सांसद और विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वे एक बार अपनी गाड़ी का शीशा खोलकर पारडीह से बालीगुमा तक सफर करें, तो उन्हें आम जनता की परेशानी का वास्तविक अंदाजा हो जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक स्थानीय लोगों को इस समस्या से स्थायी राहत नहीं मिलती, आंदोलन जारी रहेगा। इस विरोध प्रदर्शन में शिव साहू, सुदामा भारती, भरत लाल, पप्पू सिंह, श्याम लाल, नगेंद्र सिंह, शिव कुमार, अरुण यादव, निर्मल तिवारी, विकास पांडेय, सरवन सिंह, शिवा कर्मकार, कमल मुखर्जी, प्रभु यादव, सुनील तिवारी समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

टाटीझरिया में पंच दिवसीय हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का भव्य शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टाटीझरिया : प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत खैरा पंचायत में आज भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। अवसर था पंच दिवसीय हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का, जिसका भव्य शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। 501 महिलाएं माथे पर कलश लेकर कर्मा नदी से जल उठाकर कर्मा के मंडप से होते हुए गाजे बाजे के साथ जल यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पारंपरिक गाजे-बाजे और जय श्री राम के जयघोष से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। माथे पर कलश लिए कतारबद्ध महिला श्रद्धालुओं और युवतियों ने जल भरकर यज्ञ मंडप की परिक्रमा की, जिससे समूचा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।?पांच दिनों तक चलेगा अनुष्ठान पंचायत के ग्रामीणों

और आयोजन समिति के अनुसार, यह महायज्ञ पांच दिनों तक चलेगा। इस दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम मुख्य आकर्षण रहेंगे वैदिक मंत्रोच्चार विद्वान पंडितों द्वारा विधि-विधान से पूजन और हवन। प्राण प्रतिष्ठाः बजरंगबली की प्रतिमा की शास्त्रोक्त विधि से स्थापना। प्रवचन एवं कीर्तन संध्या काल में भक्तों के लिए आध्यात्मिक सत्संग और भजन। ग्रामीणों में भारी उत्साह इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में खैरा पंचायत के ग्रामीण बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस तरह के आयोजन से क्षेत्र में शांति, समृद्धि और आपसी भाईचारे का विस्तार होता है।

महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का हुआ प्रयास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बोड़ाम में आजीविका सशक्तिकरण की पहल जरूरतमंद परिवारों को मिली सहायता राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के दिशा-निर्देश तथा महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन पूर्वी सिंहभूम के सहयोग से बाल कल्याण संघ द्वारा जिले में आजीविका सशक्तिकरण की एक महत्वपूर्ण पहल संचालित की जा रही है। इसके तहत जिले के 1086 ऐसे परिवारों को चिन्हित किया गया है। जो कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हैं। मिरेकल फाउंडेशन इंडिया के तकनीकी सहयोग से इन परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई मशीन, बकरी पालन, गाय

पालन जैसे आजीविका आधारित साधनों से जोड़ा जा रहा है। बोड़ाम प्रखंड के गोरडीह पंचायत में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पंचायत की मुखिया आरती सिंह के हाथों लाभुक पूर्णिमा सेन एवं निर्मल कर्मकार को बकरी प्रदान की गई। इस अवसर पर मुखिया आरती सिंह ने कहा कि बाल कल्याण संघ द्वारा किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि समाज में अक्सर ऐसे बच्चों और परिवारों की उपेक्षा हो जाती है क्योंकि बच्चे मतदाता नहीं होते, लेकिन इस प्रकार की पहल उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही है। उन्होंने सभी समुदाय के लोगों से इस प्रयास में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाल कल्याण संघ के जिला समन्वयक ओम प्रकाश तिवारी ने कहा कि जिले के घाटशिला, बोड़ाम एवं पटमदा प्रखंड के चयनित पंचायतों को "बाल हितैषी पंचायत" के रूप में विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि संस्था आने वाले समय में जिले की 3 पंचायतों को मॉडल पंचायत के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अपहरण के बाद जमीन कारोबारी की हत्या एसपी ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के समदा आहर के पास से जमीन कारोबारी विनीत तिवारी का अपहरण के बाद उनकी हत्या कर दी गई। शनिवार देर शाम अपहरण हुआ था और रविवार को सदर थाना क्षेत्र के जोरकट इलाके से युवक का नग्न शव बरामद हुआ। परिजनों ने अपहरण का आरोप विनीत के पड़ोस में रहने वाले प्रदीप तिवारी और रौशन तिवारी नामक युवक पर लगा है। फिलहाल दोनों फरार चल रहे हैं। शव बरामद होने के बाद पलामू एसपी कपिल चौधरी खुद दोपहर 12 बजे घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले में छानबीन की। इस दौरान स्निफर डॉग के माध्यम से भी अपराधियों का पता लगाने का प्रयास किया गया।

मौके पर एसपी ने लोगों से आग्रह किया कि इस घटना से संबंधित कोई भी जानकारी हो तो पुलिस के साथ साझा करें। उनकी पहचान को गोपनीय रखी जाएगी। एसपी ने यह भी कहा कि जमीन विवाद में अपराधीकरण को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। घटना के पीछे जमीन विवाद सामने आ रहा है।

घटना के बाद परिजनों ने डेड बॉडी के साथ रेडमा चौक को आधे घंटे के लिए जाम भी किया। हालांकि डीएसपी राजीव रंजन के समझाने पर परिजनों ने आंदोलन समाप्त किया। इसके बाद डेड बॉडी पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच में भेजी गई। घटना की सूचना पर एमएमसीएच में मेदिनीनगर नगर के डिप्टी में मनोज सिंह सहित कई लोग पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से घटना की जानकारी ली।

पुलिस ने फजी कस्टमर केयर सर्विस बनाकर धोखाधड़ी करने वाले साइबर अपराधी को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : देवघर पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सारठ थाना क्षेत्र से एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान अजीत चौधरी (36) के रूप में हुई है, जो लंबे समय से फर्जी कस्टमर केयर नंबर के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बना रहा था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपित फ्लिपकार्ट, अमेजन, पेटीएम और एयरटेल पेमेंट्स बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के नाम पर फर्जी कस्टमर केयर नंबर संचालित करता था। वह इन नंबरों को गूगल पर अपलोड कर देता था, जिससे आम लोग उन्हें असली कस्टमर केयर नंबर समझकर संपर्क कर लेते थे। जैसे ही कोई व्यक्ति सहायता के लिए फोन करता, आरोपित उन्हें कैशबैक, गिफ्ट कार्ड, बैंक कार्ड बंद होने,

कार्ड दोबारा चालू कराने या खाते से जुड़ी तकनीकी समस्या जैसे बहानों में उलझा लेता था। बातचीत के दौरान वह चालाकी से लोगों की बैंकिंग जानकारी, ओटीपी या अन्य संवेदनशील विवरण हासिल कर उनके बैंक खातों से पैसे उड़ा लेता था। पुलिस ने आरोपित के पास से एक मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड बरामद किए हैं, जिनका इस्तेमाल वह साइबर ठगी के लिए करता था। जांच एजेंसियों का मानना है कि यह केवल एक व्यक्ति का काम नहीं हो सकता और इसके पीछे एक बड़ा नेटवर्क भी सक्रिय हो सकता है।

बगोदर में बिजली संकट से लोग त्राहि-त्राहि प्रदर्शनकारियों ने विभाग को ज्ञापन सौंपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : बगोदर विधानसभा क्षेत्र में भीषण गर्मी के बीच बिजली संकट ने त्राहि-त्राहि मचा दी है। हालात बेकाबू हो चुके हैं और तपती दुपहरी व उमस भरी रातों में लोगों को दिन भर में मुश्किल से मात्र 4-5 घंटे ही बिजली नसीब हो पा रही है। सिस्टम की इस लाचारी ने आम जनजीवन को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया है। लगातार अंधेरे और नारकीय स्थिति से जूझ रही जनता का गुस्सा अब सड़कों पर उतर आया है। इसी आक्रोश के बीच रविवार को इंकलाबी नौजवान सभा के कार्यकर्ताओं ने पावर हाउस के समक्ष जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और वहां मौजूद बिजली कर्मियों को विभाग के आला अधिकारियों के नाम एक कड़ा और चेतावनी भरा ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे आरवाइए के

राष्ट्रीय परिषद सदस्य सोनू पांडेय ने बिजली विभाग और स्थानीय राजनीति पर सीधा प्रहार किया। उन्होंने बेबाकी से कहा कि बगोदर, सरिया और बिरनी क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से बिजली आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई है। लोग पीने के पानी, पंखे और अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। स्थानीय लोगों का गुस्सा इस कदर है कि वे कह रहे हैं कि क्षेत्र को जानबूझकर फिर से "लालटेन युग" में धकेल दिया गया है। इस गंभीर समस्या पर सोनू पांडेय ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि जबसे बगोदर में भाजपा के विधायक ने जीत दर्ज की है, तबसे प्रशासनिक अधिकारी-चाहे वे किसी भी विभाग के हों-पूरी तरह 'बेलगाम' और निरंकुश हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थानीय विधायक की व्यावहारिक उदासीनता और कर्तव्यहीनता का ही नतीजा है कि आज बिजली विभाग के अधिकारियों के मनमानी रवैये ने हमें इस चिलचिलाती गर्मी में अंधेरे में जीवन यापन करने को विवश कर दिया है।

प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग में चल रहे कथित भ्रष्टाचार को भी उजागर किया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि भीषण गर्मी के बावजूद बिजली मेंटेनेंस के नाम पर दिन-दिन भर बिजली काटी जा रही है। आरोप है कि यह खेल संवेदकों और बिजली अधिकारियों की मिलीभगत से चल रहा है। सोनू पांडेय ने गंभीर आरोप लगाया कि मेंटेनेंस के नाम पर संवेदक एकदम घटिया गुणवत्ता वाली तार का इस्तेमाल कर रहे हैं। यही नहीं, मानकों को ताक पर रखकर बिजली के एक खंभे से दूसरे खंभे के बीच की दूरी को अवैध रूप से बढ़ा दिया गया है, जो सीधे तौर पर एक बड़े घोटाले की ओर इशारा करता है। फअ ने मांग की है कि यह सब कुछ विभाग के आला अधिकारियों की छत्रछाया में हो रहा है, जिसकी उच्चस्तरीय जांच अनिवार्य है। संगठन ने यह भी मांग की है कि बिजली विभाग के मेंटेनेंस कार्य की 'एस्टीमेट' को जनता के बीच सार्वजनिक किया जाए ताकि गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। इंकलाबी नौजवान सभा ने बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन को स्पष्ट लहजे में अल्टीमेटम दिया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि आने वाले दिनों में बिजली आपूर्ति को कम से कम 18-20 घंटे तक बहाल नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे। संगठन ने साफ कहा है कि जरूरत पड़ने पर क्षेत्र से गुजरने वाले राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों को अनिश्चितकालीन समय के लिए 'चक्का जाम' किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

अवैध बालू माफिया पर अंचल अधिकारी का सख्त प्रहार, ट्रैक्टर जब्त

सरिया : सरिया इलाके में इन दिनों अवैध बालू का काला कारोबार चरम पर है और बालू माफिया पूरी तरह बेखौफ हो चुके हैं। लेकिन रविवार को सरिया अंचल अधिकारी (सीओ) संतोष कुमार ने इस काले खेल पर कड़ा प्रहार करते हुए अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को धर दबोचा है। इस कार्रवाई से अवैध खनन और परिवहन में लगे सिंडिकेट में हड़कंप मच गया है। आपको बता दें कि सरिया में बालू माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि अवैध बालू लदे ट्रैक्टर रोजाना बिना किसी डर के अति-संवेदनशील इलाकों से गुजरते हैं। सूत्रों के मुताबिक, रोजाना दर्जनों की संख्या में बालू लदे ट्रैक्टर सरिया थाना, प्रखंड मुख्यालय, अनुमंडल मुख्यालय और खुद अंचल कार्यालय के सामने से सीना तानकर बगोदर की ओर पास होते हैं। सिस्टम को ठेंगा दिखाकर चल रहे इस खेल पर रविवार को उड संतोष कुमार की नजर पड़ गई, जिसके बाद उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। अंचल अधिकारी ने जब्त ट्रैक्टर को तुरंत सरिया थाना के सुपुर्द कर दिया है, जहां पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकता (FIR) दर्ज कर ली है। पुलिस अब आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। हालांकि, इस एक कार्रवाई से बालू माफिया पर कितना लगाम लगेगा, यह बड़ा सवाल है, क्योंकि रोजाना धड़ल्ले से गुजरने वाले दर्जनों ट्रैक्टर अभी भी प्रशासन की साख पर सवालिया निशान लगा रहे हैं।

चौपारण में झारखंड पात्रता परीक्षा निष्पक्ष माहौल में संपन्न, 1290 में 619 अभ्यर्थी शामिल

चौपारण : प्रखंड क्षेत्र में रविवार को झारखंड पात्रता परीक्षा 2025 शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक एक ही पाली में आयोजित की गई। परीक्षा के लिए प्रखंड के चार केंद्रों पर कुल 1290 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन इनमें से केवल 619 अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 671 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। केंद्रवार उपस्थिति की बात करें तो केबीएसएस +2 हाई स्कूल में 480 में से 263, मध्य विद्यालय सिंहपुर में 306 में से 168, सुंदरलाल जैन उच्च विद्यालय सिंघरावां में 252 में से 88 तथा अमौली अपूर्वा उच्च विद्यालय मानगढ़ में 252 में से 100 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। बरही एसडीओ जोहन टुडू के निर्देश पर सीओ संजय कुमार यादव के नेतृत्व में सभी केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।केंद्रों पर पुलिस बल के साथ दंडाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई थी। प्रवेश द्वार पर परीक्षार्थियों की सघन जांच की गई। प्रशासन द्वारा मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स एवं अन्य प्रतिबंधित सामग्री लेकर प्रवेश पर रोक लगाई गई थी। जांच के बाद ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई और कहीं से किसी प्रकार की गड़बड़ी या अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली।

ट्रेनों की लेटलतीफी के खिलाफ टाटानगर में चला हस्ताक्षर अभियान

पूर्वी सिंहभूम : यात्री ट्रेनों की लगातार हो रही लेटलतीफी के विरोध में रविवार को टाटानगर स्टेशन परिसर में रेल यात्री संघर्ष समिति की ओर से व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में यात्रियों ने इसमें भाग लिया। अभियान की शुरूआत जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने स्वयं हस्ताक्षर कर की। इसके बाद यात्रियों ने उत्साहपूर्वक ह्वाइट बोर्ड और फॉर्म पर अपने हस्ताक्षर दर्ज कर विरोध जताया। कई लोगों ने मौके पर ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। सुबह से ही स्टेशन परिसर में लोगों की भीड़ जुटने लगी थी। प्लेटफॉर्म से बाहर निकलने वाले अधिकांश यात्रियों ने इस अभियान में हिस्सा लिया। हस्ताक्षर के लिए दो स्थान बनाए गए थे। एक प्लेटफॉर्म नंबर एक के प्रवेश मार्ग के पास और दूसरा टिकट बुकिंग कार्यालय के समीप। डिजिटल माध्यम से भी समर्थन दर्ज किया गया, जहां लोगों ने क्यूआर कोड स्कैन कर अपनी सहमति दी। इस दौरान सरयू राय ने रेलवे अधिकारियों के रवैये को चिंताजनक बताते हुए कहा कि यात्री ट्रेनों की अनदेखी कर मालगाड़ियों को प्राथमिकता देना गलत है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो रेल पटरियों पर बैठकर विरोध किया जाएगा। संघर्ष समिति के संयोजक शिवशंकर सिंह ने भी रेलवे प्रशासन के नकारात्मक रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि आंदोलन को दबाया नहीं जा सकता। आफताब अहमद सिद्दिकी, सुबोध श्रीवास्तव, कन्हैया सिंह और अजय कुमार सहित कई लोगों ने रेलवे पर यात्रियों की उपेक्षा का आरोप लगाया। अभियान में आशुतोष राय, अमृता मिश्रा, अमित शर्मा, नीरज सिंह, प्रकाश कोया, राजेश प्रसाद, अंजली सिंह, कौशल, निर्मल सिंह, रणजीत प्रसाद, दुर्गा राव, जीतेंद्र सिंह, विकास सहनी, मनोज सिंह, तारक मुखर्जी, शेषनाथ पाठक सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

डकैतों से भिड़े गृहस्वामी, बेटे को लगी गोली

खूंटी : जिले के अड़की सीमा से सटे मुरहू थाना क्षेत्र के डेहकेला गांव में शनिवार रात डकैती की कोशिश को ग्रामीणों ने नाकाम कर दिया। इस दौरान गृहस्वामी केदार अहीर ने साहस दिखाते हुए डकैतों का मुकाबला किया, जिसमें उनके बेटे रूसू अहीर को गोली लग गई। हालांकि, इस संघर्ष में एक डकैत खुदीराम ओड़ेया को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, केदार अहीर शनिवार को सरवादा बाजार से गुलगुला-पकौड़ी बेचकर घर लौटे थे। इसी बीच छह-सात बाइक पर सवार होकर आए हथियारबंद डकैतों ने उनके घर पर धावा बोल दिया। डकैतों ने पिस्टल तानकर गोली चलाने की कोशिश की, लेकिन तीन बार ट्रिगर दबाने के बावजूद गोली नहीं चली। इसी मौके का फायदा उठाते हुए केदार ने साहस दिखाया और पत्नी से डंडा मंगाकर डकैतों से भिड़ गए। संघर्ष के दौरान जब केदार का बेटा रूसू अहीर एक डकैत को पकड़ने लगा, तभी दूसरे डकैत ने उस पर गोली चला दी, जो उसके जांघ के पास लगी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर जुट गए, जिन्हें देख डकैत भागने लगे। इस दौरान ग्रामीणों ने एक डकैत को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी।

भारतीय राजनीति के ये जय चंद और मीर जाफर

सिद्धांत व विचारविहीन राजनीति करते हुये अपनी सुविधा,लाभ व राजनैतिक भविष्य के मद्देनजर दल बदल करना हमारे देश में एक हकीकत बन चुकी है। सच पूछिए तो वर्तमान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की पूरी सत्ता इस समय दल बदलुओं के भरोसे ही चल रही है। इस समय केंद्रीय मंत्री,मुख्य मंत्री,सांसद विधायक जैसे तमाम पदों पर कल के कांग्रेसी आज के भाजपाई बने देखे जा सकते हैं। इनमें कई तो लंबे समय तक विपक्ष की भूमिका में न रह पाने और संघर्ष व विपक्ष की राजनीति में सक्षम न हो पाने के कारण किसी न किसी बहाने से भाजपा में शामिल हुये। तो कई भ्रष्ट लोग जेल जाने या कानूनी कार्रवाई से बचने के लिये 'राजनैतिक धर्म परिवर्तन ' करने को मजबूर हुये। कुछ नेता डर,लालच या भयवश इधर से उधर करने को बाध्य हुये तो दल बदल के लिये उतावले कई नेता पार्टी में अपनी उपेक्षा का बहाना बनाकर चलते बने। यह और बात है कि ऐसे अनेक लोग दल बदल कर जहाँ गए वहां भी वे देखते देखते लापता हो गये।

पिछले दिनों आम आदमी पार्टी को भी उस समय एक बार फिर जबरदस्त झटका लगा जबकि उसके राज्य सभा के दस में से सात सांसदों ने दल बदल कर भाजपा में शरण ले ली। ये सभी सात सांसद पंजाब राज्य से निर्वाचित होकर आये थे। गौरतलब है कि इस समय आम आदमी पार्टी केवल पंजाब में ही सत्ता में है। और इसी राज्य के 7 राज्य सभा सांसदों के पार्टी बदलने के बाद अब कई विधायकों के भी दल बदल की संभावना जताई जा रही है। इस दल बदल के मुख्य सूत्रधार के रूप में राघव चड्ढा को देखा जा रहा है। राघव चड्ढा वही हैं जो कई बार यह कह चुके हैं कि भाजपा अनपढ़ व गुंडों की पार्टी है। यह गुंडों को संरक्षण देने वाली पार्टी है। राघव चड्ढा पिछले दिनों राज्यसभा में उठाये गये कई जनहितकारी मुद्दों को लेकर जनता में काफी लोकप्रिय हो गये थे। उन्होंने संसद में गिग वर्कर्स की सुरक्षा, एयरपोर्ट पर आम लोगों को मिलने वाला महंगा खाना, गरीब आदमी का मिनिमम बैलेंस कम होने पर उसपर लगने वाली बैंक पैनल्टी, पैटरनिटी लीव, स्वास्थ्य सेवा, इनकम टैक्स जैसे अनेक मुद्दे उठाये थे। तथा इन मुद्दों पर सरकार से एक्शन लेने की मांग भी की थी। इन दलबदल करने वालों में एक राज्यसभा सांसद का नामअशोक मित्तल है। ये उस लवली ग्रुप के मालिक हैं जिसका वार्षिक टर्नओवर ?850 करोड़ का बताया जा रहा है। मित्तल, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, लवली ऑटोज, लवली स्वीट्स जैसे संस्थानों के स्वामी हैं। अभी कुछ दिन पहले ही मित्तल के लगभग सभी ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) की छापेमारी भी हुई थी। और आखिरकार इन्होंने भी भाजपा की शरण में जाकर अपने 'व्यवसायिक साम्राज्य' की रक्षा करने में ही अपनी भलाई समझी। बहरहाल जितने भी चेहरे आम आदमी पार्टी छोड़ भाजपा में गये हैं उनमें से किसी का भी कोई पूर्व राजनैतिक अनुभव नहीं है। हरभजन सिंह क्रिकेटर को छोड़ जिसने भी अपनी पहचान बनाई है वह केजरीवाल व आप पार्टी के साथ काम कर ही बनाई है। हालांकि केजरीवाल व आप का साथ छोड़कर जाने वाले नेताओं की फेहरिस्त भी बहुत लंबी है। यह भी सच है कि केजरीवाल के आचरण व स्वभाव में जरूर कुछ न कुछ कमी है जिसके चलते प्रशांत भूषण व योगेंद्र यादव जैसे अनेक बुद्धिजीवी व सुलझे हुये लोग भी केजरीवाल को छोड़कर चले गये। परन्तु इस ताजातरीन दलबदल के बाद जनता की राय बिल्कुल विपरीत है। जनता इस बार के दलबदलुओं की तुलना इतिहास के गद्दार जय चंद व मीर जाफर से कर रही है। यह सरासर पंजाब के उनलोगों से धोखा व गद्दारी है जिन्होंने इन 'दलबदलुओं ' को मान सम्मान देकर राज्य सभा में भेजा।

सूडोकु नवताल- 7777

★★★★☆ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7776 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

मोदी मन की बात : सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम से 'फास्ट ब्रीडर' तक भारत की निर्णायक छलांग

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दुनिया इस समय अस्थिरता के ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां ऊर्जा वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। ईरान में जारी युद्ध और उसके चलते कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। महंगाई की मार हर देश झेल रहा है और भारत भी इससे अछूता नहीं, लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच भारत ने एक ऐसा रास्ता चुना है, जो आने वाले दशकों में उसे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बना सकता है। यह रास्ता है सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम और विशेष रूप से फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक का।

रविवार को प्रसारित मन की बात कार्यक्रम के 133वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दिशा में भारत की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए विज्ञान और तकनीक की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित किया। उन्होंने कहा- साथियो, भारत ने विज्ञान को हमेशा देश की प्रगति से जोड़कर देखा है। इसी सोच के साथ हमारे वैज्ञानिक सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके प्रयासों से यह कार्यक्रम राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहा है। इससे हमारी इंडस्ट्रियल ग्रोथ को, एनर्जी सेक्टर को, हेल्थकेयर सेक्टर को बहुत लाभ हुआ है। खेती किसानी से लेकर आधुनिक इनोवेटर्स को भी भारत के सिविल न्यूक्लियर प्रोग्राम ने बहुत मदद की है।

प्रधानमंत्री का यह कथन वास्तव में उस व्यापक परिवर्तन की झलक है, जो भारत के वैज्ञानिक प्रयासों के कारण देश के विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। परमाणु ऊर्जा अब बिजली उत्पादन से आगे कृषि में उत्पादकता बढ़ाने, चिकित्सा में कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज और उद्योगों में उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन के लिए भी अहम भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि का उल्लेख किया, जिसने भारत को परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान दिलाया है।

उन्होंने कहा- कुछ ही दिन पहले, हमारे न्यूक्लियर साइंटिस्ट ने एक और बड़ी उपलब्धि से भारत का गौरव बढ़ाया है। तमिलनाडु के कलपक्कम में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकलिटी हासिल कर ली है। दरअसल, क्रिटिकलिटी वह स्टेज है, जिसमें रिएक्टर पहली बार सेल्फ-सस्टेनिंग न्यूक्लियर चेन रिएक्शन में सफलता हासिल करता है। इस स्टेज का मतलब है रिएक्टर का ऑपरेशन फेज में पहुंचना। भारत की न्यूक्लियर एनर्जी जर्नी में यह एक ऐतिहासिक माइलस्टोन है। और बड़ी बात ये भी कि परमाणु रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित है। साथियो, इसे ब्रीडर रिएक्टर क्यों कहते हैं? इसके पीछे भी एक वजह है। यह एक ऐसा सिस्टम है, जो ऊर्जा के उत्पादन के साथ-साथ भविष्य के

लिए नया ईंधन भी खुद ही तैयार करता है।

कलपक्कम में स्थापित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) का क्रिटिकलिटी स्तर तक पहुंचना किसी भी दृष्टि से साधारण उपलब्धि नहीं है। यह वह क्षण होता है, जब रिएक्टर के भीतर परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया स्थिर और नियंत्रित रूप से स्वयं चलने लगती है। यहीं से ऊर्जा उत्पादन की वास्तविक यात्रा शुरू होती है। इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि भारत आज जटिल तकनीकों को समझने और विकसित करने में इतना सक्षम हो चुका है कि उसे इस दिशा में किसी अन्य देश के सहयोग की कोई आवश्यकता नहीं रह गई है। निश्चित ही फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक को समझना जितना जटिल है, उसका महत्व उतना ही व्यापक है।

दुनिया के कई विकसित देशों ने इस तकनीक को हासिल करने के लिए दशकों तक प्रयास किए। अमेरिका, जापान, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देशों ने इस दिशा में अरबों डॉलर खर्च किए, किंतु विभिन्न तकनीकी और आर्थिक चुनौतियों के कारण वे इस तकनीक को व्यापक स्तर पर लागू नहीं कर सके। इसके विपरीत, भारत ने सीमित संसाधनों के बावजूद इस दिशा में सफलता प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टि और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

भारत की इस सफलता के पीछे सात दशक की वैज्ञानिक यात्रा और दूरदर्शी सोच छिपी है। महान वैज्ञानिक होमी जहांगीर भाभा ने जिस तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की नींव रखी थी, वह आज अपनी सार्थकता सिद्ध कर रहा है। इस कार्यक्रम का पहला चरण प्राकृतिक यूरेनियम से ऊर्जा और प्लूटोनियम उत्पादन पर आधारित है। दूसरे चरण में फास्ट ब्रीडर रिएक्टर के माध्यम से अधिक ईंधन तैयार किया जाता है, जबकि तीसरे चरण में थोरियम आधारित रिएक्टरों के जरिए दीर्घकालिक ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित किया जाता है।

यहां जान लें कि भारत के संदर्भ में थोरियम का महत्व अत्यधिक है। देश में यूरेनियम के भंडार सीमित हैं, पर थोरियम प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। विश्व के कुल थोरियम भंडार का लगभग एक चौथाई हिस्सा भारत में पाया जाता है। फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तकनीक इस थोरियम को उपयोगी ईंधन में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इससे ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि तो होगी ही, साथ में भारत की विदेशी ईंधन पर निर्भरता भी कम होगी।

कलपक्कम में स्थापित 500 मेगावाट क्षमता वाला यह रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है। इसका डिजाइन और अनुसंधान भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है, जबकि निर्माण और संचालन भी देश के ही संस्थानों द्वारा किया जा रहा है। यह उपलब्धि ह्यआत्मनिर्भर भारतह्न की अवधारणा को साकार करती है और यह दशार्ती है कि भारत अब तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस परियोजना से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा भी कि ह्लमार्च 2024 का वह समय भी याद है, जब मैं कलपक्कम में रिएक्टर की कोर लोडिंग का साक्षी बना था। मैं उन सभी को बधाई देता हूँ, जिन्होंने, भारत के परमाणु कार्यक्रम में अपना अमूल्य योगदान दिया है। देशवासियों का जीवन बेहतर और आसान बनाने के लिए उनका यह प्रयास बहुत ही सराहनीय है। इससे विकसित भारत के हमारे संकल्प को भी एक नई ऊर्जा मिलेगी।

आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी दोहरी चुनौतियों से जूझ रही है, तब फास्ट ब्रीडर रिएक्टर जैसी तकनीकें एक स्थायी समाधान के रूप में उभर रही हैं। भारत के लिए यह उपलब्धि एक नई ऊर्जा अर्थव्यवस्था की शुरूआत भी है। यदि आने वाले वर्षों में इस तकनीक का विस्तार किया जाता है और देशभर में ऐसे रिएक्टर स्थापित किए जाते हैं तो भारत वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता दिखेगा। कहना होगा कि ऊर्जा के क्षेत्र में यह बदलाव भारत की आर्थिक वृद्धि, औद्योगिक विकास और सामाजिक प्रगति को नई दिशा देगा। आज यह वैज्ञानिक उपलब्धि एक ऐसे भविष्य की आधारशिला है, जहां भारत आत्मनिर्भर, सशक्त और वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में विश्व के सभी देशों के बीच आगे की पंक्ति में खड़ा दिखाई देता है। इसके लिए देश के शीर्ष नेतृत्व और वैज्ञानिकों को जितना धन्यवाद दिया जाए, निश्चित ही वह उतना ही कम होगा।

अमेरिका-ईरान युद्ध : ट्रंप के लिए निगलते बने न उगलते

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भारत के खिलाफ हालिया टिप्पणी और उससे पलटने से यह साफ हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी सनक या आवेग में बिना सोचे-समझे टिप्पणी या निर्णय करते हैं और उससे पलटने में देरी भी नहीं करते। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर रेडियो होस्ट की टिप्पणी भारत और चीन को नरक का द्वार को रीपोस्ट करके विवादों में आ गए और भारत के कड़े विरोध और अमेरिका में ही पक्ष-प्रतिपक्ष की प्रतिक्रियाओं एवं नस्लीय टिप्पणी देखते हुए भारत को महान और दोस्त देश बताने में भी देरी नहीं की। ट्रंप ने हाल के महीनों में यह सिद्ध कर दिया है कि इतिहास में उनकी तरह का आवेश में निर्णय लेने, फिर उसके परिणामों से समूचे विश्व को संकट में डालने वाला दूसरा उदाहरण नहीं मिलेगा। हिटलर या मुसोलिनी जैसे तानाशाहों के उदाहरण दिए जाते हैं पर ट्रंप इन सबसे अलग हैं। दुनिया के देशों को डराने-धमकाने और अपने ही निर्णयों से पलटने वाला उनके जैसा राष्ट्राध्यक्ष ढूंढने से भी नहीं मिलेगा।

एक बात ट्रंप को समझ लेनी चाहिए कि केवल अमेरिका फर्स्ट के नारे से दुनिया नहीं चल सकती। यही कारण है कि आज दुनिया के करीब-करीब सभी देश ट्रंप से गले तक भर आये हैं। अमेरिकी-ईरान युद्ध के चलते आज दुनिया के सामने संकट का जो दौर आया है उससे अमेरिका भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। एक तरफ ईंधन का संकट आ रहा है तो तनाव के चलते व्यापार प्रभावित हो रहा है, आने वाले समय में खाद्यानों सहित दवा व अन्य आवश्यक वस्तुओं की कमी से भी दुनिया के देशों को दो-चार होना पड़ जाएगा। ट्रंप की रणनीति समझ से परे इस मायने में भी हो जाती है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक साथ अनके मोर्चे खोल लिए हैं और इजरायल की बात छोड़ भी दी जाए तो दुनिया का कोई देश आज ट्रंप की नीतियों, टिप्पणियों और गीदड़ धमकियों का पक्षधर नहीं हो सकता।

दरअसल, आज ट्रंप ने समूची दुनिया को तनाव के दौर में धकेल दिया है। करीब सवा साल के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका और दुनिया के देशों में अपनी स्वीकार्यता के सबसे निचले पायदान पर पहुंच चुके हैं। ईरान से टकराव के बाद केवल एक माह में ही स्वीकार्यता में दस प्रतिशत की गिरावट स्वयं सोचने को मजबूर कर देना चाहिए। अप्रैल की ताजा रिपोर्टस की बात की जाए तो न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार 39 प्रतिशत, रॉयटर के अनुसार 36 प्रतिशत और एपी के अनुसार 33 प्रतिशत वैश्विक स्वीकार्यता रह गई है। यदि अमेरिका की बात करें तो आर्थिक नीतियों के चलते असंतोष मुखर होता जा रहा है। अधिकांश अमेरिकी, ईरान संघर्ष को लेकर भी ट्रंप की निर्णय से संतुष्ट नहीं हैं। ट्रंप की नीतियां अमेरिका सहित दुनिया के देशों में अस्थिरता और तनाव पैदा करने वाली हैं।

ईरान को तबाह करने की घोषणा, ईरान के विद्युत एवं ऑयल संयत्रों को नष्ट करने की धमकी, हार्मुज जलडमरुमध्य को लेकर धमकी, फिर सीजफायर की बात करना और ईरान द्वारा समझौते की टेबल पर सकारात्मकता नहीं होने की स्थिति में अमेरिका की लगातार हेठी हो रही है। देखा जाए तो रुस-यूक्रेन युद्ध को हवा देने और फिर जेलेंस्की को धमकाने व जेलेंस्की की अमेरिका में ही ठेंगा दिखाना, अमेरिका के लिए कम शर्मनाक नहीं रहा। नाटों से हटने की धमकी, वेनेजुएला पर आक्रमण और वहां के राष्ट्राध्यक्ष के साथ व्यवहार, चीन के साथ व्यापार युद्ध, भारत को बार-बार टैरिफ गीदड़ भभकी, कनाडा का अमेरिका का राज्य घोषित करने, ग्रीनलैण्ड हथियाने का प्रयास, गाजा पट्टी, क्यूबा आदि से संबंधित ट्रांप की सभी भभकियां अबतक बेमानी साबित हुई है। उल्टे इन सबसे अमेरिका और ट्रंप की विश्वसनीयता में ही कमी आई है।

सवाल यह उठने लगा है कि अमेरिकी गीदड़ भभकियों का कुछ असर भी रहेगा या नहीं। क्योंकि आज छोटे-से-छोटे देश को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। आज यदि जंग छेड़ते हैं तो दो-चार दिन में फैसला हो जाएगा, यह सोचना गलत है। इसका उदाहरण रुस-यूक्रेन तो है ही अब ताजा उदाहरण अमेरिका-इजरायल और ईरान संघर्ष को देखा जा सकता है। लंबी जंग लड़ने की स्थिति में दुनिया का कोई देश नहीं है। आज ईरान से संघर्ष संघर्ष में अमेरिका को अधिक हानि उठानी पड़ रही है। ट्रंप ऐन-केन प्रकारेण जंग रुकवाने व सीजफायर के प्रयास कर रहे हैं। पर ट्रंप को यह सोच लेना चाहिए कि डर या धमकियों से नतीजा नहीं निकलने वाला है। दूसरा, ट्रंप के ट्रैक रिकार्ड को देखते हुए उनकी कही गई किसी भी बात पर लंबे समय तक विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए ट्रंप को पहले विश्वसनीयता बनाने के ठोस प्रयास करने होंगे। दुनिया के देशों को विश्वास में लेना होगा। नहीं तो दुनिया के हालात दिन-प्रतिदिन गंभीर होने हैं और इसके लिए ट्रंप को इतिहास माफ नहीं करने वाला।

परीक्षा परिणामों के लिए अकेले विद्यार्थी जिम्मेदार नहीं

हृदयनारायण दीक्षित

ज्ञान से बड़ा कुछ भी पवित्र नहीं है। ज्ञान भौतिक संसार की सभी उपलब्धियों को प्राप्त करने का उपकरण है। जो लोग इस भौतिक संसार से पृथक अन्य लोकों का भी अस्तित्व मानते हैं, वह लक्ष्य भी ज्ञान मार्ग से ही प्राप्त होना संभव बताया गया है। ज्ञान प्राप्ति का सर्वश्रेष्ठ उपकरण है शिक्षा।भारतीय इतिहास के वैदिक काल में शिक्षा प्राप्ति को अन्य उपलब्धियों से श्रेष्ठ बताया गया है। तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में शिक्षा को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का साधन बताया गया है। कभी भारतीय ज्ञान का डंका समूचे विश्व में छाया हुआ था। उच्च शिक्षा के कारण ही भारत को विश्वगुरु कहा जाता था।

छान्दोग्य उपनिषद में नारद को व्यथित बताया गया है। व्यथित नारद सनत कुमार के पास पहुंचे। उन्होंने सनत कुमार को अपनी व्यथा बताई। सनत कुमार ने नारद से पूछा कि आपने अब तक क्या-क्या पढ़ा है। नारद ने बताया, हे भगवन मैंने ऋग्वेद सहित सभी वेद पढ़े हैं। भूगर्भ विद्या, नक्षत्र विद्या, आकाश विद्या, गणित, ज्योतिष आदि अनेक विषय पढ़े हैं। उपनिषद में यह सूची काफी बड़ी है। इसका अर्थ यह निकलता है प्राचीन भारत में अनेक विषय पढ़े और पढ़ाए जाते थे। आज की ज्ञान परंपरा में वैदिक काल और उसके पहले से लेकर आधुनिक काल तक सभी विषय प्रासंगिक हैं। शिक्षा या विद्यार्थी जीवन पुरुषार्थ का स्वर्णकाल है। प्राचीन काल में शिक्षा के सभी अनुशासन पढ़े-पढ़ाए जाते थे।

नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यह भी जरूरी हो जाता है कि हम केवल परीक्षा परिणामों पर ही केंद्रित न रहें बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास पर ध्यान दें। आज का विद्यार्थी केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर व्यावहारिक, नैतिक और तकनीकी ज्ञान से भी सुसज्जित होना चाहिए। परिणामों के विश्लेषण से यह भी स्पष्ट होता है कि जिन विद्यालयों में नियमित शैक्षणिक वातावरण और अनुशासन बना रहा, वहाँ सफलता का प्रतिशत अधिक रहा है।

संप्रति शिक्षा नौकरी और जीवन यापन की सुविधाएं जुटाने का यंत्र बन गई है। सरकारें अपने ढंग से अपने देश और राज्य के क्षेत्र में शिक्षा का प्रबंधन करती हैं। निजी क्षेत्र में भी शिक्षा के तमाम तरह के अनुशासन हैं। शिक्षा महंगी है और वह संस्कृति और दर्शन तथा ज्ञान प्राप्ति का उपकरण नहीं है। परीक्षाओं में ज्यादा से ज्यादा अंक पाने की होड़ रहती है। विद्यार्थी अधिक अंक पाने के तनाव में रहते हैं। आत्महत्याएं होती हैं। शिक्षार्थी को अध्ययन के दौरान ज्ञान का आनंद नहीं मिलता। निजी क्षेत्र के विद्यालयों में एक समान पाठ्यक्रम नहीं है। कुछ विद्यालय कक्षा 1 से पढ़ाई शुरू करवाते हैं। कुछ विद्यालय पहली कक्षा से भी पहले की कक्षाएं केजी, नर्सरी आदि नामों से चलवाते हैं। सीबीएसई पूरे देश में लागू केन्द्रीयकृत शिक्षा व्यवस्था है। बेशक इससे पूरे देश में एक समान शिक्षा का पाठ्यक्रम बनाया जाता है लेकिन विद्यार्थियों को अध्ययन के समय आनंदित करने के कोई उपाय नहीं है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं संचालित करता है। इसके परिणाम इसी सप्ताह घोषित हुए थे। लड़कियों ने लड़कों की अपेक्षाकृत उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जिन बेटियों को अच्छे अंक मिले हैं, उन्हें बधाई। उनके परिजनों को बधाई। उनके गुरुजनों को बधाई। अभी कुछ ही दिनों में महाराष्ट्र बोर्ड, सीबीएसई और आईसीएसई के परिणाम आने वाले हैं। एमपी बोर्ड के नतीजे पहले ही आ चुके हैं। ज्यादा अंक पाने वाले परीक्षार्थियों के घरों में भी इस बात का तनाव है कि उन्हें और अधिक नंबर क्यों नहीं मिले। मेरी अपनी पढ़ाई उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित विद्यालय से हुई है। तब परीक्षाफल घोषित होने के दिन उल्लास होता था। कुछ फेल होते थे कुछ पास लेकिन शैक्षिक वातावरण तनावपूर्ण नहीं होता था। इधर 20-25 वर्षों में जो उत्तीर्ण हैं, वे भी रुआंसे हैं कि और अधिक अंक क्यों नहीं मिले। जो फेल हो गए हैं, उनके घर वाले सारा दोष बच्चों पर ही डाल रहे हैं।

विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी है। प्रतिस्पर्धा के कारण तनाव बढ़ता है। इसलिए विद्यालयों में काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। समय पर सही मार्गदर्शन मिलना आवश्यक है। कौशल आधारित शिक्षा पर भी जोर देना होगा। केवल पारंपरिक पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। आईटी, उद्यमिता और कृषि जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण जरूरी है। इससे छात्र आत्मनिर्भर बनेंगे। मूल्यों की शिक्षा से विद्यार्थियों में नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित होगी। भारतीय ज्ञान परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है। वैदिक काल में शिक्षा जीवन से जुड़ी थी। वेद और उपनिषदों में ज्ञान, विज्ञान और नैतिकता का समन्वय मिलता है। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय दुनिया भर में प्रसिद्ध थे। यहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने आते थे। गुरुकुल परंपरा में गुरु और शिष्य का संबंध गहरा होता था। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान नहीं बल्कि चरित्र निर्माण भी था। मुगल काल और अंग्रेजी शासन के दौरान इस स्वदेशी शिक्षा व्यवस्था को अपेक्षित संरक्षण नहीं मिला। पारंपरिक संस्थाएं कमजोर हुईं। हमारी मूल ज्ञान परंपरा प्रभावित हुई। आज आवश्यकता है कि हम अपनी इस समृद्ध परंपरा के श्रेष्ठ तत्वों को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ें। इससे आने वाली पीढ़ी मजबूत, संस्कारित और आत्मनिर्भर बन सकेगी। अकेले विद्यार्थी ही परीक्षा परिणामों के लिए दोषी नहीं होते। उनकी सफलता या असफलता में आचार्य का भी श्रम अंतर्निहित होता है।

दैनिक पंचांग

27 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 117 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 18.16 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 21.19 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 21.36 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 06.08 बजे तदनन्तर विष्टि 18.16 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 9.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 13° 46' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872692 **जूलियन दिन** 2461157.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 09 **विशेष** मोहिनी एकादशी, त्रिशूर पूरम, सिद्धिलक्ष्मी जयंती।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.34 बजे से
चंद्र	सिंह में	मिथुन	08.32 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.45 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.01 बजे से
गुरू	मिथुन में	कन्या	15.13 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	17.24 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.39 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.55 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	00.00 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	01.46 बजे से
		मीन	03.19 बजे से
		मेष	04.50 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अवैध खनन उजागर करना पड़ा भारी व्हिसलब्लोअर के घर पर बम से हमला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के कोटालपोखर थाना क्षेत्र में एक निडर नागरिक द्वारा अवैध खनन के खिलाफ आवाज उठाना जानलेवा साबित हो रहा है। सोशल एक्टिविस्ट और व्हिसलब्लोअर वरुण जायसवाल के घर पर बीती रात अपराधियों ने बारूद और बमों से जानलेवा हमला किया। वरुण जायसवाल ने इस संबंध में कोटालपोखर थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर हत्या के प्रयास और आपराधिक साजिश की प्राथमिकी दर्ज करने की गुहार लगाई है। वरुण जायसवाल द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार, 25 अप्रैल 2026 की रात्रि लगभग 12:30 बजे संगठित माफिया प्रवृत्ति के लोग उनके घर पर आए और उन्हें जान से मारने की नीयत से एक के बाद एक चार बम मारे। धमाके इतने शक्तिशाली थे कि पूरे परिवार में

अफरा-तफरी मच गई। वरुण की वृद्ध बीमार माँ इस भयावह घटना के कारण सदमे में बेहोश हो गईं, वहीं घर के छोटे बच्चे दहशत के कारण रात भर रोते रहे। वरुण का आरोप है कि यह हमला उन्हें और उनके परिवार को खत्म करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। वरुण जायसवाल ने अपनी शिकायत में स्पष्ट किया है कि वह अपने घर में सीसीटीवी कैमरा लगवाकर क्षेत्र में हो रही अवैध गतिविधियों (पत्थर, गिट्टी और बालू की तस्करी) पर नजर रख रहे थे। वह फेसबुक (सोशल मीडिया) के माध्यम से बिना वैध माइनिंग चालान के झारखंड से पश्चिम बंगाल तक होने वाली अवैध ढुलाई को उजागर करते रहे हैं। इसी कारण अवैध खनन सिंडिकेट से जुड़े लोग उन्हें लगातार निशाना बना रहे हैं।आवेदन में वरुण ने खुलासा किया है कि यह हमला अचानक नहीं था। जब वरुण 20 अप्रैल 2026 को दिल्ली में थे, तब उनकी पत्नी के मोबाइल पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। हमले वाले दिन वरुण को अपने घर के पास स्थित 'बजाज शोरूम' के पास कुछ संदिग्ध गतिविधियां दिखी थीं। उन्हें पूर्ण आशंका है कि आरोपियों द्वारा हमले से पहले उनकी निगरानी की जा रही थी। इससे पहले भी वरुण और उनके परिवार की महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार और मारपीट की गई थी, जिसकी शिकायत (एफआईआर नम्बर 28/2023) थाने में दर्ज है। वरुण जायसवाल ने हमले के पीछे निम्नलिखित व्यक्तियों को नामजद किया है:, विकास जायसवाल, राजेश कुमार साह, विष्णु कुमार साह, दुलाल कुमार साह, रितेश कुमार चौधरी, कंचन घोष (नीमजोल)। वरुण ने मांग की है कि इन आरोपियों के विरुद्ध धारा 307 हत्या का प्रयास, 120बी आपराधिक षड्यंत्र, 452 गृह अतिक्रमण और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए। अपनी और अपने परिवार की जान को अत्यंत गंभीर खतरा बताते हुए वरुण ने इस आवेदन की प्रति उपायुक्त साहिबगंज, डीआईजी दुमका, एसपी साहिबगंज और डीजीपी रांची को भी भेजी है। उन्होंने मांग की है कि घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज जब्त किए जाएं और उन्हें तथा उनके परिवार को तुरंत सुरक्षा प्रदान की जाए। वरुण जायसवाल का सवाल ₹क्या सच बोलने का अंजाम बारूद के धमाके और परिवार की असुरक्षा है? अब देखना यह है कि साहिबगंज पुलिस इन नामजद आरोपियों पर कब और क्या कार्रवाई करती है।

एक नजर

चौबीस दिन से लापता युवक का नहीं मिला सुराग, पिता ने एसपी से लगाई गुहार

पाकुड़ : जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र से एक युवक के अचानक लापता होने का मामला सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। बासमती गांव निवासी रमेश प्रसाद यादव ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर अपने 19 वर्षीय पुत्र संदीप कुमार यादव की सकुशल बरामदगी की मांग की है। परिजनों के मुताबिक, संदीप अमड़ापाड़ा कोयला रोड़ स्थित शहबाज गैरेज में कार्यरत था। वह प्रतिदिन सुबह करीब आठ बजे घर से काम के लिए निकलता और शाम तक वापस लौट आता था। लेकिन 3 अप्रैल को काम पर जाने के बाद वह घर नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बावजूद अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिवार ने बताया कि घटना की जानकारी पहले ही अमड़ापाड़ा थाना को लिखित रूप से दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बेटे के अचानक लापता होने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे परिवार में चिंता का माहौल है। पीड़ित पिता ने पुलिस अधीक्षक से जल्द हस्तक्षेप कर मामले में त्वरित कार्रवाई करने और अपने पुत्र की सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है। वहीं, इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भी आक्रोश देखा जा रहा है और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना पुलिस ने बीते शनिवार रात्रि को थाना क्षेत्र के कटहलबाड़ी गांव में छापेमारी कर एक प्राथमिकी आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपित एकरामुल मोमिन को पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मामले में थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि थाना कांड संख्या 136/26 धारा 126(2)/115(2)/117(2)/76/109(1)/303(2)/352/3(5) के प्राथमिकी अभियुक्त बरजहान अंसारी के पुत्र एकरामुल मोमिन को गिरफ्तार किया गया है। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

साहिबगंज में बिजली संकट, रोटेशन के आधार पर हो रही आपूर्ति

साहिबगंज : जिले में उमस भरी गर्मी के कारण जहां एक तरफ लोग परेशान हैं। वहीं दूसरी तरफ क्षेत्र में लगातार की जा रही बिजली कटौती ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। अभी बरहरवा और पतना प्रखंड के शहरी व ग्रामीण इलाकों में निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति नहीं की जा रही है। पथरिया ग्रिड में 10 से 12 मेगावाट बिजली की आवश्यकता है जबकि पथरिया को केवल 7 से 8 मेगावाट ही मिल रही है। वहीं सीतापहाड़, पतना और बरहेट ग्रिड को मिलाकर 22 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होती है। जिसके स्थान पर केवल 13 से 14 मेगावाट बिजली ही मिल पा रही है। बरहरवा, पतना व बरहेट के शहरी व ग्रामीण इलाकों में रोटेशन के आधार पर आपूर्ति की जा रही है।उपभोक्ताओं के लिए लो वोल्टेज भी एक बड़ी समस्या है। बताया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ता रोजाना अघोषित बिजली कटौती का सामना कर रहे हैं। चौबीस घंटे में कभी मेंटनेंस के नाम पर तो कभी अन्य कारणों से तकरीबन 10 से 12 बार बिजली काटी जाती है। बिजली विभाग के सहायक विद्युत अभियंता सत्यम मरांडी ने कहा कि गर्मी में लोड बढ़ने के कारण निर्बाध विद्युत आपूर्ति में कठिनाई हो रही है।

कुसमा गांव में दो दिवसीय संतमत सत्संग संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहेट प्रखंड क्षेत्र के कुसमा गांव में 25 एवं 26 अप्रैल को आयोजित दो दिवसीय संतमत सत्संग श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत स्तुति और प्रार्थना के साथ की गई, जिसके बाद विभिन्न संत-महात्माओं ने ईश्वर के स्वरूप और भक्ति के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर भागलपुर के कुप्पाघाट से पधारे अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता स्वामी सत्य प्रकाश बाबा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ पंचानन बाबा, महेंद्र बाबा, हरिहर बाबा, परमानंद बाबा एवं प्रणव सत्यार्थी सहित अन्य संतों ने भी क्रमवार अपने प्रवचन दिए। अपने संबोधन में स्वामी सत्य प्रकाश बाबा ने कहा कि ईश्वर सर्वव्यापक होने के साथ-साथ अत्यंत सूक्ष्म है, जिसे सामान्य मानव नेत्रों से देखा नहीं जा सकता। उन्होंने बताया कि मनुष्य को केवल माया के रूप दिखाई देते हैं, जबकि परमात्मा का साक्षात्कार आत्मिक दृष्टि से ही संभव है। इसके लिए सच्चे गुरु से युक्ति प्राप्त कर मनोयोगपूर्वक ध्यान और भजन करना आवश्यक है, तभी दिव्य दृष्टि का विकास हो सकता है। सत्संग के प्रथम सत्र के उपरांत बाहर से आए श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई। प्रवचन के बाद सभी संत-महात्माओं का माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम का समापन गुरु कीर्तन और आरती के साथ हुआ। इस दो दिवसीय सत्संग का आयोजन कुसमा गांव के सेवानिवृत्त पंचायत सेवक मोतीलाल साह एवं निर्मला देवी के नेतृत्व में ग्रामीणों के सहयोग से किया गया। आयोजन को सफल बनाने में नित्यानंद साह, सुधांशु प्रसाद साह, दिलीप साह, हरिनारायण साह, अनिल पंडित, लक्ष्मण पंडित सहित अनेक ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चुनाव लड़ने की चाह में 5.40 करोड़ का घोटाला, सीबीआई मैनेजर की संपत्ति जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत एसबीआइ बरहेट शाखा में हुए 5.40 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले में ईडी ने आरोपित पूर्व बैंक मैनेजर मनोज कुमार की संपत्ति जब्त कर ली है। यह मामला सीबीआई एसीबी धनबाद की ओर दर्ज किया गया था। हालांकि बाद के दिनों में इसे ईडी ने लिया और जांच के बाद अपनी कार्रवाई शुरू की है। पूरे जांच में यह मामला सामने आया है कि विधानसभा का चुनाव लड़ने की चाहत में शाखा प्रबंधक मनोज कुमार ने यह धोखाधड़ी की। इसके लिए कुमार ने साइबर अपराधियों की भी मदद ली और ग्राहकों का मोबाइल नंबर बदलकर राशि की निकासी की। इतना ही नहीं धोखाधड़ी के इन पैसों से मनोज कुमार ने अपनी सामाजिक छवि बनाने के लिए लोगों के बीच जमकर

साड़ी-धोती का वितरण भी किया था। करोड़ों के इस धोखाधड़ी मामले को लेकर सीबीआइ एसीबी धनबाद की टीम ने वर्ष 2022 में छापामारी भी किया था। मनोज कुमार बरहेट में 2026-18 तक कार्यरत थे। इस दौरान बबीता कुमारी नामक महिला के नाम से संचालित सीएसपी के माध्यम से राशि की निकासी की गई थी। वही छापेमारी में मनोज कुमार के साथ-साथ बबीता कुमारी के सीएसपी व आवाास के साथ ही पेटखस्सा के मनोज दास, डुमरिया के मोहरम अंसारी और भागाबांध के कुर्बान अंसारी के घर छापेमारी हुई थी। वर्ष 2024 में इस मामले को लेकर सीबीआई एसीबी धनबाद ने अपना चार्जशीट भी दाखिल किया था। इस मामले का खुलासा साइबर अपराध से संबंधित एक मामले की छानबीन के दौरान हुआ था। साइबर अपराधियों ने साहेबगंज के बरहरवा रेल कालोनी में रहने वाले हलधर राय के खाते से करीब 11 लाख रुपये निकाल लिए थे। इसकी प्राथमिकी होने के बाद जब साइबर पुलिस ने जांच शुरू किया तो पहले बैंक मनेजर की संलिप्तता सामने आयी। इसके बाद बरहेट में आदिवासी पहाड़िया के किसान प्रोत्साहन राशि,किसान क्रेडिट कार्ड एवं मृत पेंशनधारी खतधारको के खाते से पैसे की अवैध निकासी करने का मामला प्रकाश में आया, जिसमें सीएसपी संचालक भी शामिल थे।

करमपहाड़ के पहाड़िया गांव में पेयजल के लिए हाहाकार, जलमीनार अधूरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जल-जंगल-जमीन की रक्षा का नारा देने वाली हेमंत सरकार चाहे विकास का कितना भी ढिंढोरा पीट ले परन्तु आज भी सरकारी तंत्र की लापरवाही एवं बिचौलियों की मनमानी सर चढ़कर बोल रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण है आदिम जनजाति का एक पहाड़िया गांव करमपहाड़। जिला मुख्यालय से सटे करीब 50 परिवारों से घिरा इस पहाड़िया गांव में आज भी पीने का पानी मयस्सर नहीं है। पिछले दिनों तत्कालीन उपायुक्त हेमंत सती स्वयं इस गांव का दौरा कर जल प्रबंधन का वचन दिए थे और उनके ही आदेश पर जल मीनार बनाने का काम शुरू

भी किया गया परंतु पिछले दो-तीन वर्षों में एक छोटा सा जल मीनार बनकर पूरा नहीं हो सका। गांव के प्रधान प्रेम कुमार माल्टो ने बताया कि इस जल मीनार का बन जाने पर हम पहाड़िया ग्रामीणों को पीने का पानी मिल सकता था और इसके लिए हम लोग ठेकेदार से लेकर संबंधित विभाग के इंजीनियर को बोलते-बोलते थक गए हैं परंतु अभी भी यह अधूरा पड़ा हुआ है। गांव के ही कामेश्वर पहाड़िया ने आरोप लगाया कि ठेकेदार योजना का सब पैसा लेकर फरार हो गया है। हमारे गांव की कई महिला इस योजना में मजदूरी की है जिसका पारिश्रमिक भुगतान भी नहीं किया गया है उन्होंने उपायुक्त से इसकी जांच कर संबंधित को दंडित करने की मांग की। बहरहाल विभागीय उदासीनता की वजह से यह जल मीनार आधा अधूरा पड़ा हुआ है जिससे पहाड़िया ग्रामीणों में काफी आक्रोश है।

चौबीस दिन से लापता युवक का नहीं मिला सुराग, पिता ने एसपी से लगाई गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़: जिले के अमड़ापाड़ा थाना क्षेत्र से एक युवक के अचानक लापता होने का मामला सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। बासमती गांव निवासी रमेश प्रसाद यादव ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर अपने 19 वर्षीय पुत्र संदीप कुमार यादव की सकुशल बरामदगी की मांग की है। परिजनों के मुताबिक, संदीप अमड़ापाड़ा कोयला रोड़ स्थित शहबाज गैरेज में कार्यरत था। वह प्रतिदिन सुबह करीब आठ बजे घर से काम के लिए निकलता और शाम तक वापस लौट आता था। लेकिन 3 अप्रैल को काम पर जाने के बाद वह घर नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बावजूद अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिवार ने बताया कि घटना की जानकारी पहले ही अमड़ापाड़ा थाना को लिखित रूप से दी जा

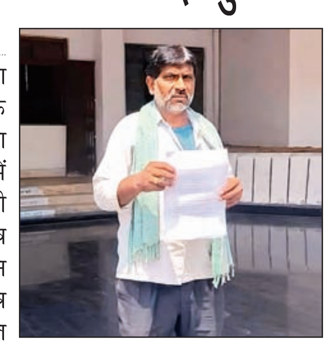

चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बेटे के अचानक लापता होने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे परिवार में चिंता का माहौल है। पीड़ित पिता ने पुलिस अधीक्षक से जल्द हस्तक्षेप कर मामले में त्वरित कार्रवाई करने और अपने पुत्र की सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित करने की गुहार लगाई है। वहीं, इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भी आक्रोश देखा जा रहा है और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।

साहिबगंज में अवैध नशे का खुलेआम चलता-फिरता दुकान नशे के लत से नवयुवक हो रहे हैं बर्बाद व कर रहे अपराध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में नशे का कारोबार अब सिर्फ एक समस्या नहीं, बल्कि संगठित अपराध का रूप ले चुका है। हर दिन करीब मोटे गांजे की खपत और लगभग लाखों रुपये का अवैध कारोबार ये आंकड़े खुद बता रहे हैं,कि हालात कितने गंभीर हैं। अब जिला प्रशासन और पुलिस इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने की तैयारी में जुट गई है। जिले में गांजे का अवैध कारोबार तेजी से अपने पैर पसार चुका है। शहर हो या गांव हर गली, हर चौक पर चलता-फिरता दुकान बन चुका यह नेटवर्क अब खुलेआम युवाओं को अपनी

गिरफ्त में ले रहा है। सबसे चिंता की बात ये है कि नशे की चपेट में अब सिर्फ युवा ही नहीं, बल्कि कि किशोर अवस्था से लेकर 70 साल तक के बुजुर्ग भी आ रहे हैं।साहिबगंज में गांजे की सप्लाई एक संगठित नेटवर्क के जरिए तीन रास्तों से हो रही है। ट्रेन से पश्चिम बंगाल के रास्ते, गंगा नदी के जरिए नावों से, और बसों के माध्यम से। इन तीनों रूट से लगातार सप्लाई होने के कारण यह कारोबार बिना किसी रुकावट के फल-फूल रहा है। हैरानी की बात यह है कि पान गुमटी, चाय दुकान, कुरकुरे-लेज स्टॉल से लेकर अंडा दुकानों तक में खुलेआम गांजा बेचा जा रहा है। कई जगहों पर सिगरेट में भरकर इसकी बिक्री होती है, जिससे पहचान करना और भी मुश्किल हो जाता है। रेलवे स्टेशन, गंगा घाट और मोहल्लों की गलियों तक इसका जाल फैला हुआ है। वही सूत्रों कि माने तो इसको बेचने वाला अंजुमन नगर, गुल्ली भट्ठा, रसुलपुर दहला, बिजली घाट के लोग शामिल है, वही दिन कि शुरूआत होते ही इन इलाकों से ऑर्डर पर होम डिलीवरी कि जाती है। ऑर्डर डिलीवरी के लिए खास कोड इस्तेमाल किए जाते है, जो पुराने कस्टमर है, बिना कोड के नए कस्टमर को सफेद पुरिया का जहर सप्लाई नहीं किया जाता है, क्योंकि पुलिस से पकड़े जाने का डर रहता है। इधर, जिला तंबाकू नियंत्रण समिति की बैठक में प्रशासन ने इस पूरे नेटवर्क पर सख्ती से कार्रवाई का फैसला लिया है। हेड क्वार्टर डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा ने साफ कहा है कि नशा निवारण समिति के निदेशों के तहत अब बड़े स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। ब्राउन शुगर और गांजा जैसे नशे के कारोबार में शामिल सफेदपोशों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

के.के.एम कॉलेज का शौचालय बदहाल, छात्र-छात्राएं परेशान स्वच्छता व्यवस्था पर उठे सवाल

पाकुड़ : जिले के प्रतिष्ठित सरकारी के.के.एम कॉलेज में स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कॉलेज परिसर स्थित शौचालय की हालत ऐसी है कि वहां फैली गंदगी खुद व्यवस्थाओं की पोल खोल रही है। सवाल उठने लगे हैं कि जिस स्थान को शिक्षा का मंदिर कहा जाता है, वहां इस तरह की बदहाल स्थिति में विद्यार्थियों को स्वच्छता और अनुशासन की सीख कैसे मिल पाएगी। बताया जा रहा है कि शौचालय की नियमित सफाई लंबे समय से नहीं हुई है। गंदगी, दुर्गंध और अव्यवस्था के कारण छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कॉलेज में हजारों छात्र-छात्राएं पढ़ाई करते हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाओं की कमी उनके लिए बड़ी समस्या बन चुकी है। यह शौचालय एमएसडीपी भवन में स्थित है, जहां इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का अध्ययन केंद्र भी संचालित होता है। ऐसे में यहां आने वाले बाहरी विद्यार्थियों को भी असुविधा झेलनी पड़ रही है। स्थिति यह है कि शौचालय में न तो पानी की समुचित व्यवस्था है और न ही आवश्यक सामग्री जैसे मग आदि उपलब्ध हैं। इस मामले में यह भी सवाल उठ रहा है कि सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में खर्च किए जा रहे बजट का सही उपयोग हो रहा है या नहीं। यदि फंड उपलब्ध है, तो उसका उपयोग क्यों नहीं दिख रहा, और यदि नहीं है, तो ऐसी बुनियादी सुविधा के लिए प्रावधान क्यों नहीं किया गया। इसके अलावा, शौचालय की दीवारों पर अभद्र लेखन भी देखने को मिला, जो न केवल असामाजिक व्यवहार को दशार्ता है बल्कि शैक्षणिक माहौल को भी प्रभावित करता है। स्थानीय लोगों और छात्रों का मानना है कि इस समस्या का समाधान बिना आरोप-प्रत्यारोप के जल्द किया जाना चाहिए, अन्यथा इसका नकारात्मक असर शैक्षणिक वातावरण पर पड़ना तय है। इस संबंध में कॉलेज प्राचार्य का पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

श्रीमद् भागवत कथा के भव्य आयोजन में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्तिमय हुआ माहौल

लिट्टीपाड़ा : जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड के बड़ा सरसा गांव में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ के साथ ही पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था का माहौल बन गया है। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन आयोजन समिति के अध्यक्ष रंजन शाह व तुलसी साह द्वारा पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस पावन अवसर पर काशी (बनारस) से पधारे प्रसिद्ध कथा वाचक विकास गौतम महाराज ने अपने मुखारविंद से कथा का शुभारंभ किया। पहले ही दिन से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया है। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, धर्म, भक्ति और जीवन मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला जा रहा है। आयोजकों के अनुसार यह धार्मिक आयोजन लगातार सात दिनों तक चलेगा, जिसमें दूर-दराज क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे आयोजन न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करते हैं, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और एकता को भी मजबूत बनाते हैं। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं व्यवस्था को लेकर भी विशेष प्रबंध किए गए हैं।

त्रिपक्षीय वार्ता में सहमति, कोयला परिवहन शुरू ट्रांसपोर्टरों का आंदोलन समाप्त

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा में पिछले एक सप्ताह से जारी कोयला ट्रांसपोर्टरों के आंदोलन का रविवार को अंत हो गया। अमड़ापाड़ा के स्थानीय आर.एस. प्लेस होटल में आयोजित त्रिपक्षीय बैठक में प्रशासन, कंपनी प्रबंधन और ट्रांसपोर्टरों के बीच सहमति बनने के बाद कोयला परिवहन कार्य पुनः शुरू कर दिया गया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी, एसडीपीओ विजय कुमार, अमड़ापाड़ा थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा, डीबीएल एवं बीजीआर कंपनी के प्रतिनिधि और ट्रांसपोर्टर मौजूद रहे। लंबी चर्चा के बाद ट्रांसपोर्टरों की प्रमुख मांगों पर सहमति बनी। बताया गया कि कंपनी प्रबंधन ने तत्काल प्रभाव से भाड़े में ?10 प्रति टन की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा कोयला परिवहन में उपयोग होने वाली लिंक सड़कों की जल्द मरम्मत कराने का आश्वासन दिया गया। लंबित जीएसटी भुगतान को निर्धारित समयसीमा के भीतर करने तथा सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों में क्षतिपूर्ति देने पर भी सहमति बनी। बैठक में यह भी तय हुआ कि कोयला ढुलाई करने वाले डंपरों की ट्रिप व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। सभी पक्षों के बीच बनी सहमति के बाद गतिरोध समाप्त करते हुए रविवार से ही कोयला परिवहन कार्य दोबारा शुरू कर दिया गया। स्थानीय स्तर पर इस निर्णय के बाद राहत की स्थिति देखी जा रही है, वहीं उम्मीद जताई जा रही है कि आगे भी सभी पक्ष आपसी तालमेल से कार्य करेंगे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में विश्व मलेरिया दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया गया

साहिबगंज : जिले के बोरियो प्रखंड में विश्व मलेरिया दिवस के शुभ अवसर पर पी. एम. श्री कस्तूरबा गाँधी बालिका आवसीय विद्यालय बोरियो में मलेरिया जागरूकता कार्यक्रम और छात्राओं के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा वैक्टर जनित रोग से सम्बंधित सभी बीमारियों जैसे -मलेरिया, कालाजार, फाईलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और जे.ई. के बारे में बताया गया। मुख्य रूप से मलेरिया, कलाजार, डेंगू, फाईलेरिया जैसे बीमारी के फैलने के कारण, लक्षण, उपचार, रोकथाम और मिलने वाले प्रोत्साहन राशि आदि के बारे में सभी छात्राओ को विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। सभी छात्राओं के बीच क्विज प्रतियोगिता का आयोजन कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्राओं का चयन कर पुरस्कृत किया गया। साथ ही सभी छात्राओं को अपने घर के आस-पास साफ सफाई रखने, सोते समय प्रतिदिन मच्छरदानी लगाने, घर के आस-पास गड्ढों में जल जमाव नहीं होने देना, घर के सभी कमरों में कीटनाशी का छिड़काव करवाने, बुखार होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र मे जाकर खून की जाँच कराने, किसी झोलाछाप डॉक्टर या झाड़-फुक ओझा गुनी जड़ी-बूटी के चक्कर में ना पड़ने आदि की सलाह दिया गया। इस मौके पर वार्डन अनीता कुमारी, एमपीडब्ल्यू बिमल ओझा, विक्रम शर्मा, बबली कुमारी, तेरेसा सोरेन, अन्ना मेरी सोरेन, तस्लीम कौसर आदि विद्यालय के शिक्षिकागण एवं सभी छात्राएं उपस्थित थे।

निर्यात प्रोत्साहन व पश्चिम एशिया संकट पर गोयल की अहम बैठक 27 को

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 27 अप्रैल को दिल्ली के भारत मंडपम में निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) और उद्योग संघों के प्रतिनिधियों संग एक अहम बैठक करेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य देश के निर्यात को बढ़ावा देने के तरीकों पर विचार करना है, खासकर पश्चिमी एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और शिपिंग चुनौतियों के मद्देनजर, जिसने भारतीय निर्यातकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह बैठक भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर हस्ताक्षर के तुरंत बाद हो रही है, जिसके लिए न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले पहले से ही भारत में हैं। सोमवार की चर्चा में चमड़ा, दवा, वाहन, खेल के सामान और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष ने भारतीय निर्यातकों के लिए कठिनाइयां बढ़ा दी हैं, क्योंकि शिपिंग कंपनियां प्रमुख गंतव्य वाले इस क्षेत्र में माल भेजने से कतरा रही हैं, जिससे भारतीय व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

अदाणी ग्रीन का बैटरी स्टोरेज में 15,000 करोड़ का मेगा निवेश

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) चालू वित्त वर्ष में अपनी बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता को 10 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) से अधिक बढ़ाने के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये का भारी निवेश करने जा रही है। यह भारत में भरोसेमंद और वितरित स्वच्छ बिजली की ओर एक बड़ा बदलाव है। यह निवेश एजीईएल की मौजूदा लगभग 3 जीडब्ल्यूएच स्थापित क्षमता के अतिरिक्त होगा, जिसे कंपनी जल्द ही हासिल करेगी। इससे पहले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 1.4 जीडब्ल्यूएच अक्षमता चालू की गई थी। ये बैटरियां गुजरात के खावड़ा में दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क के साथ विकसित की जा रही हैं। इनका प्राथमिक लक्ष्य शाम की चरम मांग के दौरान बिजली की विश्वसनीय आपूर्ति प्रदान करना है, जब सौर ऊर्जा उत्पादन कम होता है। कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 तक 10 जीडब्ल्यूएच से अधिक क्षमता चालू करने की उम्मीद कर रही है।

भारत की अर्थव्यवस्था पर विशेषज्ञों ने दी मंदी की चेतावनी

मुंबई ।

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर कई गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, बढ़ती महंगाई और बाजार में कमजोर होती मांग का असर देश की विकास दर पर पड़ना शुरू हो गया है। खासतौर पर निर्यात क्षेत्र में गिरावट और विदेशी निवेश में कमी को लेकर जो चिंता आर्थिक विशेषज्ञ जाता रहे हैं। उसका बड़ा असर शेयर बाजार और बैंकिंग सेक्टर में भी पडना तय माना जा रहा है। शेयर बाजार की गिरावट का असर बैंकिंग सेक्टर पर होने से भारत की आर्थिक मुश्किलें बहुत तेजी के साथ बढ़ने वाली हैं। जो बाजार के लिए एक बड़ा खतरा बताया गया है। समय रहते भारत सरकार के वित्त मंत्रालय और रिजर्व बैंक ने नीतिगत बदलाव के कदम नहीं उठाए गए, तो रोजगार और महंगाई को लेकर बड़ा असर पड़ना तय है। मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बेहद कमजोर हो सकती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुस्ती और कृषि क्षेत्र की चुनौतियां जो निरंतर बढ़ रही हैं वह आर्थिक स्थिति को बुरी तरह से प्रभावित करने लगी हैं। सरकार वर्तमान स्थिति को छुपाने का प्रयास कर रही है। जिसके कारण आर्थिक स्थिति में भविष्य में विस्फोटक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। आर्थिक विशेषज्ञों ने सरकार को सलाह दी है। वह निवेश को बढ़ावा देने, महंगाई पर नियंत्रण रखने और वित्तीय प्रणाली को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए। कुल मिलाकर, सरकार भारत की अर्थव्यवस्था को स्थिर दिखा रही है। पिछले महीना में जिस तरह से केंद्रीय राजस्व में कमी देखने को मिल रही है। भारत को आयात में विदेशी मुद्रा ज्यादा खर्च करना पड़ रही है डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार गिरावट बढ़ रही है। इससे भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर आर्थिक विशेषज्ञ चिंता जाता रहे हैं यदि यही स्थिति कुछ महीने और बनी रही तो राज्यों और केंद्र सरकार को खर्चों में कटौती करनी पड़ेगी पेंशन और वेतन का भुगतान करने के लिए भी कर्ज लेना पड़ेगा शेयर बाजार की गिरावट का असर बैंकिंग सेक्टर में जिस तरह से पड रहा है। उसने आर्थिक विशेषज्ञों की चिंता को और बढ़ा दिया है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण दो लाख करोड़ घटा

टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक नुकसान में रही

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला सप्ताह निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट की सबसे बड़ी मार देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात पर पड़ी, जिनका संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक कम हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा, जबकि कुछ चुनिंदा कंपनियों ने इस दौरान बेहतर प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में आए तेज गिरावट के रुख के कारण निवेशकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। आंकड़ों के अनुसार बाजार पूंजीकरण में सर्वाधिक कमी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में देखी गई, जिसका मूल्य 66,699.44 करोड़ रुपए घटकर 8,67,364.12 करोड़ रह गया। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 50,670.34 करोड़ रुपए कम होकर 17,96,647.50 करोड़ पर आ गया। एचडीएफसी बैंक को 23,090.05 करोड़ और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को 19,670.75 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। बाजार के``` विशेषज्ञों ने इस गिरावट का कारण भू-राजनीतिक तनाव और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों को बताया। उन्होंने कहा कि लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद बाजार में सुधार की अपेक्षा थी, लेकिन इन कारकों ने निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव डाला। हालांकि, इस नकारात्मक रुझान के बीच हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक ने शानदार प्रदर्शन किया। एचयूएल का बाजार पूंजीकरण 20,652.91 करोड़ बढ़कर 5,47,219.80 करोड़ हो गया, जबकि एसबीआई का मूल्यांकन 19,522.76 करोड़ बढ़कर 10,16,752.53 करोड़ पर पहुंच गया।

इस सप्ताह की गिरावट के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी शीर्ष 10 में शामिल हैं।

2030 तक फ्लिक्सबस का सबसे बड़ा बाजार बनेगा भारत कंपनी को उम्मीद

भारतीय बाजार में उतरी कंपनी गर्मियों में नेटवर्क का करेगी 30 फीसदी विस्तार

नई दिल्ली । वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी फ्लिक्सबस को उम्मीद है कि 2030 तक यात्री संख्या के मामले में भारत उसका सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। कंपनी के एक मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी ने भारतीय बाजार की विशाल क्षमता और लगातार बढ़ती मांग पर जोर दिया है। फ्लिक्सबस ने फरवरी में भारतीय बाजार में अंतरराज्यीय बस सेवाओं के साथ प्रवेश किया। अे धिकारी ने भारत को वैश्विक स्तर पर फ्लिक्सबस के लिए सबसे रणनीतिक वृद्धि बाजारों में से एक बताया। कंपनी दिल्ली-देहरादून गलियारे पर परिचालन बढ़ाने के साथ-साथ गर्मियों में अपने नेटवर्क में 30 प्रतिशत विस्तार का लक्ष्य लेकर चल रही है। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बस बाजार है और यहां वातानुकूलित इंटरसिटी खंड यूरोपीय और अमेरिकी बाजार के संयुक्त आकार से भी बड़ा है। वैश्विक स्तर पर करोड़ों यात्रियों को सेवा दे चुकी फ्लिक्सबस भारत में भी मजबूत और निरंतर मांग देख रही है, जो उसकी भविष्य की योजनाओं के लिए आशाजनक है।

कोल इंडिया की कोयला आयात में 24.3 करोड़ टन कटौती की योजना

- ऊर्जा सुरक्षा और विदेशी मुद्रा बचत मुख्य लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने देश के कोयला आयात में भारी कटौती करने के लिए एक महत्वाकांक्षी 10-वर्षीय व्यापक योजना (2026-2036) का मसौदा तैयार किया है। इस योजना का लक्ष्य घरेलू उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता सुधारने और लॉजिस्टिक्स लागतों को समानता प्रदान कर 24.3 करोड़ टन कोयला आयात में कटौती करना है, जिससे भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। सूत्रों के अनुसार, सीआईएल की यह व्यापक योजना आयात के विस्तृत फोरेंसिक ऑडिट को शामिल करेगी। इसे क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों और स्थानीय आपूर्ति को बढ़ावा देने वाली चरणबद्ध बदलाव रणनीतियों का समर्थन मिलेगा। योजना में कोयले की धुलाई और परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए एक नेशनल वॉशरी एंड लॉजिस्टिक्स ग्रिड की स्थापना भी प्रस्तावित है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला की प्रमुख बाधाएं दूर होंगी। घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देने वाली सीआईएल इस मसौदे को अंतिम रूप देने और गैर-शुल्क बाधाओं से संबंधित उपायों का सुझाव देने के लिए एक सलाहकार की नियुक्ति करने की भी योजना बना रही है। इसका अंतिम उद्देश्य घरेलू उत्पादन, गुणवत्ता संवर्धन और लॉजिस्टिक मूल्य समानता के माध्यम से सभी प्रतिस्थापन योग्य कोयला आयात को पूरी तरह रोकना है। यह घटनाक्रम देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, विदेशी मुद्रा की निकासी को कम करने और राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन के तहत हरित संक्रमण लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता और फेड की बैठक से तय होगी भारतीय बाजार की दिशा

विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर भी बाजार की नजर रहेगी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में देखी गई गिरावट के बाद आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए वैश्विक घटनाक्रमों और घरेलू कॉरपोरेट नतीजों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव, रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी बैठक दुनियाभर के बाजारों के साथ-साथ भारतीय शेयर बाजार की दिशा भी तय करेगी। बाजार में एक बार फिर वैश्विक कारकों का प्रभाव देखने को मिलेगा, जिससे निवेशकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट दर्ज होने के बाद अब निवेशकों की नजरें पूरी तरह से वैश्विक घटनाक्रमों पर केंद्रित हो गई हैं। भू-राजनीतिक तनाव और प्रमुख केंद्रीय बैंकों की नीतियों से जुड़े संकेत बाजार की आगामी चाल को निर्धारित करेंगे। निवेशकों के लिए सबसे बड़ी चिंताओं में से एक अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में कोई ठोस प्रगति न होना है। इसके साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी गतिरोध पर भी बाजार पैनी नजर रख रहा है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक कच्चे तेल व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका बंद रहना या वहां तनाव बढ़ना वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी अस्थिरता ला सकता है, जिसका सीधा असर भारत जैसे तेल आयातक देशों की अर्थव्यवस्था और कंपनियों पर पड़ेगा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा सकती हैं और कॉर्पोरेट मार्जिन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। 28 और 29 अप्रैल को होने वाली अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक का बाजार बेसब्री से इंतजार कर रहा है। हालांकि, पिछली लगातार दो बैठकों की तरह इस बार भी ब्याज दरों को 0-0.25 फीसदी की रेंज में स्थिर रखने की उम्मीद है, लेकिन फेड के चेयरमैन की टिप्पणियां और भविष्य की मौद्रिक नीति पर उनके संकेत निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इससे यह अंदाजा लगेगा कि ब्याज दरें कब तक स्थिर रहेंगी या उनमें बदलाव की उम्मीद कब तक की जा सकती है, जिसका वैश्विक पूंजी प्रवाह पर सीधा असर पड़ेगा। घरेलू मोर्चे पर, चौथी तिमाही के परिणाम सीजन के जोर पकड़ने के साथ, निवेशकों की नजर कंपनियों के प्रदर्शन पर रहेगी। अच्छे नतीजे बाजार को समर्थन दे सकते हैं, जबकि निराशाजनक आंकड़े दबाव बढ़ा सकते हैं।

इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों पर भी नजर रहेगी। पिछले सत्रों में मुनाफावसूली करने वाले विदेशी निवेशकों का रुख (बिकवाली या खरीदारी) अगले सप्ताह बाजार की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करेगा। उनकी लगातार बिकवाली बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकती है। तकनीकी रूप से निफ्टी के लिए 24,100-24,400 के दायरे में समेकन देखने को मिल सकता है। 24,000 के स्तर पर तत्काल समर्थन मौजूद है, जो बाजार को बड़ी गिरावट से बचा सकता है। वहीं 24,400 से ऊपर टिकने पर निफ्टी 24,800-25,000 के स्तर तक की तेजी दिखा सकता है, लेकिन इसके लिए सकारात्मक वैश्विक संकेतों और मजबूत घरेलू नतीजों की आवश्यकता होगी। कुल मिलाकर आने वाला सप्ताह सतर्कता भरा रहने की उम्मीद है, जहां वैश्विक कारक और कंपनियों के नतीजे बाजार की दिशा तय करेंगे।

रिलायंस ने भू-राजनीतिक अस्थिरता में भी परिचालन जारी रखा

चौथी तिमाही में कंपनी ने बदले आपूर्तिकर्ता और अनुबंध, खाड़ी संकट से निपटा

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी निजी रिफाइनरी, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान वैश्विक भू-राजनीतिक व्यवधानों और ऊर्जा बाजार की अस्थिरता के बीच कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम उठाए। कंपनी ने अस्थिर बाजार और ईरान युद्ध जैसे तनावों के बावजूद अपने परिचालन को सुचारू बनाए रखा। रिलायंस ने बताया कि अस्थिर ऊर्जा बाजार, भू-राजनीतिक व्यवधानों और लागत में भारी उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए उसने कच्चे तेल की सक्रिय सोर्सिंग और परिचालन बदलावों का सहारा लिया। ईरान युद्ध के कारण खाड़ी देशों से तेल और गैस प्रवाह बाधित होने पर, कंपनी ने आपूर्ति की भरपाई के लिए फारस की खाड़ी के अलावा दूसरे आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क किया। रिफाइनरी परिचालन में कटौती से बचने के लिए, रिलायंस ने फारस की खाड़ी के लोडिंग अनुबंधों को बदला और कई भौगोलिक क्षेत्रों से कच्चे तेल की सोर्सिंग की। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर फंसे हुए कच्चे तेल के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी काम किया। वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक कच्चा तेल बाजार काफी हद तक अधिशेष में रहा, लेकिन

रूसी तेल पर प्रतिबंधों और पश्चिम एशिया के संघर्ष ने आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और ऊर्जा बाजारों में अव्यवस्था पैदा की।

इन चुनौतियों के बावजूद, रिलायंस ने कच्चे माल की उपलब्धता सुरक्षित करके और परिचालन बनाए रखकर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ किया। रिफाइनिंग क्षमता की कमी और अप्रत्याशित मांग वृद्धि से ईंधन के मुनाफे में उछाल आया, हालांकि रसायनों पर अत्यधिक आपूर्ति का दबाव बना रहा।

1 मई से बदल सकते हैं नियम, 25 दिन बाद ही मिलेगा दूसरा एलपीजी

हॉरमुज स्ट्रेट तनाव के बीच देश की तेल कंपनियां एलपीजी उपलब्धता को लेकर अलर्ट

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और हॉरमुज स्ट्रेट में एलपीजी सप्लाई बाधित होने की आशंका के मद्देनजर भारत रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कमर कस रहा है। इसी तैयारी के तहत इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस जैसी प्रमुख तेल कंपनियां 1 मई 2026 से सिलेंडर बुकिंग नियमों में अहम बदलाव करने जा रही हैं। नए नियमों के तहत उपभोक्ता एक सिलेंडर बुक करने के बाद दूसरे की बुकिंग के लिए कम से कम 25 दिनों का इंतजार करेंगे। यह उन परिवारों को प्रभावित करेगा जो महीने में एक से अधिक सिलेंडर लेते हैं। साथ ही अब ओटीपी आधारित डिलीवरी सिस्टम भी लागू होगा। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर भेजा गया ओटीपी बताए बिना सिलेंडर नहीं मिलेगा, जिससे फर्जी डिलीवरी रुकेगी। भारत को प्रतिदिन 80,000 टन एलपीजी की जरूरत होती है, जबकि घरेलू उत्पादन 46,000 टन है। शेष आवश्यकता आयात से पूरी होती है। पहले 90 फीसदी एलपीजी खाड़ी देशों से आती थी, लेकिन अब सरकार ने अमेरिका, नॉर्वे, कनाडा, अल्जीरिया और रूस जैसे देशों से भी खरीद शुरू कर आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाई है। युद्ध संकट को देखते हुए भारत ने स्पॉट मार्केट से लाखों टन एलपीजी खरीदी है, ताकि आपूर्ति में कमी न हो।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का मुनाफा बढ़कर 300 करोड़ के पार

बैंक की ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई

मुंबई ।

प्राइवेट सेक्टर के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं, जिसमें बैंक ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस तिमाही में बैंक का मुनाफा 4.9 फीसदी बढ़कर 319 करोड़ हो गया। बैंक ने यह भी बताया कि कुछ विशिष्ट (एकमुश्त) घटनाओं को छोड़कर, उसकी वास्तविक या सामान्यीकृत शुद्ध आय 746 करोड़ के करीब रही, जो बैंक की मजबूत अंतर्निहित वित्तीय स्थिति को दर्शाती है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के लिए चौथी तिमाही का मुख्य आकर्षण उसकी मजबूत परिचालन आय और बेहतर संपत्ति गुणवत्ता रही। बैंक की शुद्ध ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 4,907 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,677 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। यह दर्शाता है कि बैंक ने कर्ज देने और उससे ब्याज कमाने में शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि, नेट इंटरेस्ट मार्जिन मामूली गिरावट के साथ 5.95 फीसदी से 5.93 फीसदी रहा, जिसे लगभग स्थिर माना जा सकता है। बैंक की संपत्ति गुणवत्ता में भी सराहनीय सुधार हुआ है। सकल गैर-निष्पादित आस्तियां 1.69 फीसदी से घटकर 1.61 फीसदी रह गईं, जबकि शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां 0.53 फीसदी से कम होकर 0.48 फीसदी पर आ गईं। फंसे कर्ज में कमी और भविष्य के घाटे के लिए किए जाने वाले प्रावधान में भारी कटौती ने भी बैंक के मुनाफे को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। इसके

अतिरिक्त, बैंक को 130 करोड़ का टैक्स रिफंड भी मिला, जिसने बैंक की बैलेंस शीट को और मजबूती प्रदान की। यह तिमाही बैंक के लिए व्यापक तौर पर सकारात्मक संकेत लेकर आई है।

बैंक ऑफ इंग्लैंड की चेतावनी वेश्विक शेयर बाजार में भारी गिरावट की चेतावनी

लंदन ।

बैंकिंग और वित्तीय विश्लेषण से जुड़े आर्थिक विशेषज्ञों की रिपोर्ट मे यह चेतावनी दी गई है। शेयर बाजार में तेज गिरावट (मार्केट क्रैश) की आशंका बढ़ती जा रही है। विशेष रूप से बैंकिंग सेक्टर, जिसमें बैंक ऑफ इंग्लैंड और दुनिया भर के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी शामिल हैं, बढ़ती वैश्विक और घरेलू आर्थिक अनिश्चितताओं से शेयर मार्केट और बैंकिंग सेक्टर बड़े रूप में प्रभावित हो सकते हैं।

विश्लेषण में बताया गया है, बढ़ती महंगाई, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और पश्चिम एशिया में तनाव जैसी परिस्थितियां निवेशकों के भरोसे को कमजोर कर रही हैं। बैंक ऑफ़ इंग्लैंड की अध्यक्ष ने शेयर बाजार क्रैश होने की आशंका व्यक्त की है। निवेशक लगातार शेयर मार्केट से पैसा निकाल रहे हैं। जिससे बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा, बाजार में पहले से ऊंचे वैल्यूएशन को भी जोखिम भरा माना जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संकेत मिलना शुरू हो गए हैं।

मौजूदा स्तर टिकाऊ नहीं हैं, आने वाले समय में बाजार में करेक्शन संभव है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक संकट गहराता है या ब्याज

दरें ऊंची बनी रहती हैं। ऐसी स्थिति में बैंकिंग और मिडकैप शेयरों में भारी गिरावट देखी जा सकती है।

आर्थिक विशेषज्ञों ने निवेशकों को सतर्क रहने, दीर्घकालिक रणनीति अपनाने और जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देने की सलाह दी है। बैंक ऑफ़ इंग्लैंड अध्यक्ष की चेतावनी के बाद एक विशेष किस्म की घबराहट सारी दुनिया में देखी जा रही है।

सीओएआई ने सरकार से स्पेक्ट्रम कीमतें घटाने की अपील की

ऑपरेटरों ने 5जी में भारी पूंजी लगाई लेकिन अभी तक कोई आय नहीं

नई दिल्ली ।

अगली स्पेक्ट्रम नीलामी से पहले दूरसंचार उद्योग निकाय सीओएआई ने केंद्र सरकार से स्पेक्ट्रम की बोली कीमतों में कटौती करने का अनुरोध किया है। उद्योग का तर्क है कि 5जी नेटवर्क में किए गए भारी निवेश पर अभी तक कोई प्रतिफल (आरओआई) नहीं मिला है, जिससे वर्तमान मूल्य स्तर पर आगे निवेश करना कठिन है। सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) के एक प्रमुख अे धिकारी ने हाल ही में आयोजित सीओएआई डिजीकॉम शिखर सम्मेलन के मौके पर यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि उद्योग को उम्मीद है कि सरकार 5जी में परिचालकों द्वारा किए गए विशाल निवेश पर गंभीरता से विचार करेगी, जिस पर अभी तक कोई वापसी नहीं हुई है। उन्होंने जोर दिया, मुझे उम्मीद है कि स्पेक्ट्रम की कीमतें कम होंगी क्योंकि 5जी में बिना किसी आरओआई के बहुत अधिक पूंजी लगाई गई है। जब तक हमें प्रतिफल मिलना शुरू नहीं होता, तब तक बहुत महंगे स्पेक्ट्रम में निवेश को व्यवसाय की दृष्टि से लागत प्रभावी मानना कठिन होगा। उन्होंने यह भी बताया कि स्पेक्ट्रम केवल नीलामी से खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे उपयोग के योग्य बनाने के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता होती है। इस पृष्ठभूमि में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने फरवरी में 600 मेगाहर्ट्ज से 26 गीगाहर्ट्ज तक विभिन्न बैंडों में उपलब्ध पूरे 11,790 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को नीलामी के लिए रखने की सिफारिश की थी। सरकार 600 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम की नीलामी पर विशेष रूप से विचार कर रही है, जो इमारतों के भीतर मोबाइल नेटवर्क कवरेज को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भारत की चीन व्यापार रणनीति-निर्यात बढ़ाओ आयात घटाओ; घरेलू क्षमता पर जोर

बीजिंग से पूरी तरह संबंध विच्छेद कठिन, क्योंकि चीनी कच्चे माल देश के औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं

नई दिल्ली ।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार भारत चीन के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को एक बहुआयामी रणनीति के तहत नया आयाम दे रहा है।

इसका लक्ष्य घरेलू क्षमताओं को मजबूत कर चीन को निर्यात बढ़ाना और साथ ही आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाकर बीजिंग पर आयात निर्भरता कम करना है।

यह रणनीति चीन से पूरी तरह से संबंध विच्छेद किए बिना लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने और निर्यात क्षमता बढ़ाने पर केंद्रित है।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि बीजिंग से पूरी तरह संबंध विच्छेद करना कठिन है, क्योंकि चीनी कच्चे माल देश के औद्योगिक विकास की रीढ़ हैं। भारत मुख्य रूप से ऑटो घटक, इलेक्ट्रॉनिक हिस्से, मोबाइल फोन के पुर्जे, मशीनरी और सक्रिय दवा सामग्री जैसे कच्चे माल, मध्यवर्ती और पूंजीगत वस्तुओं का आयात करता है, जो घरेलू विनिर्माण और निर्यात के लिए महत्वपूर्ण हैं। वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, भारत का चीन को निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 14.25 अरब डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 19.47 अरब डॉलर हो गया है, जो लगभग 37 प्रतिशत की संतोषजनक वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, इसी अवधि में बीजिंग से आयात 113.44 अरब डॉलर से बढ़कर 131.63 अरब डॉलर हो गया, जिसके परिणामस्वरूप व्यापार घाटा 99.2 अरब डॉलर से बढ़कर 112.6 अरब डॉलर हो गया है।

निर्यात में मुद्रित सर्किट बोर्ड, बिजली के उपकरण और झींगा जैसी वस्तुओं का योगदान रहा है, लेकिन अधिकारी ने इसे और व्यापक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। चीन से आने वाले आयात में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, फार्मास्युटिकल सामग्री, वाहन घटक और औद्योगिक मशीनरी प्रमुख हैं। अधिकारी ने बताया कि ये सभी वस्तुएं भारत की औद्योगिक प्रक्रियाओं का हिस्सा हैं और जैसे-जैसे देश का औद्योगीकरण बढ़ रहा है, ऐसे आयातों में स्वाभाविक वृद्धि देखी जा रही है।

की रणनीति घरेलू क्षमताओं को सुदृढ़ कर इन आयातों पर निर्भरता कम करने और अपने आपूर्तिकर्ता आधार को विविधतापूर्ण बनाने पर केंद्रित है, ताकि व्यापार संतुलन को बेहतर बनाया जा सके।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में अप्रैल में ही बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे लोग

पटना (एजेंसी) अप्रैल महीने में ही बिहार में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं. मामला औरंगाबाद जिले का है जहां के महादलित बस्ती में हर साल गर्मी के मौसम में भारी परेशानी झेलनी पड़ती है. किल्लत ऐसी है कि लोग हर रोज पानी के लिए तरस रहे हैं. औरंगाबाद जिले के मदनपुर प्रखंड के महुआवा पंचायत के सांवा बिगहा महादलित बस्ती में गर्मी के कारण पेयजल को लेकर हालात विकराल है. लगभग 400 आबादी वाले इस गांव में लोगों को गांव से एक किलोमीटर दूर कुएं से गंदा पानी लाकर अपना काम चलाना पड़ रहा है. पानी की कमी इस कदर है कि या तो आप प्यास बुझा सकते हैं या फिर स्नान कर सकते हैं. गांव में किसी ने दो तो किसी ने चार दिनों से नहाया नहीं है. यहां नल जल की तमाम प्रक्रिया पूरी हुई है लेकिन सप्लाई अनियमिता की भेट चढ़ गई है. ऐसे में गांव से कुछ दूर पर स्थित कुएं का गंदा पानी सहारा बन गया है. लोग सुबह से ही पानी की जुगाड़ में लग जाते हैं. गर्मी शुरू होते ही यहां के चापाकल सूख गए, जिसके कारण अब ग्रामीणों के लिए पेयजल का कोई इंतजाम नहीं है. नल जल योजना के तहत बना जल मीनार शोभा की वस्तु बनकर रह गई है. जिस कारण हर दिन पानी की तलाश में लोगों को भटकना पड़ता है. गंदे पानी से बीमारी की आशंका कुएं का पानी भले ही प्यास बुझा रहा हो, लेकिन गंदे पानी से लोगों को बीमारी की भी आशंका है. ग्रामीणों ने बताया कि कुएं के पानी से संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका है

भयंकर रोड एक्सीडेंट में बिहार के 6 लोगों की मौत

पटना (एजेंसी) हजारीबाग में भयंकर सड़क हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई. सभी 6 मृतक गयाजी जिले के रहने वाले थे. जानकारी के मुताबिक, झारखंड से एक कार बिहार आ रही थी. लेकिन हजारीबाग में दनुआ घाटी में हादसे का शिकार हो गई. झारखंड के हजारीबाग में भयंकर सड़क हादसा हुआ. इस दर्दनाक हादसे में गयाजी के रहने वाले 6 लोगों की मौत हो गई. वे सभी एक ही परिवार के रहने वाले थे. जानकारी के मुताबिक, सभी 6 मृतक आमस थाना के साव कला पंचायत क्षेत्र के तेतरिया गांव के रहने वाले थे. एक ही झटके में पूरे परिवार के खत्म होने से गांव में मातम पसर गया है. मृतकों की हुई पहचान मृतकों की पहचान शिव कुमार मांझी (43 साल), पत्नी रूबी कुमारी (35 साल), बेटी सोनी (12 साल) और सुहानी (10 साल), ससुर आमस के मसूरी बार निवासी कृत मांझी (60 साल)और कृत मांझी के पोते प्रेम कुमार (10 साल) के रूप में हुई है. पूरे परिवार के साथ धनबाद रहते थे शिव कुमार पूरी घटना के बारे में बताया गया कि शिव कुमार गयाजी के रहने वाले थे लेकिन अपने पूरे परिवार के साथ धनबाद में रहते थे. धनबाद में ही उनकी नौकरी थी. लेकिन गयाजी में शादी होने की वजह से वह पूरे परिवार के साथ अपने घर वापस लौट रहे थे. लेकिन रास्ते में ही घटना हो गई. जानकारी के मुताबिक, शिव कुमार के बड़े बेटे धनबाद में उनके साथ रहते थे. लेकिन वे शादी में नहीं आए, जिसके कारण वे बच गए. पैक्स अध्यक्ष ने क्या बताया? घटना को लेकर साव कला पंचायत के पैक्स अध्यक्ष उदय यादव ने बताया कि शिव कुमार झरिया कोलवरी में नौकरी करते थे. वह अपनी कार से गयाजी घर आ रहे थे. इसी बीच चौपारन थाना इलाके के दनुआ जंगल के पास कार दुर्घटना की शिकार हो गई.

मॉडल स्कूलों में शिक्षकों की बहाली के लिए इंटरव्यू शुरू

पटना (एजेंसी) बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के पटना जिला कार्यालय द्वारा जिले के मॉडल विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण और नवाचार आधारित शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों के साक्षात्कार की प्रक्रिया शनिवार से शुरू कर दी है। यह साक्षात्कार स्वंय पटना जिला शिक्षा पदाधिकारी साकेत रंजन द्वारा लिया जा रहा है। यह साक्षात्कार ई-शिक्षाकोष के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के आधार पर आयोजित किया जा रहा है। यह 29 अप्रैल तक जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय राजेन्द्र नगर में संचालित होगा। साक्षात्कार के पहले दिन बख्तियारपुर, बाढ़, बेलछी, बिहटा और दानापुर प्रखंड के अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, जिसमें अकेले दानापुर से 94 शिक्षक शामिल हुए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अगले चरण में रविवार 26 अप्रैल को दनियावां, धनरूआ, फतुहां, मसौढ़ी और मोकामा समेत कुल 14 प्रखंडों के अभ्यर्थियों के साथ-साथ पटना शहरी क्षेत्र के शारीरिक शिक्षा, संस्कृत और उर्दू विषयों के शिक्षकों का साक्षात्कार लिया जाएगा। इसके बाद 27 अप्रैल को पटना शहरी क्षेत्र के हिन्दी, इतिहास, संगीत, पर्शियन और भौतिकी विषयों के लिए प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। 28 अप्रैल को रसायन शास्त्र, कंप्यूटर साइंस, डांस और अंग्रेजी विषयों के अभ्यर्थी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। साक्षात्कार के अंतिम दिन यानी 29 अप्रैल को बिक्रम और फुलवारीशरीफ प्रखंडों के अलावा पटना शहरी क्षेत्र के एकाउंटेंसी, फाइन आर्ट और भूगोल विषयों के अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। शैक्षणिक एवं प्रशैक्षणिक मूल प्रमाण पत्रों समेत सभी दस्तावेजों को साथ लाना अनिवार्य: साक्षात्कार में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों के लिए निर्देश जारी किए हैं।

गैंगस्टर रामजी की हत्या का आरोपी वैशाली में गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) एसटीएफ की विशेष टीम ने वैशाली के भगवानपुर में छापेमारी कर कुख्यात विकास झा के कालिया गैंग के शूटर करण झा को गिरफ्तार कर लिया। 16 अगस्त 2024 को दानापुर थाना क्षेत्र में सगुना-बेली रोड की उत्तरी सर्विस लेन स्थित पूर्व मंत्री इलियास हुसैन के घर के पास कुछ बदमाशों ने सीतामढ़ी के कुख्यात गैंगस्टर रामजी राय (मुड़कटवा) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में करण झा शामिल था। करण झा भगवानपुर में किसी की हत्या करने पहुंचा था। इस बात की जानकारी एसटीएफ को लग गई और उसे गिरफ्तार कर लिया। करण सीतामढ़ी के नानपुर का रहने वाला है। अब पटना पुलिस उसे रिमांड पर लेगी। रामजी राय की हत्या में शामिल कन्हाई सिंह को पटना पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। कन्हाई सिंह भी कालिया गैंग का शूटर है। करण झा कुख्यात शूटर है। उसके खिलाफ सीतामढ़ी, दरभंगा, शिवहर और मुजफ्फरपुर में भी केस दर्ज हैं। रामजी राय की हत्या के बाद से वह फरार चल रहा था। रामजी राय की हत्या गैंगवार में की गई थी। रामजी राय पटना में रहने लगा था। यहां बालू के कारोबार में शामिल हो गया था। 16 अगस्त 2024 को वह किसी काम से फोर्ड के सर्विस सेंटर पहुंचा था और लौटने के क्रम में उसकी हत्या हो गई थी। सीतामढ़ी के रहने वाले विकास झा उर्फ कालिया से रामजी राय की अदावत चल रही थी। तब विकास झा तिहाड़ जेल में बंद था। हत्या के कुछ ही घंटों बाद सीतामढ़ी के पत्रकारों के बीच एक प्रेस रिलीज जारी की गई। राज झा नाम के व्यक्ति ने रिलीज जारी की थी।

सीएम सम्राट चौधरी का कड़ा संदेश: फाइल दबाकर बैठने वाले अफसर सावधान, बिहार को बनाएंगे समृद्ध

सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने का संकल्प, कहा— 150 यूनिट तक फ्री मिलेगी

पटना (एजेंसी) बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुंगेर पहुंचे. इस दौरान उनका भव्य स्वागत किया गया. यहां उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए फाइल दबाकर बैठने वाले अफसरों को चेताया. साथ ही कहा, बिहार को समृद्धि की ओर ले जाना है. बिहार का मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार सम्राट चौधरी अपने विधानसभा क्षेत्र तारापुर पहुंचे. यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में हिस्सा लिए. इसके साथ ही ढोल पहाड़ी में पर्यटन विकास के योजनाओं का शिलान्यास भी किया. सीएम सम्राट चौधरी ने खुले मंच से लोगों को संबोधित भी किया. लोगों को संबोधित करते हुए क्या कहा? सीएम सम्राट ने फाइल दबाकर बैठने वाले अफसरों को चेताया. इसके साथ ही कहा, बिहार का मुख्यमंत्री बन गया यह सबसे महत्वपूर्ण है साथियों. मैं विधायक तो कई बार रहा हूं, विधान परिषद का सदस्य रहा हूं, लेकिन जिस इलाके में जन्म लिया था पहली बार सेवा करने का मौका मिला है. आगे कहा, आपके माध्यम से आज प्रदेश में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने बिहार की गद्दी पर बिहार का मुख्यमंत्री बनाने का काम किया, जो मेरे लिए भी चुनौती है. मुझे भी एहसास है कि बिहार को बदलना है, बिहार को समृद्धि की ओर ले जाना है और विकसित भारत का सपना पूरा करना है. बिहार में अतिक्रमण को लेकर दिया बयान तारापुर में सीएम सम्राट चौधरी ने अतिक्रमण को लेकर कहा, मुझे मालूम हुआ कि मेरे भी घर की सीढ़ी को प्रशासन ने तोड़ने का काम किया. इससे इतना स्पष्ट है कि अगर आपका घर निजी जमीन पर है तो कुछ नहीं होगा. अगर सरकारी जमीन में होगा तो उसको ध्वस्त करना पड़ेगा. साथ ही यह भी कहा, अब सबके घरों पर 1 किलोवाट का सोलर प्लेट लगेगा, जिसके बाद पहले 125 यूनिट फ्री बिजली मिलती थी लेकिन अब 150 यूनिट बिजली मिलेगी. सीएम के आने से पहले व्यवस्था टाइट मुंगेर में सीएम सम्राट के आने से पहले पुलिस और प्रशासन ने व्यवस्था टाइट कर दी थी. तारापुर शहीद चौक पर जो अतिक्रमणकारी फल और ठेले लगाया करते थे, उसे हटा दिया गया था. चारों ओर मुख्यमंत्री के होर्डिंग लगाए गए थे. मुख्यमंत्री के आगमन के कारण सड़क काफी साफ सुथरी और चौड़ी नजर आई.

बंगाल चुनाव को लेकर बिहार के इस जिले में बढ़ी निगरानी

पटना (एजेंसी) पश्चिम बंगाल में सेकंड फेज की वोटिंग होने वाली है. इसे लेकर बिहार में सीमावर्ती इलाकों पर निगरानी बढ़ा दी गई है. ऐसे में कटिहार जिले में कई थानों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है. खासकर सीमा वाले इलाके में पैनी नजर रखी जा रही है. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार के सीमावर्ती जिला कटिहार में चप्पे-चप्पे पर निगरानी बढ़ा दी गई है. पुलिस कप्तान शिखर चौधरी के निर्देश पर सभी थानों को अलर्ट पर रखा गया है. खासकर बॉर्डर से सटे थाने और इलाकों (बारसोई अनुमंडल के बलरामपुर, आजमनगर, आबादपुर, सुधानी, तेलता सदर अनुमंडल के प्राणपुर, रौशना थाना क्षेत्र, मनिहारी अनुमंडल के अमदाबाद थाना) को पूरी तरह अलर्ट कर दिया गया है. चौक-चौराहों पर पुलिस की पैनी नजर सीमा से सटे प्रमुख सड़कों, चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर अस्थायी चेकपोस्ट बनाए गए हैं. यहां पुलिस पदाधिकारी के साथ पुलिस बल तैनात है. टू व्हीलर, फोर व्हीलर और मालवाहक गाड़ियों की भी सघन जांच की जा रही है. हर आने-जाने वाली गाड़ियों की बारीकी से जांच की जा रही है. गाड़ियों के कागजात, डिक्की और संदिग्ध सामान की सघन तलाशी ली जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध सामग्री की आवाजाही पर रोक लगाई जा सके. नकदी और हथियार पर रखी जा रही विशेष नजर पुलिस विशेष रूप से नकदी, हथियार और अन्य संदिग्ध वस्तुओं की आवाजाही पर विशेष नजर रख रही है. इसके लिए टेक्निकल मॉनिटरिंग का भी सहारा लिया जा रहा है. संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है और उनकी पहचान का सत्यापन किया जा रहा है. दिन के साथ-साथ रात में भी सीमावर्ती इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है. इसके अलावा, नदी मार्ग और कच्चे रास्तों पर भी पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है.

बिहार में आज दिन में लू का अलर्ट, शाम होते-होते मौसम लेगा यू-टर्न

पटना (एजेंसी) बिहार में इन दिनों लोग तपती गर्मी से परेशान हैं. आज भी दिन में लू चलने की संभावना है. लेकिन शाम-शाम तक मौसम यू-टर्न ले सकता है. मौसम विभाग की माने तो, कई जिलों में तेज धूल भरी आंधी चल सकती है. बिहार में तेज गर्मी का प्रकोप लोग फिलहाल झेल रहे. सुबह-सुबह ही धूप खिल जा रही और 11-12 बजे तक तीखी धूप होने की वजह से ज्यादातर लोग घर में बंद हो जा रहे हैं. इस बीच मौसम विभाग की ओर से चेतावनी जारी की गई है. विभाग की माने तो, राज्य में सोमवार तक 13 से अधिक जिलों में हीटवेव से लोग परेशान रहेंगे. इन जिलों में 44 डिग्री तक रह सकता है तापमान मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पटना, गयाजी, सारण, सीवान, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, कैमूर, रोहतास, भोजपुर, बक्सर, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, बेगूसराय, नालंदा, नवादा, लखीसराय, शेखपुरा, जमुई, बांका, भागलपुर और मुंगेर में दिन का तापमान 40 से 44 डिग्री तक रहने की संभावना है. इन जिलों में एक दो जगहों पर दोपहर से शाम के दौरान तेज धूल भरी तेज आंधी चलने की संभावना है. मौसम विभाग ने शाम होते-होते कई जिलों के मौसम में बदलाव की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. विभाग के मुताबिक, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई जिले में बादल गरजने और बिजली चमकने की संभावना जताई है.

पटना में 27 अप्रैल को नहीं चलेगी मेट्रो, जानिए क्या है वजह और कब से शुरू होगी सेवा

पटना (एजेंसी) पटना मेट्रो की सेवा 27 अप्रैल को बंद रहेगी. पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से बताया गया कि भूतनाथ मेट्रो स्टेशन (डीएन लाइन) पर सीएमआरएस निरीक्षण के कारण मेट्रो की सेवा 27 तारीख को निलंबित रहेगी. पटना में मेट्रो से सफर करने वालों के लिए जरूरी खबर है. 27 अप्रैल को मेट्रो की सेवा उन्हें नहीं मिल पाएगी. पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक भूतनाथ मेट्रो स्टेशन(डीएन लाइन) पर सीएमआरएस निरीक्षण के कारण मेट्रो नहीं चलेगी. निरीक्षण के बाद पटना मेट्रो 28 अप्रैल से पाटलिपुत्र बस टर्मिनल मेट्रो स्टेशन से फिर शुरू हो जाएगी. यहां बनाया जा रहा पहला टनल पटना मेट्रो का काम इन दिनों तेजी से निपटाया जा रहा है. पटना मेट्रो कॉरिडोर-टू की बात करें तो, मोइनुल हक स्टेडियम से राजेन्द्र नगर स्टेशन के बीच पहला टनल बनाया जा रहा है. इस टनल का निर्माण कार्य अगले महीने यानी कि मई में पूरा हो जाने की संभावना है. जबकि दूसरे टनल के जून महीने में पूरा होने की संभावना है. जानकारी के मुताबिक, पहली टीबीएम राजेन्द्र नगर में रेल पटरी को पार कर गई है. कितनी गहराई तक खुदाई करेगी टीबीएम? जानकारी के मुताबिक, पहली टीबीएम लगभग 150 मीटर की खुदाई करते हुए राजेन्द्र नगर स्टेशन तक पहुंच जाएगी. जबकि दूसरी टीबीएम अब तक रेल पटरी को पार नहीं कर पाई है. दूसरी टीबीएम लगभग 350 मीटर की खुदाई करेगी. दोनों टीबीएम से खुदाई करने के बाद राजेन्द्र नगर स्टेशन से मलाही पकड़ी तक टनल तैयार हो जाएगा. इसके बनने से लोगों को बड़ी सहूलियत मिल सकेगी. कॉरिडोर-2 में टोटल कितने होंगे मेट्रो स्टेशन? जानकारी के मुताबिक, कॉरिडोर-2 यानी रेड लाइन में कुल 12 मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें से सात स्टेशन पूरी तरह से अंडरग्राउंड होंगे. बाकी के पांच स्टेशन प्रायोरिटी कॉरिडोर का हिस्सा हैं. यह कॉरिडोर शहर के पूर्वी और पश्चिमी कोनों को एक सूत्र में पिरोने का काम करेगा. जब यह रूट पूरी तरह तैयार हो जाएगा, तो अशोक राजपथ और राजेंद्र नगर जैसे व्यस्त इलाकों में रेंगते ट्रैफिक की समस्या इतिहास बन जाएगी.

बिहार में एक और अपराधी का एनकाउंटर, सुनसान पड़े राइस मिल के पास पुलिस ने मारी गोली

पटना (एजेंसी) बिहार के नवादा जिले में एक अपराधी का एनकाउंटर किया गया. रविवार की सुबह यहां अपराधी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई. दोनों तरफ से हुई फायरिंग में अपराधी के पैर में गोली लगी. फिलहाल, उसका इलाज जारी है. बिहार में पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है. इस बीच एक और अपराधी का एनकाउंटर किया गया. नवादा जिले में रविवार की सुबह पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें अपराधी के पैर में गोली मारी गई. मामला जिले के रोह थाना इलाके के कोशी गांव के पास का है. फिलहाल, घायल अपराधी का इलाज कराया जा रहा है. पुलिस को अपराधी के पास से देशी कट्टा और कारतूस बरामद होने की भी चर्चा है. गुप्त सूचना पर पुलिस ने की घेराबंदी मिली जानकारी के मुताबिक, अपराधी की पहचान टिंकू यादव के रूप में हुई है. टिंकू अशोक मिस्त्री के हत्याकांड में नामजद अभियुक्त था. उसे पुलिस काफी दिनों से ढूंढ रही थी और उस पर 50 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था. गुप्त सूचना के आधार पर एसआईटी, जिला आसूचना इकाई और स्थानीय थाना पुलिस ने एक सुनसान पड़े राइस मिल परिसर की घेराबंदी की, जहां कुछ संदिग्ध अपराधियों के छिपे होने की आशंका थी. आत्मरक्षा में पुलिस ने चलाई गोली सूत्रों के मुताबिक, पुलिस टीम की ओर से सरेंडर की चेतावनी दिए जाने के दौरान बदमाशों की ओर से अचानक फायरिंग शुरू कर दी गई. जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसमें एक इनामी अपराधी के पैर में गोली लगने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया. टिंकू यादव मूल रूप से जमुई जिले के लछुआड़ का रहने वाला है. वह जिले से जुड़े कई अन्य आपराधिक मामलों में भी नामजद है. पटना में भी हुआ था एनकाउंटर इससे पहले पटना में लूटकांड के अपराधी का एनकाउंटर किया गया था. पटना के रामकृष्ण नगर इलाके के एक ज्वेलरी शॉप में 20 लाख की लूट हुई थी

JDU ऑफिस पहुंचे नीतीश कुमार, 10 मिनट तक पार्टी नेताओं से मिले, दिए ये 5 संदेश

पटना (एजेंसी) बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जेडीयू ऑफिस पहुंचे. भामाशाह जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. पार्टी ऑफिस में आयोजित कार्यक्रम में वह 10 मिनट तक रहे. इस दौरान उन्होंने पार्टी नेताओं से मुलाकात की. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार आज जेडीयू ऑफिस पहुंचे. यहां उन्होंने पार्टी नेताओं से मुलाकात की और कार्यक्रम का हिस्सा बने. जेडीयू ऑफिस में भामाशाह जयंती के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव, पूर्व मंत्री लेसी सिंह, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, रत्नेश सदा समेत पार्टी के अन्य नेता मौजूद रहे. जेडीयू ऑफिस में कार्यक्रम के बीच क्या-क्या हुआ? जानकारी के मुताबिक, जेडीयू ऑफिस में नीतीश कुमार लगभग 10 मिनट तक रहे. नीतीश कुमार के पार्टी ऑफिस पहुंचते ही नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया. इस दौरान नीतीश कुमार खुद पर बने गाने पर मुस्कुराते दिखे. उन्होंने ताली भी बजाई और पार्टी के नेताओं से मुलाकात की. कार्यक्रम के दौरान जेडीयू ऑफिस में कार्यकताओं को पंपलेट भी बांटा गया. इसमें भामाशाह का परिचय और नीतीश कुमार के संदेश के बारे में जिक्र किया गया. कार्यक्रम के बाद उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने क्या कहा? जेडीयू ऑफिस में कार्यक्रम के बाद बाहर निकलने पर डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने मीडिया से बातचीत की. इस दौरान उन्होंने कहा, पार्टी के व्यवसायिक प्रकोष्ठ की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, उसी में भाग लेने नीतीश कुमार आए थे. वो पार्टी दफ्तर आते रहते हैं और कार्यकताओं से मिलते रहते हैं. नीतीश कुमार सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद पहली बार जेडीयू ऑफिस पहुंचे थे, जिसकी वजह से नेताओं के बीच उत्साह दिखा.

पूर्णिया से दिल्ली के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन, जानिए रूट और टाइमिंग

पटना (एजेंसी) रेलवे ने यात्रियों को समर सीजन का तोहफा दिया. आज से दिल्ली तक का सफर और भी आसान होने वाला है. पूर्णिया कोर्ट से आनंद विहार के बीच स्पेशल ट्रेन शुरू होने जा रही है, जिससे उत्तर बिहार के यात्रियों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी. सप्ताह में दो दिन चलने वाली यह ट्रेन छुट्टियों में सफर को आसान बनाएगी. गर्मी के मौसम में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने रेल यात्रियों के लिए बड़ा फैसला लिया. इससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को राहत मिलने वाली है. आज शाम से पूर्णिया कोर्ट से आनंद विहार टर्मिनल के बीच स्पेशल ट्रेन की सेवा की शुरूआत होने वाली है. इस ट्रेन के शुरू होने से उत्तर बिहार के यात्रियों को सीधी कनेक्टिविटी की सुविधा मिलेगी. रेलवे की तरफ से चलाई जा रही यह स्पेशल ट्रेन सप्ताह में दो दिन चलेगी. ट्रेन की शुरूआत को लेकर यात्रियों में उत्साह गर्मी की छुट्टियों के दौरान दिल्ली रूट पर यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है, जिससे यात्रियों को सफर के समय काफी परेशानी होती है. इसी को देखते हुए रेलवे ने यह फैसला लिया. बताया जा रहा है कि पहले ही दिन से यात्रियों में इस ट्रेन को लेकर उत्साह देखा जा रहा है. इस रूट पर पहले से चल रही ट्रेनों में छुट्टियों के दैरान काफी भीड़ रहती है, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. लेकिन अब यात्रियों को यात्रा करने में न सिर्फ सहूलियत मिलेगी बल्कि उनकी यात्रा बेहद आरामदायक होगी. ट्रेन की टाइमिंग और स्टॉपिज जानकारी के अनुसार, आज शाम पूर्णिया कोर्ट-आनंद विहार स्पेशल ट्रेन संख्या 05579-05580 का उद्घाटन किया जाएगा. यह ट्रेन निर्धारित समय के अनुसार, पूर्णिया कोर्ट स्टेशन से शाम 4 बजकर 30 मिनट पर खुलेगी. रास्ते में यह ट्रेन सहरसा, सुपौल, निर्मली, झंझारपुर, सकरी, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, रक्सौल और नरकटियागंज सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर रुकेगी. इन स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को भी इस नई सुविधा का सीधा लाभ मिलेगा. ट्रेन के चलने से इन्हें मिलेगा फायदा इस ट्रेन के चलने से कई छोटे जिलों के यात्रियों को लाभ मिलेगा. ट्रेन का रूट व्यापक क्षेत्र को कवर करेगा. इससे छोटे स्टेशन के यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी, जहां रेलवे ने सभी स्टॉपिज तय कर दिया है. रेलवे सूत्रों के मुताबिक, यह ट्रेन विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए तीसरे दिन रात 1 बजकर 5 मिनट पर आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी. इस स्पेशल ट्रेन के शुरू होने से खासकर बिहार के सीमांचल और मिथिलांचल इलाके के लोगों के लिए दिल्ली तक का सफर अब ज्यादा आसान और सुविधाजनक हो जाएगा. क्या है रेलवे का उद्देश्य? स्पेशल ट्रेन चलाने को लेकर रेलवे का उद्देश्य समर सीजन में यात्रियों की परेशानी कम करना और यात्रा को सुगम बनाना है. रेलवे की ओर से यात्रियों से समय पर टिकट बुक करने और यात्रा से पहले शेड्यूल जांच ने की अपील की गई है.

अष्टविनायक मंदिर
जहां 1892 से लगातार प्रज्जवलित है नंददीप

रायगढ़ जिले के कोल्हापुर में महड़ गांव में है अष्टविनायक तीर्थ का चौथा मंदिर वरदविनायक श्री गणेश मंदिर जहां सालों से एक दीप लगातार जल रहा है। अष्ट विनायक में चौथे गणेश हैं श्री वरदविनायक। यह मंदिर महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के कोल्हापुर क्षेत्र में एक सुन्दर पर्वतीय गांव है महड़। इसी गांव में श्री वरदविनायक मंदिर स्थित है। यहां प्रचलित मान्यता के अनुसार वरदविनायक भक्तों की सभी कामनों को पूरा होने का वरदान प्रदान करते हैं। इस मंदिर में नंददीप नाम का एक दीपक है जो 1892 से लगातार प्रज्जवलित है। वरदविनायक का नाम लेने मात्र से ही सारी कामनाओं को पूरा होने का वरदान प्राप्त होता है। इस मंदिर में माघी चतुर्थी पर विशेष पूजा होती है। इसके अतिरिक्त भाद्रपद की गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी तक भी विशेष उत्सव होता है जिसे देखने भक्तों का हुजूम उमड़ता है।

अष्टविनायक वरदविनायक मंदिर में लगातार जल रहा एक दीपक

मंदिर से जुड़ी कहानी

पौराणिक कथाओं के अनुसार प्राचीन काल में एक संतानहीन राजा था। अपने दुख के निवारण के लिए वो ऋषि विश्वामित्र की शरण में गया और सलाह मांगी। ऋषि ने उसे श्री गणेश के एकाक्षरी मंत्र का जाप करने के लिए कहा। राजा ने ऐसा ही किया और भक्ति भाव गजानन की पूजा करते हुए उनके मंत्र का जाप किया। मंत्र के प्रभाव और गणपति के आर्शिवाद से उसका रुक्मांगद नाम का सुंदर पुत्र हुआ जो अत्यंत धर्मनिष्ठ भी था। युवा होने पर एक बार शिकार के दौरान जंगल में घूमते हुए रुक्मांगद, ऋषि वाचक्नवी के आश्रम में पहुंचा। यहां ऋषि की पत्नी मुकुंदा राजकुमार के पुरुषोचित सौंदर्य को देख कर उस पर मोहित हो गई और उससे प्रणय याचना की। धर्म के मार्ग पर चलने वाले रुक्मांगद ने इसे अस्वीकार कर दिया और तुरंत आश्रम से चला गया। दूसरी ओर ऋषि पत्नी उसके प्रेम में पागल जैसी हो गई। उसकी अवस्था के बारे में जान कर देवराज इंद्र ने इसका लाभ उठाने के लिए रुक्मांगद का भेष धारण कर मुकुंदा से प्रेम संबंध बनाये, जिससे वो गर्भवती हो गई। कुछ समय बाद उसने ग्रिसमाद नामक पुत्र को जन्म दिया। युवा होने पर अपने जन्म की कहानी जान कर इस पुत्र ने मुकुंदा को श्राप दिया कि वो कांटेदार जंगली बेर की झाड़ी बन जाये। इस पर मुकुंदा ने भी अपने बेटे को श्राप दिया कि वो एक क्रूर राक्षस का पिता बनेगा। उसी समय एक आकाशवाणी से पता चला कि मुंकुदा की संतान का पिता वास्तव में इंद्र है। दोनों माता और पुत्र अत्यंत लज्जित हुए और मुकुंदा एक कांटेदार झाड़ी में बदल गई जबकि उसका पुत्र पुष्पक वन में जाकर श्री गणेश की तपस्या करने लगा। बाद में प्रसन्न हो गणेश जी ने उसे त्रिलोकविजयी संतान का पिता बनने और एक वर मांगने का आर्शिवाद दिया। तब ग्रिसमाद ने कहा कि वे स्वयं यहां विराजमान हों और प्रत्येक भक्त की मनोकामना पूर्ण करें। इसके बाद उसने भद्रका नाम से प्रसिद्ध स्थान पर मंदिर का निर्माण किया और श्री गणेश यहां वरदविनायक के रूप में प्रतिष्ठित हुए।

मंदिर का स्थापत्य

वर्तमान वरदविनायक मंदिर के बारे में कहा जाता है की इसका निर्माण 1725 में सूबेदार रामजी महादेव बिवलकर ने करवाया था। मंदिर का परिसर सुंदर तालाब के एक किनारे बना हुआ है। ये पूर्व मुखी अष्टविनायक मंदिर पूरे महाराष्ट्र में काफी प्रसिद्ध है। यहां गणपति के साथ उनकी पत्नियों रिद्धि और सिद्धि की मूर्तियां भी स्थापित हैं। मंदिर के चारों तरफ चार हाथियों की प्रतिमायें बनाई गई हैं। मंदिर के ऊपर 25 फीट ऊंचा स्वर्ण शिखर निर्मित है। इसके नदी तट के उत्तरी भाग पर गौमुख है। मंदिर के पश्चिम में एक पवित्र तालाब बना है। मंदिर में एक मुषिका, नवग्रहों के देवताओं की मूर्तियां और एक शिवलिंग भी स्थापित है। अष्टविनायक वरदविनायक मंदिर के गर्भगृह में भी श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति है।

रात में सिंक में जूठे बर्तन छोड़ते हैं?

रसोई की ये छोटी सी लापरवाही रोक सकती है पूरे घर की बरकत

क्या आप भी रात में किचन के जूठे बर्तन सिंक में छोड़कर सो जाते हैं? वास्तु कहता है कि यह आदत सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि घर की सुख-समृद्धि पर असर डालती है। रात में गंदे बर्तन छोड़ने से नकारात्मकता और धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, अगर आप रसोई में साफ-सफाई और वास्तु नियमों का ध्यान रखते हैं, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इससे न सिर्फ सुख-शांति आती है, बल्कि आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर रात के समय रसोई के सिंक में जूठे बर्तन छोड़ना क्यों गलत माना जाता है।

रात में जूठे बर्तन छोड़ना क्यों गलत

वास्तु शास्त्र के अनुसार रात में किचन को गंदा छोड़ना या सिंक में जूठे बर्तन रखना अच्छा नहीं माना जाता। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और मां लक्ष्मी की कृपा कम हो सकती है। इसका असर आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है।

अगर बर्तन धोना संभव न हो तो क्या करें

अगर किसी कारण से रात में बर्तन साफ करना संभव न हो, तो कम से कम उनमें पानी डालकर जरूर रखें। ऐसा करने से नकारात्मक प्रभाव कुछ हद तक कम हो जाता है। हालांकि इसे रोज की आदत बनाना ठीक नहीं माना जाता।

रसोई से जुड़े जरूरी वास्तु नियम

वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन में पानी और आग से जुड़ी चीजों को पास-पास नहीं रखना चाहिए। सिंक और गैस चूल्हे के बीच दूरी बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि इससे घर की सकारात्मक ऊर्जा प्रभावित होती है।

छोटी गलतियां जो बनती हैं बड़ी परेशानी

किचन में चाकू-छुरी जैसी नुकीली चीजों को खुला नहीं रखना चाहिए। इन्हें हमेशा ढककर या ऐसी जगह रखें जहां सीधी नजर न पड़े। साथ ही रसोई में साफ-सफाई और हवा-रोशनी का अच्छा इंतजाम होना चाहिए।

क्या चीजें तुरंत हटानी चाहिए

रसोई में गंदे कपड़े, टूटे बर्तन या खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान रखना अशुभ माना जाता है। ये चीजें नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती हैं और घर की सुख-शांति पर असर डाल सकती हैं।

क्या गलत दिशा में सिर रखकर सोना बन रहा है आपकी थकान की वजह?

गहरी नींद के चमत्कारी वास्तु नियम

आज के बदलते लाइफस्टाइल और भागदौड़ भरी जिंदगी में रात को भरपूर नींद लेने के बाद भी सुबह उठकर कई लोग थकान और भारीपन का अनुभव करते हैं। अक्सर हम इसे खराब आदतों अथवा गलत खान-पान का नतीजा मान लेते हैं। वास्तु विद्वानों के अनुसार, सुकून भरी नींद न आना अथवा हर समय थकान अनुभव होते रहने का एक बड़ा कारण आपके सोने की गलत दिशा भी हो सकती है। वास्तु विज्ञान में सोते समय सिरहाने की दिशा का बहुत महत्व है। इससे व्यक्ति के मस्तिष्क और शरीर की ऊर्जा पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आइए जानते हैं कहीं गलत दिशा में सिर रखकर सोना आपकी थकान की वजह तो नहीं बन रहा। वास्तु अनुसार किस दिशा में सिर रखकर सोएं-

दक्षिण दिशा :

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, गहरी नींद और लंबी उम्र का राज दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोना है। यह दिशा सबसे अधिक लाभकारी और शुभ मानी गई है। इस दिशा में सोना स्थिरता और शक्ति का प्रतीक है। वैज्ञानिक दृष्टि से भी देखें तो इस दिशा में सिर रखने से शरीर का चुंबकीय संतुलन पृथ्वी के चुंबकीय प्रभाव के साथ सही बैठता है, जिससे रक्त संचार सुचारु रुप से होता है। जिससे गहरी व तनावमुक्त नींद का अनुभव किया जा सकता है।

पूर्व दिशा :

अगर आप मानसिक शांति और एकाग्रता चाहते हैं तो पूर्व दिशा की ओर सिर करके सोना आपके लिए सर्वोत्तम विकल्प है। विद्यार्थियों और विचारकों के लिए तो यह दिशा किसी वरदान से कम नहीं है। शास्त्रों में पूर्व दिशा सकारात्मकता और ज्ञान की दिशा मानी गई है। जिन्हें मानसिक दबाव, डिप्रेशन, एंजाइटी अथवा भूलने की समस्या है, उनके लिए इस दिशा में सोना लाभकारी है। यह डायरेक्शन सोचने-समझने की क्षमता और फोकस को बढ़ावा देती है।

भूलकर भी उत्तर दिशा में न रखें सिर :

वास्तु नियमों के अनुसार, उत्तर दिशा में कभी भी सिर रखकर नहीं सोना चाहिए। किंवदंतियों के अनुसार कहा जाता है कि उत्तर दिशा की ओर सिर करने से शरीर और धरती के चुंबकीय क्षेत्र के मध्य असंतुलन पैदा होता है। जिससे नींद और जागृत अवस्था इंबैलेंस हो जाती है। तभी तो नींद में बार-बार रुकावट, रेस्टलेसनेस, सिर में दर्द और सुबह उठने पर भारीपन जैसी प्रॉब्लम होती हैं।

छोटी आदत, बड़ा बदलाव :

कई बार जीवनशैली में किए गए छोटे-छोटे बदलाव, जीवन में बड़ा परिवर्तन ले आते हैं। उसी तरह सोने की दिशा में भी ऊपर दिया गया यह मामूली बदलाव आपकी लाइफ में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाएगा। जब आप यहां बताए गए वास्तु नियमों का पालन करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको एहसास होगा की आपकी नींद की गुणवत्ता पहले से बेहतर हो गई है। साथ ही मानसिक शांति और शरीर में ऊर्जा का स्तर भी काफी बेहतर हुआ है।

भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं भगवान श्रीनाथजी

नाथद्वार में स्थित भगवान श्रीनाथजी का चमत्कारी मंदिर है। यह मंदिर कई चमत्कारी कहानियों के लिए जाना जाता है। माना जाता है कि श्रीनाथजी खुद भगवान विष्णु के अवतार हैं। पौराणिक मान्यता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण सात साल के थे, तब वह यहां पर विराजमान हो गए थे। इस दौरान मंदिर में मौजूद श्रीकृष्ण की काले रंग की मूर्ति को एक पत्थर से तराशा गया है। वहीं यह अपने आप में हैरान कर देने वाली चीज है। यहां भगवान भक्तों को चावल के दानों में दर्शन देते हैं। इसलिए श्रद्धालु अपने साथ चावल लेकर जाते हैं। दर्शन के बाद श्रद्धालु इन चावलों को अपनी तिजोरी में रखते हैं, जिससे कि घर में धन कमी न हो।

उस समय श्रीनाथजी की मूर्ति जोधपुर के पास चौपासनी गांव में थी। चौपासनी गांव में कई समय तक बैलगाड़ी में श्रीनाथजी की मूर्ति की पूजा होती रही। हालांकि अब यह गांव

जोधपुर का हिस्सा बन गया है। वहीं जिस जगह ये बैलगाड़ी खड़ी थी, वहां पर श्रीनाथजी का मंदिर बना है। कोटा से करीब 10 किमी दूर श्रीनाथजी की चरण पादुकाएं उसी दौरान आज तक वहीं रखी हुई है। इस स्थान को चरण चौकी के नाम से जानते हैं।

मंदिर से जुड़े नियमों के मुताबिक सर्दियों में प्रभु श्रीनाथजी को उठाकर भोग लगाया जाता है। वहीं रात में प्रभु को सुलाने के लिए कवियों के पदों का गान किया जाता है। श्रीनाथजी के शयनानन्तर तक बीन भी बजाई जाती है। वहीं गर्मी में उनके लिए पंखे की सेवा की जाती है। वहीं सर्दियों में उनको ठंड से बचाने के लिए श्रीनाथजी की मूर्ति के पास अंगीठी रखी जाती है।

सावधान ! कहीं आपका झाड़ू-पोछा ही तो नहीं बन रहा गरीबी का कारण?

वास्तु शास्त्र में घर की हर छोटी-बड़ी वस्तु का संबंध ऊर्जा से होता है। झाड़ू और पोछा, जिन्हें हम सफाई का साधन मात्र समझते हैं, वास्तव में वे माता लक्ष्मी का प्रतीक माने गए हैं। यदि इन्हें गलत समय या गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो यह घर की सुख-समृद्धि को छीनकर दरिद्रता ला सकते हैं। तो आइए जानते हैं झाड़ू-पोछे से जुड़े वो वास्तु नियम, जिन्हें नजरअंदाज करना आपको भारी पड़ सकता है।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू लगाना

वास्तु के अनुसार, सूर्यास्त के बाद या शाम के समय झाड़ू लगाना 'लक्ष्मी को घर से बाहर निकालने' के समान है।

कारण : माना जाता है कि शाम का समय माता लक्ष्मी के आगमन का होता है। उस समय घर से गंदगी बाहर निकालने के चक्कर में हम घर की सकारात्मक ऊर्जा को भी बाहर कर देते हैं।

उपाय : यदि मजबूरी में झाड़ू लगानी भी पड़े, तो कूड़ा घर के

बाहर न फेंकें, उसे एक कोने में इकट्ठा कर दें और सुबह बाहर निकालें।

झाड़ू को रखने का सही तरीका और दिशा

जैसे हम अपने धन या कीमती गहनों को छिपाकर रखते हैं, वैसे ही झाड़ू को भी छिपाकर रखना चाहिए।

छिपाकर रखें : झाड़ू पर किसी बाहरी व्यक्ति या मेहमान की नजर नहीं पड़नी चाहिए। इससे घर की बरकत कम होती है।

लेटाकर रखें : झाड़ू को कभी भी खड़ा करके नहीं रखना चाहिए। खड़ी झाड़ू घर में 'कलह' और 'तनाव' का कारण बनती है। इसे हमेशा लेटाकर रखें।

सही दिशा : झाड़ू रखने के लिए घर का दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम कोना सबसे शुभ माना जाता है। इसे कभी भी उत्तर-पूर्व में न रखें।

पोछा लगाने के गुप्त नियम

पोछा केवल फर्श साफ नहीं करता, बल्कि घर की नकारात्मकता को भी सोखता है।

नमक का उपाय : हफ्ते में कम से कम एक बार पोछे के पानी में सेंधा नमक जरूर मिलाएं। नमक नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने में जादुई काम करता है।

गुरुवार को पोछा न लगाएं : धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुरुवार को पोछा लगाने से घर के 'ईशान कोण' और गुरु ग्रह पर बुरा असर पड़ता है, जिससे धन हानि हो सकती है।

टूटी हुई झाड़ू का उपयोग न करें

अक्सर लोग झाड़ू के टूटने के बावजूद उसे इस्तेमाल करते रहते हैं। वास्तु शास्त्र में टूटी हुई झाड़ू दरिद्रता का सीधा संकेत है। यह घर में आर्थिक तंगी और मानसिक अशांति पैदा करती है। जैसे ही झाड़ू खराब हो, उसे तुरंत बदल देना चाहिए।

झाड़ू का अपमान न करें

झाड़ू को पैर मारना, उसे लांघना या उसके ऊपर पैर रखना माता लक्ष्मी का अपमान माना जाता है। ऐसा करने से घर के मुखिया पर कर्ज बढ़ता है और आय के स्रोत घटने लगते हैं।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंसर्स के बीच मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडिमय में रॉयल चैलेंसर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। इसमें दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ हारने के कारण दिल्ली कैपिटल्स पर दबाव रहेगा और वह इस मैच में हर हाल में जीत चाहेगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ में अपनी जगह मजबूत करने के लिए बेहद अहम रहेगा।।

दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोरी गेंदबाजी है हो उसे ठीक करनी होगी। टीम के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर गेंदबाज बड़े स्कोर का बचाव भी नहीं कर पा रहे रहे हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अपने गेंदबाजों को और प्रेरित करना होगा। । कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और टी नटराजन जैसे खिलाड़ियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और डेथ ओवरों में सटीक लाइन-लेंथ के साथ उतरना होगा ताकि टीम जीत की राह पर लौट सके।

वहीं बल्लेबाजी में दिल्ली का शीर्ष क्रम बेहद अच्छा है। केएल राहुल टीम को लगातार तेज शुरुआत दे रहे हैं, जिसमें पृथ्वी शॉ और पथुम निसांका भी आक्रामक अंदाज में रन बना रहे हैं। मध्यक्रम में नीतीश राणा और डेविड मिलर टीम को स्थिरता प्रदान करते हैं, जिससे टीम एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सक्षम होती है।

वहीं दूसरी ओर रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी इस सत्र की सबसे अच्छी टीमों में से एक के रूप में उभरी है। टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज और प्रभावी गेंदबाज दोनों मौजूद हैं, जो उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाता है। उसके पस विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार और सुयश शर्मा किसी भी बल्लेबाजी क्रम को रोकने में सक्षम है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 34 मुकाबले हुए हैं जिसमें आरसीबी ने 20 जबकि दिल्ली ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आरबीबी का पलड़ा भारी है।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, नीतीश राणा, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा।

केएल राहुल का ऐतिहासिक शतक: आईपीएल में सबसे बड़ी भारतीय पारी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले में शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। राहुल ने मात्र 67 गेंदों पर 16 चौकों और 9 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 152 रनों की अविश्वसनीय पारी खेली, जिससे वह आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करते हुए अभिषेक शर्मा के पिछले साल के 141 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इतना ही नहीं, राहुल अब दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी आईपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने ऋषभ पंत के 2018 में बनाए गए 128 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

राहुल की यह पारी आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी पारी है। उनसे पहले केवल वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (नाबाद 175) और न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैक्कुलम (नाबाद 158) ही 150 से अधिक रनों की पारी खेल पाए हैं, जिससे राहुल इस विशिष्ट सूची में शामिल होने वाले महज तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने अपनी इस शानदार पारी में नीतीश राणा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए मात्र 95 गेंदों में 220 रनों की एक यादगार साझेदारी निभाई। यह साझेदारी आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी भी है, जिसने पंजाब किंग्स के गेंदबाजों को बेबस कर दिया और उन्हें कोई मौका नहीं दिया। नीतीश राणा भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 44 गेंदों में 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 91 रनों की पारी खेलकर राहुल का बखूबी साथ दिया। राहुल और राणा के इस आक्रामक प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में केवल 2 विकेट खोकर 264 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

वैभव की बल्लेबाजी देखकर कमिंस भी हैरान हुए

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभाव सूर्यवंशी आईपीएल के हर मैच के साथ ही निखरते जा रहे हैं। वैभव ने यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंद में 103 रनों की पारी खेली। ये वैभव का आईपीएल में इस सत्र का दूसरा शतक है। वैभव के इस शतक की सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने भी सराहना की है।

वैभव ने जस प्रकार से इस सत में जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबालों को निशान बनाया। उसी प्रकार का व्यवहार उन्होंने कमिंस की गेंदों पर भी आक्रामक शॉट लगाये। वैभव ने कमिंस की पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। वैभव के इस अंदाज से कमिंस भी हैरान हुए बिना नहीं रहे। उन्होंने वैभव की इस प्रकार की बल्लेबाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस वह अब उनके सबसे पसंदीदा खिलाड़ी बन गये हैं।

कमिंस ने कहा, 'एक गेंदबाज के तौर पर आपको लगातार अच्छी गेंदबाजी करनी होती है क्योंकि अगर आप विफल रहे तो बड़ा शॉट लगना तय है। अब वैभव मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी बना गया है। वह अपने ही अंदाज में खेलता है।' वैभव अपनी इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी थोड़ी देर के लिए ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष खिलाड़ियों में बने हुए हैं। वैभव के अब आठ मैच के बाद 357 रन हैं। वैभव ने सनराइजर्स के खिलाफ 36 गेंद में शतक लगाया। जो दूसरा सबसे तेज शतक है। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगाया था।

आईपीएल 2026: गुजरात ने सीएसके को 8 विकेट से हराया

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 37वें मुकाबले में गुजरात टाइटन्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। यह मुकाबला रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और चेन्नई को 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन तक सीमित रखा। जवाब में गुजरात ने 16.4 ओवर में 2 विकेट खोकर 162 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सेमसन ने पारी का आगाज किया, लेकिन संजू सैमसन सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद उर्विल पटेल 4 रन बनाकर कागिसो रबाडा का शिकार बने, जबकि सरफराज खान खाता भी नहीं खोल सके। डेवाल्ड ब्रेविस भी सिर्फ 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। एक छोर पर ऋतुराज गायकवाड़ डटे रहे और उन्होंने शानदार नाबाद 74 रन बनाए, जिसकी बदौलत चेन्नई 158 रन तक पहुंच सकी।

159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटन्स की शुरुआत दमदार रही। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने तेज शुरुआत दी। पहला विकेट 7वें ओवर में गिरा जब शुभमन गिल 33 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद साई सुदर्शन ने मैच का रुख पूरी तरह गुजरात की ओर मोड़ दिया। उन्होंने सिर्फ 46 गेंदों में 87 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली।

साई ने जोस बटलर के साथ अहम साझेदारी निभाई। हालांकि 17वें ओवर में साई का विकेट गिर गया, लेकिन तब तक वह टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा चुके थे। बटलर ने भी उपयोगी 39 रन बनाए और गुजरात ने 20 गेंद शेष रहते मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया।

वैभव टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाने के साथ ही टी20 में सबसे तेजी से 1000 रन बनाने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। अब तक ये रिकार्ड मिचेल ओवन के नाम था। वैभव ने 473 गेंदों का सामना करते हुए अपने 1000 रन पूरे किये जबकि ओवन ने 533 गेंदों में 1000 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से कहीं अधिक रहा है। सबसे अधिक तेजी से 1000 रन बनाने के मामले में तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू साइमंड्स हैं। उन्होंन 558 गेंदों पर 1000 रन बनाये थे। हैदराबाद के खिलाफ खेली गई अपनी ऐतिहासिक पारी में, वैभव ने केवल 36 गेंदों पर ही शतक पूरा किया। वैभव का टी20 करियर अब तक बेहद शानदार रहा है। घरेलू, अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल सहित कुल 26 टी20 मुकाबलों में, उन्होंने 42.32 की प्रभावशाली औसत और 213.73 के स्ट्राइक रेट से अब तक कुल 1058 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम चार शतक दर्ज हैं। वहीं उनके नाम 94 छक्के भी हैं। साथ जल्द ही 100 छक्कों का आंकड़ा पार करने के करीब हैं। आईपीएल में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है, जहां 15 मैचों में 40.60 की औसत और 222.26 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से कुल 609 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

धोनी अपनी वापसी के लिए टीम में बदलाव नहीं चाहते

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट होने के बाद भी अभी टीम संयोजन में बदलाव नहीं चाहते हैं इसलिए वह अभी टीम में वापसी नहीं करना चाहते हैं। शुरुआत में सीएसके प्रबंधन ने कहा था कि धोनी कुछ हफ्तों में वापसी करेंगे। उनकी पिंडली की चोट को लेकर दो हफ्ते का समय दिया गया था पर धोनी अब तक मैदान पर नहीं लौटे हैं। टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने धोनी की फिटनेस को लेकर कहा था कि धोनी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उनकी पिंडली की चोट है, खासकर रन लेते समय उन्हें परेशानी होती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, धोनी पूरी तरह फिट हो गये हैं पर वह अपनी वापसी में देरी कर रहे हैं। धोनी ने टीम प्रबंधन को यह साफ कर दिया है कि केवल उन्हें टीम में शामिल करने के लिए संजोजन न बदला जाए। यह भी साफ है कि सीएसके प्रबंधन पने उन्हें मैदान पर उतारने की कोई जल्दी में नहीं है। मुख्य कोच कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा, वह अच्छी प्रगति कर रहे हैं। वह उबर रहे हैं और जो भी उनसे कहा जा रहा है, वह सब कर रहे हैं। अभी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन अच्छा प्रदर्शन कर रहे है और धोनी भी किसी युवा खिलाड़ी की जगह लेने के लिए तैयार नहीं दिखते।

एक ही दिन में तीन-तीन बल्लेबाजों को मिली ऑरेंज कैप

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में हर मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप के दावेदारों में बदलाव आता रहा है पर शनिवार को एक ही दिन में तीन-तीन दावेदार सामने आ गये। दिन की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 328 रनों के साथ पहले ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पर थे पर कुछ ही देर में उनकी जगह पर अन्य दावेदार आ गये। वहीं कोहली पांचवे स्थान पर खिसक गये। इस प्रकार एक ही दिन में कुल तीन अलग-अलग खिलाड़ियों ने ऑरेंज कैप पर अपने नाम की पर अंत में सनराइजर्स के अभिषेक शर्मा शीर्ष पर आ गये। दिन का पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच हुआ था। इस मैच के बाद दिल्ली

कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 152 रनों की नाबाद आक्रामक पारी खेलकर पहले नंबर पर पहुंच गये। इस शानदार पारी के बाद राहुल के नाम 7 पारियों में 59.50 की औसत और 187.89 के स्ट्राइक रेट के साथ कुल 357 रन हो गए।

राहुल अधिक देर तक टिके नहीं रह पाये। कुछ ही समय के बाद वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 103 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। कब्जा जमा लिया। उनकी इस पारी में 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। इससे वैभव सूर्यवंशी कुल 357 रनों पर पहुंच गये और राहुल से बेहतर स्ट्राइक रेट होने के कारण नंबर एक पर पहुंच गये। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अंत में ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने केवल 29 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्का लगाकर 57 रन बना दिये। इसी के साथ आईपीएल 2026 में उनके नाम सबसे अधिक 380 रन हो गए। वहीं इसी मैच में हेनरिक क्लासेन ने भी 29 रन बनाये और वह 349 रन पहुंचे जिसेस कोहली पांचवे नंबर पर खिसक गये।

पूर्व कोच ने किया खुलासा : केकेआर ने क्यों छोड़ा कप्तान श्रेयस अय्यर को?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा खिताब जीतने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज करने का फैसला लंबे समय से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब टीम के पूर्व कोच चंद्रकांत पंडित ने इस निर्णय के पीछे की वजहों पर खुलकर बात की है। पंडित ने स्पष्ट किया है कि अय्यर को टीम से रिलीज करना किसी व्यक्तिगत कारण से नहीं लिया गया फैसला था।

चंद्रकांत पंडित ने बताया, हम उनसे चूक गए। श्रेयस एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने कप्तान के तौर पर टीम को खिताब जिताया। लेकिन कई बार परिस्थितियां और टीम की रणनीति ऐसे फैसले लेने पर मजबूर कर देती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कोई जानबूझकर किया गया फैसला नहीं था, बल्कि चीजें टीम की उम्मीदों के मुताबिक नहीं चलीं। पंडित ने आगे कहा कि टीम चयन में कई पहलुओं को ध्यान में रखना पड़ता है, और कभी-कभी बड़े और कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं, जो बाहर से देखने पर अलग लगते हैं। उन्होंने फिल सॉल्ट जैसे अन्य खिलाड़ियों का भी उदाहरण दिया, जिन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई, जबकि वे भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। पंडित ने कहा कि टीम सभी खिलाड़ियों की सराहना करती है। केकेआर से रिलीज होने के बाद, पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। उनकी कप्तानी में टीम ने आईपीएल 2025 का फाइनल खेला और आईपीएल 2026 में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है, जिससे उनके नेतृत्व कौशल और बल्लेबाजी क्षमता की फिर से पुष्टि हुई है। पंडित ने अय्यर के भारतीय टीम में चयन पर भी अपना बयान दिया। उन्होंने कहा, भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। टीम बनाते समय अनुभव और युवा खिलाड़ियों के बीच संतुलन बनाना होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर खिलाड़ी को मौका देना आसान नहीं होता, क्योंकि कई बार एक ही स्थान के लिए बराबरी के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी उपलब्ध होते हैं। हालांकि, पंडित ने अय्यर की वापसी पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, उनकी मौजूदा फॉर्म और आत्मविश्वास दिखाता है कि वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह खेल को जीतने के इरादे से खेलते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

कार्लोस अल्काराज़ को बड़ा झटका : चोट के चलते फ्रेंच ओपन से बाहर

नई दिल्ली । स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को एक बड़ा झटका लगा है। कलाई की चोट के कारण वे अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं, जिससे उनका लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया है। यह चोट उन्हें पिछले हफ्ते बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में लगी थी। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने न केवल फ्रेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन से भी हटने का मुश्किल फैसला लिया है। दोनों ही टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जो अल्काराज़ का पसंदीदा सर्फेस माना जाता है और जहां वे आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अल्काराज़ ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, आज हुए टेस्ट के बाद हमने सावधानी बरतने का फैसला किया है। इसलिए, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह से आकलन नहीं कर लेते, मैं रोम और रोलां गैरोस में हिस्सा नहीं लूंगा। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए बेहद मुश्किल समय है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि मैं और अधिक मजबूती के साथ वापसी करूंगा। यह बयान उनकी निराशा और दृढ़ संकल्प दोनों को दर्शाता है, लेकिन प्रशंसकों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है। 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी, जिससे वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इस चोट ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर अस्थायी रूप से विराम लगा दिया है। हाल ही में उन्होंने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग जैनिक सिनर से गंवा दी थी। अब लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने से उनकी रैंकिंग पर और असर पड़ने की आशंका है। जैनिक सिनर ने अल्काराज़ की चोट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत दुखद खबर है। इतनी कम उम्र में हमें अपने शरीर का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। उम्मीद है कि वे जल्द वापसी करेंगे और हम एक बार फिर शानदार मुकाबले देख पाएंगे। इस चोट से फ्रेंच ओपन की रौनक कुछ फीकी जरूर पड़ गई है, लेकिन टेनिस जगत को उनके शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद है।

बैडमिंटन में नए स्कोरिंग सिस्टम को मंजूरी, बीडब्ल्यूएफने की घोषणा

हॉर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) के सदस्यों ने 3315 स्कोरिंग सिस्टम को अपनाने की मंजूरी दे दी है। खेल की विश्व शासी संस्था ने घोषणा की कि यह नया फॉर्मेट 4 जनवरी 2027 से लागू होगा। BWF ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि यह प्रस्ताव डेनमार्क के हॉर्सेंस में आयोजित BWF की 87वीं वार्षिक आम बैठक में डाले गए वोटों के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया।

BWF की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसा खेल तैयार कर रहे हैं जो अगली पीढ़ी से जुड़ा हो, और साथ ही हम अपने खिलाड़ियों के लंबे समय के भविष्य में निवेश करना जारी रखेंगे।' BWF के अनुसार 3315 स्कोरिंग सिस्टम का मकसद बैडमिंटन को और ज़्यादा रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाना, मैच के समय को बेहतर बनाना, मैच की अवधि को ज्यादा एक जैसा रखना, और खिलाड़ियों की भलाई और रिकवरी के लिए संभावित फायदे लाना है।

लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि इस फॉर्मेट का मकसद मैचों में शुरू में ही ज्यादा दबाव वाले पल लाकर, स्कोर को और ज्यादा करीबी और मैच के अंत को और ज्यादा नाटकीय बनाना है, जिससे प्रशंसक पहली रैली से लेकर आखिरी रैली तक खेल से जुड़े रहें। फेडरेशन ने बताया कि यह फैसला ज्यादा के सदस्यों और हितधारकों के साथ लंबे समय तक चले परीक्षण, विश्लेषण और परामर्श की प्रक्रिया के बाद लिया गया है।

कैसे काम करेगा 3315 स्कोरिंग सिस्टम

यह फैसला पिछले दो दशकों में बैडमिंटन में स्कोरिंग से जुड़ा सबसे बड़ा सुधार है। नए 3315 स्कोरिंग सिस्टम के तहत, मैच अभी भी तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाएंगे। हर गेम वह पक्ष जीतेगा जो सबसे पहले 15 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो।

मौजूदा स्कोरिंग सिस्टम के तहत बैडमिंटन मैच आम तौर पर तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाते हैं। हर गेम वह पक्ष जीतता है जो सबसे पहले 21 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो; हालाँकि, अगर स्कोर 29-29 पर पहुंच जाता है, तो 30वां अंक बनाने वाला पक्ष गेम जीत जाता है। जो भी टीम

रैली जीतती है, उसे एक पॉइंट मिलता है- चाहे सर्विस किसी भी टीम ने की हो। मौजूदा 3321 रैली-पॉइंट स्कोरिंग सिस्टम 2006 में शुरू किया गया था। इसने पहले के 15-पॉइंट वाले फॉर्मेट की जगह ली, जिसमें पॉइंट सिर्फसर्विस करने वाली टीम को ही मिलते थे।

एनगिडी अब पहले से बेहतर, जल्द वापसी करेंगे : वेणुगोपाल

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स के खिलाफ (आईपीएल) में चोटिल हुए दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी अब ठीक हैं और उनके शीघ्र ही लीग में वापसी करने की संभावना है। एनगिडी को फील्डिंग करते समय सिर में गंभीर चोट लग गई थी। पंजाब के बल्लेबाज प्रियांश आर्य का कैच पकड़ने के प्रयास में पीछे गिर गए और उनका सिर जमीन से टकरा गया था, जिसके बाद उन्हें तत्कालल एंबुलेंस से मैक्स अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के कारण खेल लगभग 15 मिनट तक रुका रहा। वहीं अब कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने बताया है कि एनगिडी की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी भी अस्पताल में हैं हालांकि उम्मीद है कि वह वह जल्दी ही ठीक होकर लीग में वापस कर सकते हैं। राव ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को सबसे महत्वपूर्ण बताया। वहीं कन्कशन सब्स्टीट्यूशन को लेकर वेणुगोपाल ने कहा है कि नियमों के अनुसार सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ी ही खेल सकते हैं, इसलिए दुश्मंथा चमीरा की जगह विप्रज निगम को लाया गया। पंजाब किंग्स के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल साथ ही कई खिलाड़ियों ने एनगिडी के जल्द ठीक होने की कामना करते कहा था कि सिर की चोट कई बार खतरनाक बन जाती है।

एक नजर

उपराज्यपाल सिन्हा ने नागरिकों से की अंगदान का संकल्प लेने की अपील

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को नागरिकों से अंग दान का संकल्प लेने की अपील की और कहा कि जीवन के उपहार का सभी धर्मों में सम्मान किया जाता है। अंग दाताओं और उनके परिवारों को सम्मानित करने के लिए समर्पित एक कार्यक्रम 'नमन दिवस' में भाग लेने के दौरान सिन्हा ने कहा कि अंग दाताओं और उनके परिवारों ने अनगिनत लोगों के जीवन में खुशियां दी हैं। राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने इसके प्रतिनिधियों से सामाजिक नेटवर्क, सामुदायिक बैठकों, शैक्षणिक संस्थानों, पूजा स्थलों और कार्यस्थलों सहित सभी प्लेटफार्मों पर जागरूकता अभियान तेज करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मुझे बड़ी जिम्मेदारी के साथ इस बात पर जोर देना चाहिए कि सरकार या किसी संस्थान का कोई भी पुरस्कार वास्तव में आपके उपहार का मूल्य नहीं बता सकता। एलजी ने आगे कहा कि एसओटीटीओ जम्मू और कश्मीर अपने अभियानों, अस्पताल साझेदारी, गैर सरकारी संगठनों के साथ सहयोग और मस्तिष्क-मृत दाता मामलों की संवेदनशील पहचान और प्रबंधन के लिए चिकित्सा पेशेवरों के प्रशिक्षण के माध्यम से करुणा और मानवता का एक आंदोलन बन गया है। उन्होंने अपनी राज्य टीम से संवाद और आउटरीच के माध्यम से पंजीकरण और प्रतिज्ञा बढ़ाने का आग्रह किया। एलजी ने पिछले साल केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की आयुष्मान भारत अंग दान रजिस्ट्री पर अपना पंजीकरण कराया था।

शराबी पति की हत्या करने वाली पत्नी व साला गिरफ्तार

फरीदाबाद: पति द्वारा शराब पीकर रोज-रोज मारपीट करने की आदत से परेशान एक महिला ने अपने भाई व जीजा के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी और उसके शव को जंगल में फांसी पर लटका दिया। घटना के तीन दिन बाद रविवार को पुलिस ने आरोपित पत्नी व उसके भाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता अनुसार धर्मबीर निवासी यूपी ने थाना डबुआ में दी अपनी शिकायत में बताया कि 23 अप्रैल को उसके भाई जयबीर की किसी ने हत्या कर दी थी तथा सबूत मिटाने के लिए डेड बॉडी को कूडे में फेंक दिया। जिस शिकायत पर थाना डबुआ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच क्राइम ब्रांच डीएलएफ पुलिस ने करते हुए मृतक की पत्नी व साले चंद्रप्रकाश निवासी डबुआ फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान मृतक की पत्नी ने बताया कि जयबीर शराब पीकर रोजाना झगड़ा करता था। जिससे छुटकारा पाने के लिये 22/23 अप्रैल की रात को उसने अपने जीजा जितेंद्र उर्फ गुड्डू के साथ मिलकर पति जयबीर का गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर गुमराह करने के लिये जितेंद्र व चंद्रप्रकाश ने जयबीर के शव को जंगल में फांसी से लटका दिया। इसके बाद 23 अप्रैल को सुबह के समय आरोपित की पत्नी का भाई चंद्रप्रकाश व जीजा जितेंद्र उर्फ गुड्डू, जयबीर के शव को मोटरसाइकिल पर रखकर डबुआ पाली रोड उत्तम नगर के नजदीक कूडे के ढेर में फेंक आये। आरोपियों को आज अदालत में पेश किया गया, जहां से चंद्रप्रकाश को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया वहीं आरोपिता की पत्नी को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में आरोपी महिला के जीजा जितेंद्र उर्फ गुड्डू की पुलिस तलाश कर रही है।

प्रतिभा, पारदर्शिता और अवसर से ही बनेगा भारत वैश्विक खेल शक्ति : अरुण साव

एजेंसी

रायपुर : केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्रालय के जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित खेल चिंतन शिविर के दूसरे दिन आज छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने 'गुड गवर्नेंस इन स्पोर्ट्स' पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रतिभा, पारदर्शिता और अवसर से ही भारत वैश्विक खेल शक्ति बनेगा। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री और खेल मंत्री साव ने इस दौरान छत्तीसगढ़ की खेल योजनाओं एवं भविष्य की रणनीतियों पर बेस्ट प्रेक्टिसेस पर आधारित वीडियो प्रेजेंटेशन भी दिया। चिंतन शिविर के समापन के दौरान केन्द्रीय युवा कार्य और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने घोषणा की कि जल्दी ही केवल युवा मामलों पर केंद्रित एक विशेष चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा। साव ने विभिन्न राज्यों से आए खेल मंत्रियों एवं अधिकारियों के समक्ष छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों के विकास के लिए लागू बेस्ट गवर्नेंस प्रैक्टिसेस को विस्तार से साझा किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों से सुझाव भी प्राप्त किए। चिंतन शिविर में शामिल अलग-अलग राज्यों के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की भावी योजनाओं की सराहना करते हुए इसे एक प्रभावी मॉडल बताया। उन्होंने राष्ट्रीय खेल चिंतन शिविर के दौरान दो दिनों तक विभिन्न राज्यों के खेल मंत्रियों एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से संवाद कर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए छत्तीसगढ़ में बेहतर खेल अवसंरचना, प्रतिभा संवर्धन एवं खिलाड़ियों को अधिक अवसर प्रदान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत खेल व्यवस्था और प्रोत्साहन से ही देश को ओलंपिक खेलों में बड़ी सफलता मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह चिंतन शिविर छत्तीसगढ़ और पूरे देश में खेलों के समग्र विकास, सुदृढ़ खेल व्यवस्था के निर्माण तथा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। चिंतन शिविर के दूसरे दिन भी आज अलग-अलग सत्रों में खेल प्रशासन, नीतिगत सुधार एवं युवा मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। इस दौरान राज्यों में खेल सामग्रियों के निर्माण, सरकारी योजनाओं तथा स्पोर्ट्स स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। इसमें यह बात प्रमुखता से आई कि भारत में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल उपकरणों का निर्माण किया जाए, जिससे देश का खेल उद्योग आत्मनिर्भर बन सके। आज एक महत्वपूर्ण सत्र में सलेक्शन पॉलिसी और एज फ्रॉड पर भी विशेष चर्चा हुई। इसमें खिलाड़ियों के चयन में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं स्पष्ट मापदंड सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही उम्र में गड़बड़ी की रोकथाम के लिए सख्त सत्यापन प्रक्रिया एवं तकनीकी उपाय अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि खेलों में ईमानदारी एवं विश्वसनीयता बनी रहे। आज का अंतिम सत्र 'माई भारत' की योजनाओं और इसकी कार्ययोजना पर केंद्रित रहा। इसमें खेलों के साथ-साथ युवा मामलों को भी समान महत्व देते हुए केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला गया।

ममता दीदी ने किसानों के साथ किया अन्याय : अमित शाह

एजेंसी

तेहट्ट : पश्चिम बंगाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ममता बनर्जी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए उन पर किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। नदिया जिले के तेहट्ट में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल के मतदाताओं ने पहले चरण के मतदान में दीदी का सफाया कर दिया है। पहले चरण की 150 सीटों में से भारतीय जनता पार्टी 110 सीटें जीतने जा रही है। बाकी काम दूसरे चरण में पूरा किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि ममता दीदी ने इस क्षेत्र के लहसुन किसानों को धोखा दिया है। देश के बाकी हिस्सों में लहसुन 200 टका प्रति किलो बिकता है। लेकिन बांग्लादेश से आने वाले नकली चीनी लहसुन के कारण, लहसुन किसानों को केवल 12 टका प्रति किलोग्राम मिलता है। भाजपा सरकार के दौरान चीनी लहसुन पर प्रतिबंध लगाया जाएगा और किसानों को उनके उत्पादित लहसुन का मूल्य 200 रुपये प्रति किलोग्राम मिलेगा।

अमित शाह ने कहा, मैं माताओं-बहनों से कहना चाहता हूं कि यहां कमल की सरकार बनाएं। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि मई महीने से प्रत्येक दीदी के बैंक खाते में तीन हजार रुपये जमा किये जायेंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार बंगाल के सभी बेरोजगार युवाओं के खाते में भी 3000 की राशि हर माह जमा करेगी और हम हर गर्भवती मां को उसके बच्चे की देखभाल के लिए 21 हजार रुपये दिए जाएंगे।

पहले चरण की बंपर वोटिंग से ममता सरकार का सुपड़ा साफ : अमित शाह

एजेंसी

नदिया : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच जिले के राणाघाट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि पहले चरण में हुई बंपर वोटिंग से राज्य में बदलाव का संकेत मिल गया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान से ही ममता बनर्जी सरकार का सुपड़ा साफ होता दिखाई दे रहा है और 151 सीटों में से लगभग 110 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी भारी बहुमत से जीत की ओर बढ़ रही है।

अमित शाह ने कहा कि दूसरे चरण का मतदान बाकी काम पूरा कर देगा और राज्य में भाजपा की सरकार बनने का रास्ता साफ हो जाएगा।

सभा में मौजूद मां-बहनों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि

भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं के खातों में हर महीने तीन हजार रुपये भेजने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं को भी तीन हजार रुपये की सहायता उनके खातों में दी जाएगी।

अमित शाह ने कहा कि सरकारी बसों में मां-बहनों को कोई टिकट नहीं लेना होगा और वे मुफ्त में सफर कर सकेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्नातक करने वाली बच्चियों को 50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। साथ ही जो बेरोजगार युवा फैक्ट्री लगाना चाहते हैं, उन्हें 15 लाख रुपये का लोन देने की व्यवस्था भाजपा सरकार करेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने पूरे बंगाल में घुसपैठियों को रखा है और राज्य को घुसपैठिया मुक्त बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यही घुसपैठिए लोगों की नौकरियां छीन रहे हैं और लोगों को गरीब बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी उन्हें लेकर नाराज रहती हैं और पूछती हैं कि इतने सारे घुसपैठियों के नाम क्यों निकल रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा कि अभी तो सिर्फ नाम निकला है, पांच तारीख को सरकार बना दीजिए, भाजपा एक-एक को चुन-चुनकर बाहर करने का काम करेगी।

मौसम की चुनौतियों के बावजूद देश में गेहूं उत्पादन बेहतर, बढ़े रकबे और खरीद के आंकड़े से उछाल के संकेत

एजेंसी

नई दिल्ली : देश में इस साल 3.34 करोड़ हेक्टेयर में हुई गेहूं की बुवाई के बाद बेहतर कृषि प्रबंधन और उन्नत किस्मों के उपयोग के चलते मौसम की मार के बावजूद गेहूं उत्पादन समग्र रूप से बेहतर रहा। फरवरी की गर्मी, असमय बारिश और ओलावृष्टि के असर के बावजूद हरियाणा में 56.13 लाख मीट्रिक टन खरीद, मध्य प्रदेश में लक्ष्य बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन और महाराष्ट्र में 22.90 लाख टन उत्पादन के अनुमान है, जो अच्छा उत्पादन है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष लगभग 3.34 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। पूरे सीजन के दौरान फसल में किसी बड़े कीट या रोग का प्रकोप नहीं देखा गया।

मंत्रालय के अनुसार, फरवरी में असामान्य रूप से अधिक तापमान के कारण फसल पर हीट स्ट्रेस का असर पड़ा, जिससे दानों के भरने की अवधि प्रभावित हुई। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में असमय बारिश और ओलावृष्टि से स्थानीय स्तर पर नुकसान की आशंका रही है।

हालांकि, कई सकारात्मक कारकों ने इन प्रतिकूल प्रभावों को संतुलित किया है। समय से पहले बुवाई, अधिक क्षेत्र में खेती, उन्नत और जलवायु सहनशील किस्मों का उपयोग तथा खरपतवार और कीटों का कम प्रकोप उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में सहायक रहे हैं।

खरीद के आंकड़े भी बेहतर स्थिति बताते हैं। हरियाणा में गेहूं की आवक सरकारी लक्ष्य से आगे रही है और खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। मध्य प्रदेश में उच्च उत्पादन के अनुमान के चलते खरीद लक्ष्य बढ़ाया गया है, जबकि महाराष्ट्र में भी उत्पादन में स्थिर वृद्धि देखी जा रही है।

मंत्रालय ने कहा कि स्थानीय स्तर पर कुछ प्रभावों के बावजूद देश में गेहूं उत्पादन की समग्र स्थिति संतोषजनक और मजबूत बनी हुई है।

आदि कैलाश यात्रा-2026: गूंजी में तैयारियों का निरीक्षण

पिथौरागढ़ : आदि कैलाश यात्रा-2026: प्रशासन अलर्ट मोड में को लेकर पिथौरागढ़ प्रशासन पूरी तरह एक्शन में है। डीएम आशीष भटगांई के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह की अगुवाई में टीम ने गूंजी क्षेत्र में व्यवस्थाओं का जमीनी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आवास, टेंट, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा, स्वच्छता और संचार व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। यात्रियों के लिए स्वच्छ पानी, मेडिकल सुविधाएं, ऑक्सीजन, एंबुलेंस और सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन ने साफ कहा है कि यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां समय पर आदि कैलाश यात्रा-2026: प्रशासन अलर्ट मोड में को लेकर पिथौरागढ़ प्रशासन पूरी तरह एक्शन में है।

मप्र और राजस्थान के लिए आर्थिक समृद्धि के द्वार खोलेगी पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना : मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से पार्वती-काली सिंध-चंबल अंतरराज्यीय परियोजना को स्वीकृति मिली है। इस परियोजना से मध्य प्रदेश और राजस्थान लाभान्वित होंगे। यह प्रोजेक्ट मध्य प्रदेश और राजस्थान के लिए आर्थिक समृद्धि के द्वार खोलेगा। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी विशेष रूप से मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को राजस्थान के कोटा जिले के ग्राम रींछी में श्रीकृष्ण यदुवंशी अहीर समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चंबल मैया का आशीर्वाद मध्य प्रदेश और राजस्थान दोनों प्रांतों को मिल रहा है। हमारा प्रदेश अनेक नदियों के उद्गम के कारण नदियों का मायका है। मध्य प्रदेश और राजस्थान जोड़ीदार प्रदेश हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 16 संस्कारों में पाणिग्रहण संस्कार शामिल है। विवाह ही कुल और गोत्र को आगे बढ़ाते हुए अमरता देते हैं। विवाह से जीवन साथी के साथ बेटियों को नए माता-पिता मिलते हैं। उन्होंने सामूहिक विवाह समारोह में नव दंपतियों को आशीर्वाद और मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान में सामूहिक विवाह काफी उपयोगी हैं। मैंने अपने बेटे का विवाह सादगीपूर्वक किया था। परिवारों को खर्चीले विवाहों के कारण आर्थिक कष्ट उठाने होते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने समाज का मार्गदर्शन किया। धर्म मार्ग पर चलने की सभी को प्रेरणा दी। अनेक कष्ट सहते हुए उनका जीवन एक उदाहरण बना। भगवान श्री कृष्ण ने लोकतंत्र की स्थापना का उदाहरण दिया था, जब कंस के वध के पश्चात स्वयं सत्ता नहीं सम्हाली। वे लोकतंत्र के सच्चे नायक थे। उन्होंने धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा दी। मध्य प्रदेश सरकार श्रीकृष्ण पाथेय का विकास कर रही है। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाज के गौरव हैं। वे राजस्थान और मध्य प्रदेश को भाई-भाई मानते हैं। दोनों राज्यों की सरकारों ने सामूहिक प्रयास किया और आज पार्वती-काली सिंध-चंबल नदी परियोजना पर कार्य हो रहा है। पीकेसी परियोजना से मध्य प्रदेश के साथ राजस्थान के किसानों को भी सिंचाई के लिए पर्याप्त जल मिलेगा। राजस्थान के विधायक महंत बाबा बालक नाथ ने कहा कि योगेश्वर श्री कृष्ण ने यदुवंशी कुल में जन्म लेकर पूरे समाज को धन्य किया। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में गरीब और पिछड़ा वर्ग के परिवारों को सामूहिक विवाह में शामिल कर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

हिमाचल में गर्मी के प्रकोप से पहाड़ भी तपे, 28 अप्रैल से आंधी-बारिश का अलर्ट

शिमला : हिमाचल प्रदेश में मौसम का मिजाज कड़ा बना हुआ है। राज्य के कई हिस्सों में तापमान तेजी से बढ़ा है और मैदानी इलाकों के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में भी गर्मी का असर साफ दिखाई दे रहा है। रविवार को प्रदेश के किसी भी मौसम केंद्र में बारिश या बर्फबारी दर्ज नहीं की गई, हालांकि कुछ ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बारिश जरूर हुई। मौसम केंद्र शिमला के मुताबिक, पिछले 24 घंटों के दौरान सेओबाग में 2.2 मिलीमीटर, जोत में 2 मिलीमीटर और कल्पा में 1 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके बावजूद प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में गर्मी का असर बना रहा। खासतौर पर मैदानी क्षेत्रों में लू जैसी स्थिति बनी हुई है। तापमान की बात करें, तो ऊना सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 5 डिग्री अधिक है। सुंदरनगर में 36.8 डिग्री, कांगड़ा में 36.6 डिग्री, मंडी में 36 डिग्री, नाहन में 35 डिग्री और भुंतर में 34.9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। धर्मशाला में 34.1 डिग्री और सोलन में 33.2 डिग्री तापमान रहा। राजधानी शिमला में भी तापमान 27.2 डिग्री तक पहुंच गया, जो सामान्य से करीब 3.8 डिग्री ज्यादा है। गर्मी का असर अब रात के समय भी महसूस किया जा रहा है। शिमला और ऊना में रात का तापमान लगभग बराबर दर्ज किया गया है। शिमला में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक है, जबकि ऊना में यह 19 डिग्री दर्ज किया गया। पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों के तापमान में यह समानता लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। राज्य के अधिकतर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 5 डिग्री अधिक चल रहा है। वहीं, सबसे कम तापमान कुकुमसेरी में 5.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में मौसम बदलने के संकेत दिए हैं। 27 अप्रैल को ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में कुछ जगहों पर हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

तकनीकी क्षमता से परिभाषित होगी राष्ट्रों की शक्ति : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली: केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि सामूहिक प्रयासों से भारत न केवल विकसित राष्ट्र बनेगा बल्कि वैश्विक प्रगति को भी नई दिशा देगा। आने वाले दशकों में किसी भी राष्ट्र की शक्ति उसकी तकनीकी क्षमता से परिभाषित होगी। डॉ. सिंह ने यह बात लॉस एंजिल्स में वर्चुअल माध्यम से आयोजित 'अखिल-आईआईटी पूर्व छात्र सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कही। इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर के प्रौद्योगिकी नेता, उद्यमी, निवेशक और शोधकर्ता शामिल हुए।

इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, "भारत को तकनीकी संप्रभुता हासिल करने और वैश्विक स्तर पर अपनी प्रगति को नई दिशा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में नेतृत्व करना होगा। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं रहा बल्कि एक वैश्विक नवप्रवर्तक के रूप में उभर रहा है। साल 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार हमारी नींव हैं। अंतरिक्ष कार्यक्रम का विस्तार, जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति और डीप-टेक स्टार्टअप्स का उदय भारत की बढ़ती वैश्विक शक्ति के जीवंत प्रमाण हैं। भारतीय प्रवासियों, विशेष रूप से आईआईटी के पूर्व छात्रों के योगदान की सराहना करते हुए मंत्री ने उन्हें भारत और वैश्विक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने कहा कि निवेश, मार्गदर्शन और नीतिगत भागीदारी के माध्यम से प्रवासी भारतीय देश के विकास पथ को निरंतर मजबूत कर रहे हैं।

डॉ. सिंह ने उभरते हुए क्षेत्रों जैसे सेमी कंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और क्वांटम प्रौद्योगिकियों को राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक लचीलेपन के लिए अनिवार्य बताया।

छग में एनटीपीसी सीपत के 7.19 करोड़ के सीएसआर कार्यों का हुआ लोकार्पण

बिलासपुर/रायपुर: केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री तोखन साहू ने रविवार को बिलासपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन सीपत ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत लगभग 7.19 करोड़ रुपये की लागत से विकसित चिकित्सा सुविधाओं का लोकार्पण किया। इस पहल के तहत शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान को उन्नत उपकरणों और सुदृढ़ आधारभूत संरचना की महत्वपूर्ण सौगात मिली है। इसके तहत शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में एनटीपीसी सीपत की लगभग 4.27 करोड़ रुपये की सहायता से स्थापित अत्यधुनिक रक्त केंद्र, माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला, हार्मोन लैब तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित माइक्रोस्कोपी सुविधा का उद्घाटन किया गया। यह रक्त केंद्र छत्तीसगढ़ का अपनी तरह का पहला अत्यधुनिक ब्लड बैंक है, जिसमें उन्नत तकनीक से युक्त विश्वस्तरीय मशीनें स्थापित की गई हैं, जिससे जांच और उपचार सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार होगा।

इसी क्रम में छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर में लगभग 2.92 करोड़ रुपये की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व राशि से खरीद की गई मशीनों का भी लोकार्पण किया गया। नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन सीपत और सिम्स के मध्य उपकरणों के हस्तांतरण से संबंधित औपचारिक दस्तावेजों का आदान-प्रदान भी किया गया। इस सहायता से सिम्स के लगभग आठ विभागों के लिए कुल 26 आधुनिक मशीनें स्थापित की गई हैं, जिनमें हाई-एंड कलर डॉप्लर, ऑटोमैटिक केमिल्यूमिनेसेंस प्रणाली, हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी, सी-आर्म मशीन, ऑपरेशन थिएटर टेबल, डेंटल चेयर, मॉचुरी फ्रीजर, एमओ2 फ्रैक्शनल लेजर सिस्टम तथा एसीटी मशीन शामिल हैं। मुख्य अतिथि तोखन साहू ने एनटीपीसी सीपत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में इस प्रकार का सहयोग छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक ब्लड बैंक, उन्नत प्रयोगशालाएं और आधुनिक उपकरण मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल जनसेवा को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी गति प्रदान करती हैं। शासकीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निदेशक, प्रोफेसर एवं मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. भानु प्रताप सिंह ने बताया कि यह रक्त केंद्र पूर्णतः कंप्यूटरीकृत एवं ऑनलाइन प्रणाली पर आधारित है, जिससे जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902